THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 323 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ. 1 2079 सोमवार, 6 फरवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आप फिट होंगे तभी देश सुपरहिट होगा : मोदी

डिजिटल लाइब्रेरी बदलेगी लर्निंग एक्सपीरियंस, जयपुर महाखेल के फाइनल में शामिल

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप फिट होंगे तभी देश सुपरहिट होगा। राजस्थान ने देश को कई खेल प्रतिभा दी है। खेलों में बेटियों का आगे बढ़ना अच्छा संकेत है। मोदी रविवार को जयपुर महाखेल के फाइनल से पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से चित्रकूट स्टेडियम में खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे।

पीएम मोदी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा, जीतने और सीखने के लिए मैदान में उतरें। खेल के मैदान से कोई भी खाली हाथ नहीं लौटता है। राजस्थान की धरती युवाओं के जोश के लिए जानी जाती है। राजस्थान के युवा कभी पीछे नहीं हटते हैं।

उन्होंने कहा कि 2014 के मुकाबले देश के खेल बजट में 3 गुना बढ़ोतरी हुई है। इस बार खेलो इंडिया अभियान के लिए भी एक लाख करोड़ से ज्यादा का बजट दिया गया है। पहले देश की आवाज में खेल का जज्बा होता था, प्रतिभा भी होती थी, लेकिन संसाधन और सरकारी सहयोग की कमी हर बार खिलाड़ियों के आड़े आ जाती थी। इसका अब समाधान किया जा रहा है।

खेतों में जयपुर में भी यह आयोजन पिछले पांच-छह सालों से चल रहा है। इसी तरह बीजेपी के सांसद देशभर में इस तरह के आयोजन करा रहे हैं। उन सैकड़ों महाकुंभ में हजारों खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। जिन्हें जिला स्तर से केंद्र स्तर तक खेलने का मौका मिल रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, खेल महाकुंभ के जरिए नई खेल प्रतिभाओं को तराशा जा रहा है। इस बार बजट में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के लिए भी कई घोषणाए हुई है। पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना शुरू की है।

राजस्थान के युवा कभी पीछे नहीं होते हैं :

मोदी ने कहा, इतिहास गवाह है। इस वीर धरा के युवाओं ने रणभूमि को भी अपने शौर्य से खेल का मैदान बना दिया। अतीत से लेकर आज तक जब भी देश की रक्षा की बात आती है। राजस्थान के युवा कभी पीछे नहीं होते हैं। यहां के युवाओं के शारीरिक और मानसिक क्षमता को विकसित करने में राजस्थानी खेल परंपराओं का बड़ा योगदान रहा है। सैकड़ों सालों से मकर सक्रांति पर आयोजित होने वाला खेल दड़ा हो या बचपन की यादों से जुड़ा सितोलिया। रुमाल-झपट्टा जैसे परंपरागत खेल राजस्थान के रग-रग में बसे हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान ने देश को कितनी ही खेल प्रतिभाएं दी हैं। कितने ही मेडल देकर तिरंगे की शान को बढ़ाया है। जयपुर वालों ने तो सांसद भी ओलिंपिक पदक विजेता को चुना है। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को देश ने जो दिया है। उसे वह सांसद खेल स्पर्धा के जरिए नई पीढ़ी को लौटाने का काम कर रहे हैं। जयपुर महाखेल में इस साल 600 से ज्यादा टीम और 6 हजार से ज्यादा खिलाड़ियों का शामिल होना इसकी सफलता को बताता है।

पीएम ने कहा, आजादी के इस अमृत काल में देश नई-नई परिभाषाएं गढ़ रहा हैं। नई व्यवस्थाओं का निर्माण कर रहा है। देश में आज पहली बार खेलों को सरकारी चश्मे से नहीं, बल्कि खिलाड़ियों की नजर से देखा जा रहा है।

मैं जानता हूं युवा भारत की युवा पीढ़ी के लिए असंभव कुछ भी नहीं है। युवाओं को जब सामर्थ, स्वाभिमान, स्वावलंबन, सुविधा और संसाधन की शक्ति मिलती है तो हर लक्ष्य आसान हो जाता है।

2500 करोड़ रुपये का बजट मिला :

उन्होंने कहा, देश के इस एप्रोच की झलक इस बार के बजट में भी दिखाई दे रही है। इस बार देश के बजट में खेल विभाग को करीब 2500 करोड़ रुपये का बजट मिला है। जबकि 2014 से पहले खेल विभाग का बजट 800 से 850 करोड़ रुपये के

सेना ने अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में बदलाव

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने अग्निवीर भर्ती की चयन प्रक्रिया में बड़े बदलाव का ऐलान किया है। अब उम्मीदवारों को पहले एक ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन (सीईई) यानी रिटन टेस्ट देना होगा। अभी सीईई सबसे बाद में लिया जाता है।

सेना की ओर से कई न्यूज पेपर्स में एनरोलमेंट प्रोसेस में बदलाव की घोषणा करने वाले विज्ञापन प्रकाशित किए गए थे। इस संबंध में एक आधिकारिक अधिसूचना मध्य फरवरी तक जारी होने की उम्मीद है।

जानिए पहले क्या प्रोसेस थी और बदलाव क्या हुआ...

पहले : अग्निवीरों के लिए भर्ती प्रक्रिया अलग थी। सबसे पहले उम्मीदवारों का फिजिकल फिटनेस टेस्ट होता था। उसके बाद मेडिकल टेस्ट और फिर आखिर में उम्मीदवारों को कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन (सीईई) यानी रिटन टेस्ट पास करना होता था। फाइनल मेरिट लिस्ट के आधार पर ट्रेनिंग के लिए चयन होता था।

अब : सूत्रों के मुताबिक, कैंडिडेट्स को सबसे पहले सीईई देना होगा। इसके बाद फिटनेस और मेडिकल टेस्ट होगा। इस बदली हुई प्रक्रिया का ऑफिशियल नोटिफिकेशन फरवरी के बीच में जारी किया जा सकता है।

बदलाव क्यों किया : सेना के एक सूत्र ने बताया कि प्रक्रिया में बदलाव खर्च को कम करने के लिए किया जा रहा है। पहले रिक्रूटमेंट के लिए फिजिकल और मेडिकल रैलियां की जाती थीं। पहले सीईई होने से रैलियों में होने वाली भीड़ घटेगी। इससे खर्च का बोझ भी घटेगा।

>14

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति मुशर्रफ का निधन

दुबई के अस्पताल में लंबे समय से इलाज चल रहा था, 79 की उम्र में आखिरी सांस ली

दुबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के तानाशाह और पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का रविवार को निधन हो गया। वे 79 साल के थे। मुशर्रफ लंबे वक्त से बीमार थे। दुबई के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। मुशर्रफ 20 जून 2001 से 18 अगस्त 2008 तक पाकिस्तान के राष्ट्रपति रहे।

मई 2016 में पाकिस्तान की एक अदालत ने उन पर देशद्रोह के आरोप लगाए थे। इसके बाद वो देश छोड़कर दुबई चले गए तो उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया।

कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था

मुशर्रफ कई महीने से अस्पताल में भर्ती थे। जून 2022 में उनके परिवार ने सोशल मीडिया पर कहा था कि वे अमाइलॉइडोसिस नाम की बीमारी से जूझ रहे हैं। इसकी वजह से उनके सभी अंगों ने काम करना बंद कर दिया। अमाइलॉइडोसिस में इंसान के शरीर में अमाइलॉइड नाम का असामान्य प्रोटीन बनने लगता है। यह दिल, किडनी, लिवर, नर्वस सिस्टम, दिमाग आदि अंगों में जमा होने लगता है, जिस वजह से इन अंगों के टिशूज ठीक से काम नहीं कर पाते।

मुशर्रफ 1965 में भारत से लड़े थे युद्ध, कारगिल की साजिश रची

कॉलेज की पढ़ाई खत्म करने के बाद 21 साल की उम्र परवेज मुशर्रफ ने बतौर जूनियर अफसर पाकिस्तानी आर्मी जॉइन कर ली। उन्होंने 1965 में भारत के खिलाफ जंग लड़ी। खास बात ये है पाकिस्तान ये जंग हारा। इसके बावजूद पाकिस्तान सरकार ने मुशर्रफ को मेडल दिया।

1971 के युद्ध में भी मुशर्रफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसे देखते हुए सरकार ने उन्हें कई बार प्रमोट किया। 1998 में परवेज मुशर्रफ जनरल बने। उन्होंने भारत के खिलाफ कारगिल की साजिश रची। जंग भी हारे और दुनिया में पाकिस्तान को बदनाम भी करा दिया। अपनी जीवनी 'इन द लाइन ऑफ फायर-अ मेमॉयर' में जनरल मुशर्रफ ने लिखा कि उन्होंने कारगिल पर कब्जा करने की कसम खाई थी। लेकिन नवाज शरीफ की वजह से वो ऐसा नहीं कर पाए।

वाजपेयी से मिलने के लिए रास्ते में काफिला रुकवाया था

मुशर्रफ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से मिलना चाहते थे लेकिन तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार टालमटोल कर रही थी। लेकिन मुशर्रफ ने वाजपेयी से मिलने की ठान ली थी। यह मुलाकात 18 अप्रैल 2005 को हुई। मुशर्रफ ने पाकिस्तान वापसी के लिए पालम हवाई अड्डे जाते समय अपना काफिला 6 कृष्ण मेनन मार्ग पर रुकवा दिया था। वे अटल बिहारी वाजपेयी से मिले और कहा, सर, अगर आप प्रधानमंत्री होते तो आज दोनों देशों के बीच के रिश्ते कुछ और होते।

पाकिस्तान ने दूतावासों से कहा, कश्मीर मुद्दे पर प्रदर्शन करो :

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की नई साजिश का पर्दाफाश हुआ है। भारतीय इंटेलिजेंस एजेंसियों के मुताबिक, पाकिस्तान ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की प्लानिंग की है। पाकिस्तान ने दुनियाभर में अपने दूतावासों को कहा है कि कश्मीर घाटी में ऐसी साजिश रचे जिससे दुनिया में भारत सरकार की छवि खराब हो।

इंटेलिजेंस एजेंसियों ने कहा है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने अपनी सभी ऐंबैसी को सीक्रेट नोट भेजा है। इसमें भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचने की पूरी जानकारी दी गई है। 5 फरवरी को पाकिस्तान 'कश्मीर सॉलिडैरिटी डे' मनाता है। इसके लिए इस्लामाबाद के पाकिस्तान हाई कमीशन ने सभी दूतावासों को फैक्स और ईमेल भेजकर भारतीय सेना को बदनाम करने की योजना का ब्योरा दिया है।

हैदराबाद दहलाने की थी कोशिश

एनआईए की एफआईआर में खुलासा, हैदराबाद के आतंकियों को लश्कर ने भेजे थे 2 हैंड ग्रेनेड

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एनआईए ने पिछले साल अक्टूबर में हैदराबाद से 3 आतंकियों को गिरफ्तार किया था, जिनके खिलाफ 25 जनवरी को एफआईआर की गई। एनआईए की इस एफआईआर में खुलासा हुआ है कि अब्दुल जाहिद लश्कर और आईएसआई से जुड़ा था। अब्दुल ने पाकिस्तानी आकाओं के कहने पर माज और समीउद्दीन समेत कई युवाओं की भर्ती की थी। जिनका इस्तेमाल वह आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए करता था।

जांच एजेंसी ने एफआईआर में हैदराबाद में आतंकवादी हमलों की साजिश करने के लिए गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार मोहम्मद जाहिद, माज हसन फारूक और समीउद्दीन को नामजद किया है।

जानिए क्या है लोन वुल्फ अटैक

पाकिस्तान, भारत में लोन वुल्फ अटैक को अंजाम देने वाला था। किसी अकेले इंसान का खतरनाक तरीके से सेलेब्रिटी या नेताओं पर किया जाने वाला हमला 'लोन वुल्फ अटैक' कहलाता है। इन हमलावरों के साथ कोई और शामिल नहीं होता, लेकिन ये लोग भीड़ या रैली में जाकर हमला करके बड़ी तादाद में लोगों की जान ले सकते हैं।

2 हैंड ग्रेनेड, 4 लाख कैश और दो मोबाइल भी मिले :

एफआईआर में यह भी बताया गया है कि आतंकी जाहिद के घर से जांच एजेंसी को 2 हैंड ग्रेनेड, 4 लाख रुपये कैश और दो मोबाइल फोन भी मिले थे। जाहिद आतंकी हमले करने के लिए लोगों की भर्ती भी कर रहा था। उसका रैली या सार्वजनिक जगहों पर हमले का प्लान तैयार था।

कई आतंकी साजिश को अंजाम दे चुका है अब्दुल जाहेद

पुलिस ने बताया कि अब्दुल जाहेद ने हैदराबाद में हुए कई आतंकी साजिश को अंजाम दिया। उसने 2002 में दिलसुखनगर के साईंबाबा मंदिर, 2004 में सिकंदराबाद में मौजूद गणेश मंदिर और 2005 में बेगमपेट स्थित सिटी पुलिस कमिश्नर के टास्क फोर्स के ऑफिस पर आत्मघाती हमला किया था।

पुलिस ने जब जाहेद को अरेस्ट किया था, तब उसे 6 आतंकियों के होने की खबर मिली थी, लेकिन तीन आतंकी फरार हो गए थे। उनकी तलाश जारी है।

फिल्मी स्टाइल में पहुंचा बैंक लूटने शख्स

बंदूक निकालकर लोगों को धमकाने लगा, बुजुर्ग ने दबोचा

चेन्नई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में एक शख्स फिल्मी स्टाइल में बुर्का पहनकर बैंक लूटने पहुंचा, लेकिन वह नाकामयाब रहा। इसका सीसीटीवी सामने आया है। घटना धारापुरम इलाके में केनरा बैंक की है। सीसीटीवी में दिख रहा है कि एक शख्स बुर्के में बैंक के अंदर घुसा और कुछ देर तक घुमाता रहा।

>14

निमी ने कहा, रात 2 बजे पति को उठा ले गए

असम की बालिका वधुओं का दर्द

रेजिना बोलीं- आधार में गड़बड़ी, बेटे को अरेस्ट किया

मोरीगांव, 5 फरवरी (एजेंसियां)। निमी की आंखों में मां बनने की खुशी नहीं है, बल्कि डर और असुरक्षा है। रेजिना की आंखों में खालीपन है। वह समझने की कोशिश कर रही है कि उसकी हंसती खेलती खुशहाल दुनिया एक झटके में कैसे बदल गई। असम के मोरीगांव जिले में बसे इस गांव में रहने वाली ज्यादातर औरतों का यही हाल है।

निमी उन हजारों बालिका वधुओं में से है, जिनके पतियों को पिछले दो दिनों में असम पुलिस ने पूरे राज्य में बाल विवाह के खिलाफ चलाए जाए रहे अभियान के तहत गिरफ्तार किया है। वहीं, रेजिना एक मां हैं, जिनके बेटे ने लव मैरिज की थी और इसी कारण आज वह जेल में है। (सभी के नाम सुरक्षा कारणों से बदले गए हैं)

निमी ने बताया, गुरुवार की रात लगभग 2 बजे दरवाजे पर दस्तक हुई। दरवाजा खोला, तो पुलिसकर्मी बाहर खड़े थे। वो अंदर आए और पति को पकड़कर ले गए। हमारा डेढ़ महीने का बेटा रोता रहा, लेकिन वह नहीं माने। मैं इस मासूम को लेकर कहां जाऊंगी। 17 साल की निमी ने भागकर गोपाल बिस्वास के साथ शादी की थी, जो 20 साल का है।

>14

2024 में फिर प्रधानमंत्री बनेंगे नरेंद्र मोदी!

धीरेंद्र शास्त्री के गुरु रामभद्राचार्य की भविष्यवाणी

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। विवादों से घिरे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के गुरु रामभद्राचार्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने भविष्यवाणी की है कि 2024 में पीएम मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बनेंगे। धीरेंद्र शास्त्री के गुरु ने ये भी बताया कि मोदी सरकार में उनको कौन-कौन से बड़े काम करवाने हैं।

तीसरी बार भी आएंगे पीएम मोदी

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में जगद्गुरु रामभद्राचार्य कहते सुना जा सकता है कि आपने कोई कसर नहीं छोड़ी, लाठीचार्ज कराया वो तो मेरी जान बच गयी। कम से कम भाजपा ने पद्मविभूषण देकर मेरी योग्यता का सम्मान तो किया। उन्होंने कहा, मेरी बात मानकर राम मंदिर बना। आप जान लीजिए मैं फिर भविष्यवाणी कर रहा हूं। पीएम मोदी तीसरी बार भी आएंगे और अबकी बार बहुत बड़े-बड़े काम होने हैं। गोवध बंद करवाना है और हिंदी को राष्ट्र भाषा बनवाना है।

रामचरितमानस बैन पर दी चुनौती

जगद्गुरु रामभद्राचार्य को वीडियो में कहते सुना जा सकता है, रामचरितमानस पर बैन लगाने की जो वकालत कर रहे हैं एक नेता स्वामी प्रसाद मौर्य। इसके अलावा बिहार के भी शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर हैं। मैं आप लोगों को खुली चुनौती दे रहा हूं, मेरे सामने आइए। मेरे सामने आकर मुझसे चर्चा कीजिए। कौन से पृष्ठ पर, किस चौपाई से आपको आपत्ति है, मैं उसका समाधान करूंगा।

धीरेंद्र शास्त्री का किया समर्थन

बागेश्वर धाम के महंत के गुरु रामभद्राचार्य ने अपने शिष्य का समर्थन करते हुए कहा कि लोग धीरेंद्र शास्त्री की लोकप्रियता को पचा नहीं पा रहे हैं इसीलिए भ्रम फैलाया जा रहा है। धीरे-धीरे सब शांत हो जाएगा और धीरेंद्र शास्त्री का समाज में उत्कर्ष होगा। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा, वह अपने गुरुजनों और पूर्वजों के आशीर्वाद का प्रसाद बांट रहे हैं। धीरेंद्र जो कर रहे हैं, वो चमत्कार नहीं नमस्कार है। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर सवाल करने वाले हिंदू हैं, लेकिन जयचंद हैं।

ज्वेलरी शॉप से डायमंड नेकलेस चुरा ले गया चूहा

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो, यूजर्स बोले- चुहिया काफी डिमांडिंग होगी

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। किसी इंसान ने ज्वेलरी शॉप से सोना, चांदी, डायमंड चुराया, इस तरह की खबरें तो अक्सर सुनने में आती है। लेकिन किसी चूहे ने ज्वेलरी शॉप से डायमंड हार चुरा लिया ये सुनने में बहुत अनोखा है। चूहे के डायमंड नेकलेस चुराने का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। 30 सेकंड के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक चूहा ऊपर के कूद कर आया और डिस्प्ले पर लगे डायमंड सेट पर बैठ गया। इतना ही नहीं चूहे ने नेकलेस को डिसप्ले से निकाला और तुरंत वहां से गायब हो गया।

सोशल मीडिया पर यह वीडियो आईपीएस ऑफिसर हिंगणकर ने शेयर किया है। कैप्शन में लिखा, अब ये चूहा डायमंड का नेकलेस किसके लिए ले गया होगा। वीडियो को अब तक 90 हजार लोग लाइक कर चुके हैं। एक यूजर ने कमेंट में लिखा- हार अपनी पत्नी चुहिया के लिए ले गया होगा, तो वहीं एक ने लिखा कि चुहिया काफी डिमांडिंग होगी। कुछ लोगों ने तो ये भी कहा कि चूहा वैलेंटाइन डे की तैयारी कर रहा है।

इंस्टाग्राम पर युवती से दोस्ती महंगी पड़ी

हिसार में युवक को मिलने बुलाया, कैफे पहुंचा तो युवकों ने कर डाली धुनाई

हिसार, 5 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार में भिवानी से युवती को मिलने पहुंचे युवक की कई युवकों ने धुनाई कर डाली। युवक की दोस्ती एक दिन पहले इंस्टाग्राम पर एक लड़की से हुई। चैट के दौरान लड़की ने उसे मिलने के लिए हिसार बुला लिया। बताए गए स्थान पर युवक उसका इंतजार कर ही रहा था कि इतने में कुछ युवक वहां आए। उन्होंने उसके साथ मारपीट की। फतेहाबाद के रहने वाले सुमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह वर्तमान में भिवानी के सिवानी मंडी में रह रहा है। बीती रात उसके पास कशिश शर्मा नामक लड़की के नाम से कॉल आई। इसके बाद मैसेज पर हेल्लौ का मैसेज आया। देर रात तक उनकी मैसेज पर बात होती रही। लड़की ने उसे मिलने के लिए हिसार बुला लिया।

नांदेड़ के बीआरएस की मेगा रैली में केसीआर बोले

देश में बस भाषण दिया जा रहा, किसानों पर कोई ध्यान नहीं

नांदेड़, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बीआरएस नांदेड़ रैलीः भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने रविवार (5 फरवरी) को महाराष्ट्र के नांदेड़ में बड़ी रैली की. पार्टी चीफ और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने जनसभा को संबोधित करते हु केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि देश में आजादी के इतने साल बाद भी लोगों को पानी नहीं मिल रहा है, न पीने के लिए न सिंचाई के लिए. इतनी सरकार आई गई उन्होंने आखिर क्या किया. सीएम ने कहा कि महाराष्ट्र में इतने किसान आत्महत्या करते हैं, इससे मुझे बहुत दुख होता है. केसीआर ने कहा कि 'अबकी बार किसान सरकार', अब हमें राष्ट्रीय स्तर पर जाना है. अब एक बड़ा परिवर्तन चाहिए. कई लोग आते हैं और लंबा-लंबा भाषण दे कर चले जाते हैं. मन की बात करके चले जाते हैं. 75 साल बाद भी देश को पानी, बिजली नहीं मिल रहा है. खाली देश में भाषण चल रहा है, किसान पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है.

मेक इन इंडिया जोक बन गया

उन्होंने आगे कहा कि आज मेक इन इंडिया जोक बन गया है. कहां गया इनका मेक इन इंडिया? हर चीज तो चीन से आ रही है. हर गली में चाइना बाजार लग रहा है. मेक इन इंडिया है तो चाइना बाजार की जगह भारत बाजार लगना चाहिए. केसीआर ने कहा कि अगर आप किसान सरकार, बीआरएस की सरकार बनाएंगे तो दो साल देश को जगमग कर देंगे.

बड़ी जनसभा

नांदेड़ में हुई ये रैली तेलंगाना के बाहर बीआरएस की पहली बड़ी जनसभा थी.

बीआरएस ने बताया कि महाराष्ट्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता पार्टी अध्यक्ष केसीआर की उपस्थिति में बीआरएस पार्टी में शामिल हुए हैं.

रैली में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे. बीआरएस प्रमुख और मुख्यमंत्री केसीआर का नांदेड़ पहुंचने पर पार्टी के नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया था.

केसीआर ने सबसे पहले नांदेड़ में गुरुद्वारे में मत्था टेका. बीते जनवरी के महीने में तेलंगाना के खम्मम में मेगा रैली के बाद बीआरएस की यह दूसरी बड़ी जनसभा भी है.

खम्मम में की थी पहली रैली

खम्मम रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित कई विपक्षी नेताओं ने भाग लिया था. पार्टी के झंडों, होर्डिंग्स, गुब्बारों और पोस्टरों के साथ नांदेड़ में आयोजन स्थल गुलाबी रंग में रंगा हुआ है और भव्य व्यवस्था की गई है.

बीआरएस का नारा 'अब की बार किसान सरकार'

केसीआर ने रैली से पहले कहा था कि उनकी सरकार की ओर से लागू की जा रही कल्याणकारी और विकासात्मक योजनाओं से आकर्षित होकर पड़ोसी राज्य के कई गांव तेलंगाना में विलय करना चाहते हैं. राव ने हाल ही में कहा था कि 2024 के आम चुनावों में बीआरएस का नारा 'अब की बार किसान सरकार' होगा.

जींद में महिला की अश्लील फोटो खींची

इंस्टाग्राम पर अपलोड कर किए गंदे कमेंट, पति को जान से मारने की धमकी दी

जींद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद में एक व्यक्ति ने महिला की अश्लील फोटो खींचकर इंस्टाग्राम पर डाल दी। साथ ही गंदे कमेंट करते हुए उसे पति को जाने से मारने की धमकी दी। महिला ने व्यक्ति की प्रताड़ना से तंग आकर महिला थाना पुलिस ने न्याय की गुहार लगाई है। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी जान-पहचान खरखोदा तहसील के अंतर्गत आने वाले गांव सिसाना निवासी दुलार उर्फ कालू के साथ है। दुलार सिंह ने धोखे से उसकी अश्लील फोटो खींची हुई थी। इन फोटो को दुलार सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। साथ ही उन पर गंदे कमेंट किए गए। जिससे उसे काफी मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। यही नहीं, दुलार सिंह ने उसके पति को भी मारने की धमकी दी। दुलार सिंह उसे पिछले कई माल से लगातार परेशान करता आ रहा है।

राष्ट्रपति के विशेष आमंत्रण पर

अमृत उद्यान पहुंचे सीजेआई, अन्य जज भी रहे मौजूद

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के विशेष आमंत्रण पर रविवार को सुप्रीम कोर्ट के जज अमृत उद्यान पहुंचे। इस दौरान देश के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ भी मौजूद रहे। उन्होंने अमृत उद्यान का निरीक्षण किया और यहां के रंग-बिरंगे फूलों को देखा। राष्ट्रपति भवन की ओर से इसका एक वीडियो भी साझा किया गया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के जज अपने परिवारों के साथ दिखाई दे रहे हैं। सीजेआई ने इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत भी किया। बता दें, पूर्ववर्ती राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान

यहां हर्बल-1, हर्बल-2, टेक्टाइल गार्डन, बोंसाई गार्डन और आरोग्य वनम जैसे उद्यान विकसित किए गए।

26 मार्च तक आम जनता के लिए खुला रहेगा अमृत उद्यान

अमृत उद्यान को जनता के लिए 31 जनवरी को खोला गया था। राष्ट्रपति भवन के बयान के मुताबिक, यह 26 मार्च तक खुला रहेगा, जहां दर्शक सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक यहां घूम सकते हैं। इसमें कहा गया है कि यह उद्यान 28 से 31 मार्च तक विशिष्ट श्रेणी के लोगों के लिए खुलेगा। इसके तहक किसानों के लिए 28 मार्च को, दिव्यांगों के लिए 29 सेना व अर्धसैनिक बलों व पुलिसकर्मियों के लिए 30 और 31 मार्च को महिलाओं व स्वयं सहायता समूह की जनजातीय महिलाओं के लिए खुलेगा।

कैथल में मिट्टी में दबा मिला बच्चे का शव

किसान खेत में गया तो पैर के अंगूठे दिखे; नहीं हो पाई पहचान

कैथल, 5 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में कैथल के चीका के गांव रिवाड़ जागीर में 13 वर्षीय बच्चे का शव जंगल में मिट्टी में दबा हुआ मिला। देखने में ऐसा लग रहा था कि बच्चे की हत्या कर शव को दफनाया गया है। शव की सूचना पाकर आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। अभी तक बच्चे की पहचान नहीं हो पाई है। पहचान को लेकर चीका पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मौके पर एसएफएल टीम को बुलाया गया है।

आदित्य ठाकरे-सीएम शिंदे विवाद में कूदे दो-दो विधायक

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ आदित्य ठाकरे के बयान पर विवाद बढ़ता जा रहा है। अब शिंदे गुट के दो-दो विधायक इस विवाद में कूद चुके हैं और आदित्य ठाकरे को नई चुनौती दे डाली है। दरअसल, शनिवार को शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) नेता आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को असंवैधानिक मुख्यमंत्री करार दिया था। उन्होंने एकनाथ शिंदे को उनके खिलाफ खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। ठाकरे ने कहा था कि मैं अपनी सीट से इस्तीफा दे दूंगा और उन्हें अपनी सीट से इस्तीफा दे देना

होगा। उन्हें मेरे खिलाफ वर्ली से चुनाव लड़ने देना चाहिए।

चुनौती देना ठीक नहीं, साथ में काम करें

आदित्य ठाकरे के बयान के बाद बालासाहेबची शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक मंगेश कुदलकर ने कहा है कि मैं आदित्य ठाकरे को बताना चाहता हूं कि इस तरह चुनौती देना ठीक नहीं है। शिंदे सरकार अच्छा काम कर रही है। मैं उनसे हमारे साथ काम करने का अनुरोध करता हूं। मैं कुर्ला में इस्तीफा दे दूंगा, उन्हें भी इस्तीफा देना होगा और मेरे खिलाफ चुनाव जीतकर साबित करना होगा।

अपरिपक्व नेता की तरह बयान दे रहे आदित्य

वहीं महाराष्ट्र के मंत्री दीपक केसरकार भी इस विवाद में उतर आए हैं। उन्होंने कहा, आदित्य ठाकरे एक अपरिपक्व नेता की तरह बयान दे रहे हैं। वर्ली से जीत सुनिश्चित करने के लिए दो लोगों को एमएलसी बनाया, जो उनके लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम यह भी कह सकते हैं कि उन्हें वर्ली से इस्तीफा दे देना चाहिए और ठाणे से चुनाव लड़ना चाहिए, लेकिन हम ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि यह हमारी संस्कृति में नहीं है।

बंगाल में फिर से हिंसा

बम विस्फोट में टीएमसी कार्यकर्ता की मौत, पंचायत प्रमुख का भाई घायल

कोलकाता, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के मारग्राम में एक बम विस्फोट में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की मौत और एक सत्तारूढ़ पार्टी के पंचायत प्रमुख के भाई के घायल होने के कारण रविवार को राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। जबकि मृतक न्यूटन शेख के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि हमले के लिए कांग्रेस समर्थक जिम्मेदार थे, पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मारग्राम में पार्टी की उपस्थिति बहुत कम है ताकि वह किसी भी तरह के शारीरिक हमले में शामिल हो सके। बम हमले में न्यूटन शेख की मौत हो गई, जबकि घायल लाल्टू शेख को इलाज के लिए कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम अस्पताल लाया गया। पश्चिम बंगाल के शहरी विकास मंत्री फिरहाद हाकिम ने कहा कि हमले में माओवादी शामिल भी हो सकते हैं क्योंकि बीरभूम जिले की सीमा झारखंड से लगती है। मारग्राम में एक टीएमसी पंचायत प्रमुख अपने घायल भाई लाल्टू से मिलने के बाद संवाददाताओं से कहा कि मुझे लगता है कि यह एक बड़ी साजिश है और इन बमों को बनाने के लिए सामग्री के स्रोत की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि कोई इंट्रा-टीएमसी प्रतिद्वंद्विता हो सकती है, जैसा कि विपक्षी भाजपा और कांग्रेस द्वारा आरोप लगाया जा रहा है, जिसके कारण शनिवार की घटना हो सकती है। चौधरी ने कहा कि मारग्राम में कांग्रेस के पास कोई सांगठनिक ताकत नहीं है, यह जानते हुए भी अगर कोई पार्टी को पब्लिसिटी देना चाहता है तो उसे इससे कोई दिक्कत नहीं है.चौधरी ने कहा हर कोई जानता है कि हमलावर और पीड़ित दोनों टीएमसी के हैं।

बैंक में घुसकर दो ग्राहकों ने अधिकारी को जमकर पीटा सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

नाडियाड, 5 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के नाडियाड शहर में दो लोगों द्वारा बैंक में घुसकर अधिकारी को पीटने का मामला सामने आया है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। खबर के अनुसार, मनीष धांगर बैंक ऑफ इंडिया की नाडियाड के कपाड़वंज शाखा में तैनात है और लोन डेस्क का काम देखते हैं। अपनी शिकायत में धांगर ने बताया कि शुक्रवार को वह बैंक में बैठे काम कर रहे थे, तभी एक ग्राहक, जिसका नाम समर्थ ब्रह्मभट्ट बताया जा रहा है, वह बैंक पहुंचा और उन्हें पीटना शुरू कर दिया। समर्थ के साथ उसका एक दोस्त पार्थ भी मौजूद था और पार्थ ने भी बैंक अधिकारी को पीटा।

ओडिशाः मंत्री हत्याकांड के मुख्य आरोपी की पुलिस रिमांड बढ़ी

फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक जांच से गुजरना होगा

भुवनेश्वर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री नब किशोर दास की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी बर्खास्त सहायक उप-निरीक्षक गोपाल दास की पुलिस रिमांड और चार दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। पुलिस रिमांड के तहत आरोपी का फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाएगा। बता दें कि फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन किसी व्यक्ति के दुर्भावनापूर्ण व्यवहार और उपचार के लक्ष्यों की पहचान करने, संचालन को परिभाषित करने और मापने के लिए किया जाता है। अधिकारी ने कहा कि आरोपी गोपाल दास का फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन और एलवीए टेस्ट झारसुगुड़ा में सीएफएसएल, नई दिल्ली की एक टीम द्वारा किया जा रहा है। आरोपी के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करने के लिए एक विशेष मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है।

पत्नी ने मानसिक रूप से बीमार होने का दावा किया था

आरोपी गोपाल दास की पत्नी जयंती ने दावा किया है कि उसका पति मानसिक विकार से पीड़ित था और दवा ले रहा था। उनके मनोचिकित्सक चंद्र शेखर त्रिपाठी ने भी जयंती के दावे की पुष्टि की। डॉ त्रिपाठी, जो एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बेरहामपुर के मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख हैं, ने कहा था, दास को लगभग आठ साल पहले बाइपोलर डिसऑर्डर से प्रभावित होने का पता चला था। वह पहली बार लगभग आठ से दस साल पहले मेरे क्लिनिक में आए थे। उन्होंने इसका इस्तेमाल किया था। बहुत जल्दी गुस्सा हो जाते थे और इसका इलाज चल रहा था। आरोपी के परिवार से भी हुई पूछताछ

बेड में छिपाकर रखता था गांजे की खेप

सप्लाई करने का अनोखा तरीका देखकर पुलिस भी हैरान

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। देश की राजधानी के बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने अलीपुर से एक गांजा सप्लायर को गिरफ्तार किया है। वह अपने बेड में गांजे की खेप को छिपाकर रखता था। पुलिस से बचने के लिए आरोपी अपने घर के दरवाजे में छेद किया हुआ था। इसके जरिए ग्राहक को गांजा सप्लाई करता था। पुलिस ने इसके कब्जे से 37 किलो गांजा बरामद किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर धंधे में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। जिला के स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली कि बकौली गांव निवासी अजय गांजा की सप्लाई करता है। निरीक्षक सचिन मान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक मकान पर छापा मारा। तलाशी लेने पर वहां कोई सामग्री बरामद नहीं हुई।

मुसलमान मां की संपत्ति पर नहीं है हिंदू बेटियों का अधिकार, गुजरात कोर्ट की टिप्पणी

अहमदाबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अहमदाबाद के एक कोर्ट ने तीन हिंदू बेटियों की तरफ से दायर एक मुकदमे को खारिज कर दिया है. इसमें दावा किया गया था कि उनकी मां की मौत के बाद संपत्ति पर हिंदू बेटियों का भी हक है. महिला ने इस्लाम धर्म कबूल कर लिया था. कोर्ट ने कहा कि महिला के हिंदू बच्चे मुस्लिम कानूनों के अनुसार उसके उत्तराधिकारी नहीं हो सकते हैं. बेटियों की जगह उसने मुस्लिम बेटे को उत्तराधिकारी के रूप में रखा है. दरअसल, 1979 में एक गर्भवती महिला रंजन त्रिपाठी ने अपने पति को खो दिया था. रंजन की पहले से ही दो बेटियां थीं. रंजन के पति भारत संचार निगम लिमिटेड के एक कर्मचारी थे. बीएसएनएल ने उन्हें अनुकंपा के आधार पर क्लर्क के रूप में नौकरी पर रख लिया.

महिला ने रंजन की मौत के बाद अपने परिवार को छोड़ दिया और एक मुस्लिम व्यक्ति के साथ रहने लगी. उनकी तीन बेटियों की देखभाल उनके पैतृक परिवार ने की थी. इसके बाद तीनों बेटियों ने परित्याग के आधार पर 1990 में भरण-पोषण के लिए उन पर मुकदमा भी दायर किया था. यह दावा करते हुए कि उन्हें बच्चों की देखभाल के लिए विभाग की तरफ से नौकरी दी गई थी लेकिन वह बच्चों को पैसे नहीं देती हैं. बेटियों ने केस जीत लिया था और बाद में विवाद भी सुलझ गया था, लेकिन बेटियों ने दावा किया कि उन्होंने अपने सेवानिवृत्ति लाभों में अपने अधिकारों को नहीं छोड़ा. 1995 में, रंजन ने इस्लाम धर्म अपनाने के बाद मुस्लिम व्यक्ति से शादी की और अगले साल अपने सेवा रिकॉर्ड में अपना नाम बदलकर रेहाना मालेक रख लिया.

रंजना जो अब रेहाना बन चुकी है उसका मुस्लिम पति से एक बेटा भी है जिसे उन्होंने अपने सेवा रिकॉर्ड में नामांकित व्यक्ति के रूप में नामित किया था. 2009 में रंजन उर्फ रेहाना का निधन हो गया था. इसके बाद उनकी तीन बेटियों ने शहर के सिविल कोर्ट में एक मुकदमा दायर किया. इसमें उन्होंने संपत्ति पर अपने अधिकार का दावा किया था. हालांकि, कोर्ट ने मुकदमा खारिज कर दिया.

शरजील इमाम के रिहा होने के बाद चिदंबरम का हमला

सजा से पहले जेल में रखने पर उठाया सवाल, पूछा- कौन लौटाएगा उनके दिन

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। जामिया नगर हिंसा मामले में स्टूडेंट और एक्टिविस्ट शरजील इमाम और 10 अन्य लोगों के आरोपमुक्त होने के एक दिन बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को कहा कि मुकदमे से पहले ही कैदी बनाने वाली आपराधिक न्याय प्रणाली संविधान का अपमान है. उन्होंने उच्चतम न्यायालय से 'कानून के आए दिन होने वाले दुरुपयोग' को खत्म करने का आग्रह किया. दिल्ली की एक अदालत ने जामिया नगर हिंसा मामले में छात्र कार्यकर्ता शरजील इमाम और आसिफ इकबाल तन्हा सहित 11 लोगों को

शनिवार को आरोपमुक्त कर दिया. अदालत ने फैसले में कहा कि चूंकि पुलिस वास्तविक अपराधियों को पकड़ पाने में असमर्थ रही और इसलिए उसने इन आरोपियों को 'बलि का बकरा' बना दिया. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पी. चिदंबरम ने ट्वीट कर पूछा कि क्या आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई सबूत था. पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम ने कहा कि 'अदालत का निष्कर्ष स्पष्ट रूप से 'नहीं' है. कुछ आरोपी करीब तीन साल तक जेल में बंद रहे. कुछ को कई महीनों बाद जमानत मिली. यह मुकदमे से पहले कैदी बनाना है.'

उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि 'मुकदमे की सुनवाई पूरी होने से पहले नागरिकों को जेल में रखने के लिए एक अयोग्य पुलिस और अति उत्साही अभियोजक जिम्मेदार हैं. उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी?' कांग्रेस नेता ने पूछा कि आरोपियों ने इतने महीने या साल जेल में बिताए, वो उन्हें कौन लौटाएगा. चिदंबरम ने कहा कि 'मुकदमे से पहले कैदी बनाने की हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली भारत के संविधान खासतौर से अनुच्छेद 19 और 21 का अपमान है. उच्चतम न्यायालय को कानून के आए दिन होने वाले इस दुरुपयोग पर रोक लगानी होगी. जितनी जल्दी हो, उतना अच्छा.' गौरतलब है कि दिल्ली की साकेत कोर्ट ने जामिया हिंसा मामले में आरोपी शरजील इमाम को बरी कर दिया है. उनके खिलाफ नॉर्थ ईस्ट के असम सहित कई राज्यों में सीएए-एनआरसी (एनआरसी) के मुद्दे पर लोगों को भड़काने के लिए विवादित बयानबाजी करने के मामले दर्ज हैं.

मुश्किल में फंसे गोवा एयरपोर्ट के दो कर्मचारी, ब्रिटिश महिला ने लगाया जबरन वसूली का आरोप

पणजी, 5 फरवरी (एजेंसियां)। गोवा में 62 वर्षीय एक ब्रिटिश नागरिक ने एयरपोर्ट के दो कर्मचारियों के खिलाफ व्हीलचेयर सेवा प्रदान करने के लिए कथित तौर पर जबरन वसूली करने की शिकायत की है। महिला ने यह शिकायत डाबोलिम थाने में दर्ज करवाई है। वहीं संपर्क करने पर गोवा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के निदेशक एसवीटी धनमजय राव ने कहा कि वे शिकायत पर गौर कर रहे हैं और जांच पूरी करने के बाद उचित कार्रवाई करेंगे। डाबोलिम पुलिस ने कहा कि इस मामले में अब तक कोई औपचारिक अपराध दर्ज नहीं किया गया है। राज्य पुलिस विभाग के सूत्रों ने कहा कि शिकायतकर्ता, कैथरीन फ्रांसेस वोल्फ, जिन्हें चलने-फिरने में दिक्कत है, वह 29 जनवरी को गोवा से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए टीयूआई एयरवेज की उड़ान टीओओम031 से यात्रा कर रही थी। जब महिला डाबोलिम हवाई अड्डे पर पहुंची, तो उसके प्रबंधक ने उसकी व्हीलचेयर और सामान के साथ दो पुरुषों की व्यवस्था की। दोनों पुरुषों ने उसे हवाई अड्डे पर एक यादृच्छिक स्थान पर रोक दिया, जहां वह असहाय रूप से दोनों पुरुषों से घिरी हुई थी।

डीडब्ल्यूसी की चेयरपर्सन स्वाति मालिवाल को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का बुलावा

एलजी के पास फाइल 18 दिन से लंबित

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली. दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल को अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले 'वार्षिक भारत सम्मेलन' के लिए आमंत्रित किया गया है. "विजन 2047: स्वतंत्रता के 100 वर्षों में भारत" विषय पर यह सम्मेलन 11-12 फरवरी, 2023 तक आयोजित किया जाना है. हार्वर्ड विश्वविद्यालय में 'वार्षिक भारत सम्मेलन' वैश्विक समुदाय के साथ अपने काम और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए नीति निर्माताओं, व्यापारिक नेताओं, सांस्कृतिक और अकादमिक विशेषज्ञों के लिए एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करता है. सम्मेलन में अतीत में भारतीय मंत्रियों से लेकर व्यापारिक नेताओं और प्रभावशाली लोगों की मेजबानी करने का इतिहास रहा है. इससे पहले, नितिन गडकरी, अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन, जोया अख्तर, विनोद राय, अजीम प्रेमजी, शशि थरूर, पी. चिदंबरम और महुआ मोइत्रा ने सम्मेलन को संबोधित किया है. डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष स्वाति मालीवाल को 'लोकतंत्र' विषय पर सम्मेलन को संबोधित करने के लिए कहा गया है. देश में तेजी से बदलते राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए स्वाति मालीवाल भारतीय लोकतंत्र की नींव और अगले 25 वर्षों में हम क्या हासिल करना चाहते हैं, इस पर विचार रखेंगी. स्वाति मालीवाल भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भूमिका और आगे बढ़ने के तरीके पर जमीनी स्तर पर और नीतिगत स्तर पर अपने वर्षों के काम से अपने अनुभव को भी साझा करेंगी. यात्रा के लिए मंजूरी मांगने के लिए फाइल दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल को 18 जनवरी को भेजी गई थी और यह अनुमोदन के लिए लंबित है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 6 फरवरी, 2023

सुविचार
अगर आप सही हो तो कुछ सही साबित करने की कोशिश ना करो, बस सही बने रहो गवाही खुद वक्त देगा।

आंगनवाड़ी सेवाओं के मामले में तेलंगाना के प्रति केंद्र का भेदभाव रवैया

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का तेलंगाना के प्रति भेदभाव अब आंगनवाड़ी सेवाओं के पूरक पोषण कार्यक्रम के तहत धन के आवंटन तक विस्तृत हो गया है। 2016-17 से, पिछले सात वर्षों में, केंद्र ने पूरक पोषण कार्यक्रम के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 58,247.03 करोड़ रुपये दिए हैं, जबकि भाजपा शासित राज्यों जैसे गुजरात, कर्नाटक और मध्य प्रदेश को कार्यक्रम के तहत भारी धन प्राप्त हुआ, तेलंगाना को इसकी तुलना में बहुत कम प्राप्त हुआ।

2022-23 में, केंद्र सरकार ने कार्यक्रम के तहत गुजरात को 252.53 करोड़ रुपये जारी किए, मध्य प्रदेश को 186.01 करोड़ रुपये और कर्नाटक को 106.03 करोड़ रुपये जबकि तेलंगाना को 165.21 करोड़ रुपये मिले। इसी तरह, पिछले वित्तीय वर्ष में भी तेलंगाना को भाजपा शासित राज्यों की तुलना में बहुत कम धन प्राप्त हुआ। 2021-22 में, गुजरात को 505.26 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 553.38 करोड़ रुपये, कर्नाटक को 581.02 करोड़ रुपये और तेलंगाना को केवल 246.80 करोड़ रुपये मिले।

ये विवरण लोकसभा में केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने संगन्ना

आंगनवाड़ी केंद्रों के मंच के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को पूरक पोषण सहित सेवाओं का एक पैकेज प्रदान किया जाता है।

अमरप्पा, जय सिद्धेश्वर शिवाचार्य महास्वामीजी और डॉ उमेश जी जाधव द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के उत्तर में साझा किए। आंगनवाड़ी सेवा योजना के तहत, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत निर्दिष्ट पोषण मानकों को पूरा करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों के मंच के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को पूरक पोषण सहित सेवाओं का एक पैकेज प्रदान किया जाता है। आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती महिलाओं को कम से कम 100 दिनों तक आईएफए सप्लीमेंट दिया जाता है। यूएनडीपी और डब्ल्यूएचओ जैसे बहुपक्षीय संगठन समय-समय पर महिलाओं और बच्चों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अध्ययन करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने सूचित किया कि इन रिपोर्टों को आम तौर पर संभावित अनुवर्ती कार्रवाई के लिए मंत्रालय को प्रस्तुत किया जाता है। हालांकि, यूएनडीपी या डब्ल्यूएचओ ने मंत्रालय के साथ कुपोषण और अल्पपोषण के प्रसार से संबंधित कोई रिपोर्ट साझा नहीं की है। उन्होंने आगे कहा कि देश में बच्चों और महिलाओं में कुपोषण और अल्पपोषण की अनुमानित संख्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के तहत प्राप्त की गई है।

श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) संगारेड्डी प्राण प्रतिष्ठा का प्रथम वर्षगांठ महोत्सव आज से

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी स्तिथ श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) में सीरवी समाज बंधुओं के सान्निध्य में श्री आई माताजी मंदिर का तीन दिवसीय प्रथम वर्षगांठ व ध्वजा रोहण समारोह कार्यक्रम आज सोमवार 6 फरवरी से 8 फ़रवरी तीन दिवसीय का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वार्षिकोत्सव मनाने के लिए तैयारियां बड़े ही धूम -धाम से की गई है। कार्यक्रम को लेकर रविवार 5 फरवरी को सुबह 10.30 बजे मंदिर प्रांगण में सभी पदाधिकारी और कार्यकारिणी मेम्बरों की विशेष सभा का आयोजन कर अध्यक्ष रुगारामजी परिहारीया व सचिव घीसारामजी काग ने बताया की प्राण प्रतिष्ठा प्रथम वर्षगांठ व ध्वजा रोहण समारोह कार्यक्रम को लेकर समाज बंधुओं के सान्निध्य में श्री आई माताजी मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय का कार्यक्रम आयोजन किया है, जिसमें विशेष तोर पर कार्यकर्ताओं द्वारा 26 टीमों का घट्न कर उन्हें अपना-अपना कार्यभार सौंपा गया है और वार्षिकोत्सव पर मंदिर व पूरे पंडाल को रंगबेरंगे फूलों और जगमगाती लाइटों से प्रांगण को सजाया गया है और उन्होंने बताया की आज सोमवार 6 से 8 फरवरी तक प्रतिदिन सुबह हवनयज्ञ समय प्रथम पारी 10:15 बजे और दूसरी पारी 11:45 बजे से (दो पारियों) में हवन यज्ञ के साथ शुरू होगा और दिनभर विभिन्न बोलियों के लाभार्थीयों का स्वागत और विधिवत रूप से पूजा अर्चना करायी जायेगी। दोपहर 1:15 बजे भोजन प्रसाद और शाम 7 :15 महाआरती तथा रात्रि 8:15 बजे भोजन प्रसाद होगा। समारोह के अवसर पर नौ कुण्डीय यज्ञ हवन कार्यक्रम में मुख्य यजमान चंदाराम परिहारिया संगारेडी, घीसाराम काग सदाशिवपेट, प्रभुराम काग शंकरपली, कालुराम भायल ज़हीराबाद के अतिरिक्त कुल 108 जोड़े यज्ञ का लाभ लेंगे। महोत्सव पर मंगलवार 7 फ़रवरी को साय 6.15 बजे से महाप्रसादी का आयोजन मंदिर प्रांगण में किया जाएगा और रात्रि 9:15 बजे से एक शाम माताजी के नाम का विशाल भजन संध्या में भजन कलाकार मरुधरा क़ी प्रशिद्ध गायका नीता नायक और जुगल किशोर परिहार व रविंदसिंह राजपुरोहित एंड पार्टी अपनी मधुर वाणी से भजनों क़ी प्रस्तुति देंगे। फाल्गुन बदी 3 बुधवार 8 फ़रवरी प्रातःवेला में पूजा अर्चनाकर 9.15 बजे से अध्यक्ष रूगाराम परिहारिया संगारेड्डी के निवास स्थान से गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते हुए ध्वजा व ज्योत श्री आई माताजी मंदिर लाई जाएगी। श्री आई माताजी के मंदिर में श्री सोनाणा खेतलाजी के मंदिर, श्री राधकृष्णजी के मंदिर, श्री शीतलामाताजी के मंदिर पर लाभार्थी परिवार द्वारा ध्वजा रोहण कार्यक्रम होगा।

सबसे बड़े पशु मेले में 1.3 लाख रुपये में बिका सांड

संगारेड्डी, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के सबसे बड़े पशु मेले में रविवार को न्याकल में एक बैल रिकॉर्ड 1.30 लाख रुपये में बिका। न्याकल के पास पीर ग़ैब साहेब किबला दरगाह में आयोजित पशु मेले में एक बैल की यह सबसे अधिक कीमत रही। झारसंगम मंडल के प्यारेवरम गांव के किसान राजू के बैल को किसानों की भारी बोली के बाद बेच दिया गया। आयोजकों ने राजू को अपने बैल के लिए सर्वोच्च पुरस्कार प्राप्त करने के लिए सर्वश्रेष्ठ किसान पुरस्कार प्रदान किया। मवेशी मेले में कई जोड़े बैल 2.40 लाख रुपये से 2.20 लाख रुपये के बीच बेचे गए, जिसमें तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र के विभिन्न नस्लों के मवेशी थे। दरगाह पर सप्ताह भर चलने वाले जतारा के दौरान, पशु मेले ने तीनों राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और किसानों को आकर्षित किया है। मेले के दौरान बैल, गाय, भैंस और अन्य मवेशियों की विभिन्न नस्लों को देखकर किसान प्रसन्न हुए।

सदाशिवपेट के एक किसान कोलकुर शिव कुमार ने अपनी गाय की कीमत 6 लाख रुपये आंकी, और बेचने से इनकार कर दिया, हालांकि एक किसान ने 3 लाख रुपये की बोली लगाई। एक अन्य किसान ने एक जोड़ी बैल की कीमत 4.6 लाख रुपये तय की और 3 लाख रुपये की पेशकश को स्वीकार नहीं किया। 7 फरवरी को दरगाह प्रबंधन की ओर से अंतर्राज्यीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें इन तीनों राज्यों के बड़ी संख्या में पहलवान हिस्सा लेंगे।

चिकित्सा शिविर आयोजित

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शब्बीर अली फाउंडेशन, सहायता ने ट्रस्ट इंडो यूएस हॉस्पिटल के साथ, हैदराबाद की 30 सदस्यीय मेडिकल टीम और एक प्रसिद्ध अमेरिकी मेडिकल टीम के सहयोग से, वंचितों के लिए एक मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन रविवार को कामारेड्डी टाउन की इस्लामपुरा कॉलोनी में किया। इस अवसर पर बोलते हुए, पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने समाज के गरीब और हाशिए पर पड़े वर्गों की मदद करने के लिए ऐसी पहल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जो उचित स्वास्थ्य सेवा की कमी के कारण विभिन्न बीमारियों से जूझ रहे हैं। शिविर में 1500 से अधिक लोगों को ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी, दिल से संबंधित परीक्षण और आंखों के लेंस की जांच सहित अन्य मुफ्त चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर में आए सभी लोगों को नि:शुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। उन्होंने बताया कि आगे के वैज्ञानिक या सर्जिकल उपचार की जरूरत वाले मरीजों को हैदराबाद स्थानांतरित किया जाएगा और उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। शिविर में कई प्रमुख चिकित्सा पेशेवरों और सहायता ट्रस्ट के अध्यक्ष मंजूर गोरी, सीईओ सैयद अनीसुद्दीन, डीसीसी अध्यक्ष कैलाश श्रीनिवास आदि ने भाग लिया।

शब्दाक्षर तेलंगाना का राष्ट्रीय काव्य अनुष्ठान आयोजित

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शब्दाक्षर तेलंगाना का राष्ट्रीय काव्य अनुष्ठान कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्षा कवियत्री ज्योति नारायण के निवास पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि अजित गुप्ता ने की जबकि कवि वेणुगोपाल भट्टड़ विशिष्ट अतिथि के रूप मे उपस्थित थे। आर्या झा के सरस्वती वंदना प्रस्तुति देने के बाद शब्दाक्षर तेलंगाना की प्रदेश अध्यक्षा कवियत्री ज्योति नारायण ने सभी का स्वागत करते हुए शब्दाक्षर साहित्य संस्था का परिचय दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष अजित गुप्ता ने कहा कि हैदराबाद में हिन्दी काव्यगोष्ठी, कवि सम्मेलनों की जो शुरुआत 1960 के आसपास हुई, ज्योति नारायण तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष, शब्दाक्षर साहित्य संस्था द्वारा उस परपंरा को आगे बढ़ा रही है। ज्योति नारायण ने कहा कि शब्दाक्षर सभी को समान रुप से साथ लेकर चलती है और युवा पीढ़ी को आगे लाने एवं स्थापित करने का सतत प्रयास करती है।

शब्दाक्षर तेलंगाना के उपाध्यक्ष प्रदीप भट्ट के सुन्दर संचालन में शिल्पी भटनागर ने शब्दाक्षर गीत प्रस्तुत किया। कवि गोष्ठी का शुभारंभ बालिका अग्रिका कुमारी के काव्यपाठ से हुआ। चंद्र प्रकाश दायमा ने व्यंग्य कविता का पाठ किया। विशिष्ट अतिथि वेणु गोपाल भट्टड़ ने व्यंग्यात्मक एंव समसामयिक हायकू प्रस्तुत किये और खूब वाहवाही बटोरी। सुनीता लूल्ला, राजीव सिंह, राशि सिन्हा, शिल्पी भटनागर, आर्य झा, संतोष कुमार, विनोदगिरि अनोखा, नितेश कुमार, सुहास भटनागर, प्रेम नारायण, दयाशंकर, रेखा अग्रवाल, प्रदीप भट्ट, संदीप कुमार तिवारी, एंव एकता नारायण ने आनन्दमय वातावरण में बहुत सुन्दर काव्य पाठ किया! सभी ने खूब आनन्द लिया। राजीव सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। श्रोताओं में कंचन रुचलानी, सुनील रुचलानी,सुजीत पाण्डेय, प्रवीण कुमार एंव अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम अत्यंत ही मधुर वातावरण में हर्षोल्लास से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

तत्काल में तलाक देने वाले के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक व्यक्ति जिसने कथित तौर पर तत्काल 'ट्रिपल तलाक' का उच्चारण किया था, को उसकी पत्नी द्वारा शिकायत के बाद पहाड़ीशरीफ पुलिस द्वारा बुक किया गया। पुलिस के अनुसार, पहाड़ीशरीफ निवासी एक व्यवसायी सैयद रहीमुद्दीन कादरी कथित तौर पर नशे की हालत में अपनी पत्नी को परेशान कर रहा था और घर की छोटी-छोटी बातों को लेकर उससे अक्सर झगड़ा करता था। रहीमुद्दीन पिछले दो माह से दूसरी महिला से शादी करने की योजना बना रहा था और अपनी पत्नी को लगातार प्रताड़ित कर रहा था। पहाड़ीशरीफ इंस्पेक्टर के. किरण कुमार ने शिकायत के हवाले से कहा कि एक फरवरी को जब वह एक महिला से फोन पर बात कर रहा था तो उसकी पत्नी ने इस पर आपत्ति जताई। इससे नाराज होकर रहीमुद्दीन ने तीन बार 'तलाक' का उच्चारण किया और उसे घर छोड़ने के लिए कहा। पुलिस ने आईपीसी की धारा 498ए और मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के 3 आर/डब्ल्यू 4 को लागू किया और मामले की जांच कर रही है।

मंचेरियल में गांधारी जतारा का भव्य समापन

मंचेरियल, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नाइकपोड्स के रोड्डा कबीले के तीन दिवसीय महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम, गांधारी मैसम्मा जतारा, एक अनुसूचित जनजाति, रविवार को मंदमरी मंडल के बोक्कलगुट्टा गांव के बाहरी इलाके में गांधारी किले में एक भव्य नोट पर संपन्न हुआ।

नाइकपोड के बुजुर्गों ने पारंपरिक अनुष्ठान किए और पुजारियों के मार्गदर्शन में मैसम्मा की पूजा की। महिलाओं ने अपनी भलाई के लिए आभार के प्रतीक के रूप में भगवान को बोनम, गुड़ और दूध से पका हुआ मीठा चावल भेंट किया। शनिवार की रात से सुबह तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जनजातीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए पिलानाग्रोवी और थप्पटागुल्लू नृत्य रूपों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस बीच, तत्कालीन आदिलाबाद के कई हिस्सों में रहने वाले कोया, गोंड, प्रधान और मन्नेवर ने ऐतिहासिक किले की ओर रुख किया और एक पहाड़ी पर एक चट्टान पर उकेरे गए देवता के दर्शन किए। उनमें से कुछ ने कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में मुर्गियों, बकरियों और भेड़ों की बलि दी। निष्कर्ष को चिह्नित करने के लिए एक दरबार या शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आदिवासियों ने अधिकारियों से अपनी चुनौतियों का समाधान करने का अनुरोध करने वाला लिखित आवेदन छोड़ दिया। वन भूमि पर अधिकार देना उनकी प्रमुख शिकायत थी। सड़क, स्वास्थ्य और परिवहन सुविधाओं का निर्माण उनकी समस्याओं में शीर्ष स्थान पर रहा। अधिकारियों ने शिकायतों के समाधान के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

श्रद्धालुओं और आदिवासियों की सुविधा के लिए बोक्कलगुट्टा गांव से किले तक 3.5 किलोमीटर ब्लैकटॉप रोड बिछाई गई, जिस पर 2.10 करोड़ रुपये खर्च हुए. सरकारी सचेतक बालका सुमन ने 2022 में वार्षिक जतारा के दौरान सड़क का वादा किया था, हाल ही में इस खंड को जनता के लिए खोल दिया गया था।

सीबीआई ने वाईएस विवेकानंद मर्डर केस की जांच तेज की

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएस विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में सरकारी गवाह बन चुके ड्राइवर दस्तागिरी ने कहा है कि हत्या के पीछे की सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी। दस्तागिरी के मुताबिक, उन्हें सीबीआई अधिकारियों ने 10 फरवरी को हैदराबाद की सीबीआई कोर्ट में पेश होने के लिए समन भेजा है। सीबीआई उचित जानकारी के आधार पर मामले से जुड़े सभी व्यक्तियों से पूछताछ कर रही है। दस्तागिरी ने कहा कि अविनाश रेड्डी को भी हाल ही में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। दस्तागिरी ने कहा कि सीबीआई अधिकारी जल्द ही मामले के आसपास के तथ्यों को उजागर करेंगे और खुलासा करेंगे कि इसमें किसकी भूमिका थी। उन्होंने जांच में देरी के लिए जगन के उस समय राज्य के मुख्यमंत्री होने को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, वह इस बात से खुश हैं कि जांच अब तेलंगाना में स्थानांतरित हो गई है। दस्तागिरी ने घोषणा की, 'मैं कानून की अदालत में सब कुछ बता दूंगा।'

बाल विवाह पर नकेल कस कर अच्छा कर रही है असम सरकार : ओवैसी

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)।ग्रेटर हैदराबाद एमपी असदुदीन ओवैसी ने कहा कि असम सरकार बाल विवाह पर नकेल कस कर अच्छा कर रही है। इस संदर्भ में सांसद ओवैसी ने असम सरकार व्दारा बाल विवाह पर नकेल कसे जाने पर मीडिया को बताया कि, बाल विवाह के आरोप में करीब 2 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया तथा 4,004 मामले दर्ज किए गए हैं। इस मामले में पुलिस ने कहा कि अब तक 8 हजार लोगों की पहचान की जा चुकी है और यह अभियान जारी रहेगा। एमआईएम प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने असम सरकार द्वारा उठाए गए इन कदमों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने असम सरकार कडी आलोचना भी की तथा उन्होंने पूछा कि अगर बाल विवाह करने वालों को गिरफ्तार कर लिया गया तो उनकी पत्नियों की देखभाल कौन करेगा। यही नहीं सरकार जोकि ऊपरी असम के लोगों को जमीन दे रही है तथा निचले असम के लोगों को जमीन क्यों नहीं दे रही है. ओवैसी ने असम सीएम से पूछा कि राज्य में अब तक कितने स्कूल खोले गए हैं और नए स्कूल क्यों नहीं खोले जा रहे हैं. उन्होंने सरकार पर राज्य के मुसलमानों के खिलाफ सांप्रदायिक तरीके से काम करने का भी आरोप लगाया।

सुसंस्कृत, सुशिक्षित व सेवा परायण हो अखंड भारत : पं. सुखेन्द्र महाराज

भगवान श्रीकृष्ण व श्रीराम कथा के श्रवण से मंत्रमुग्ध हुए भक्त

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चित्रकूट धाम के पं. सुखेन्द्र शास्त्री महाराज ने कहा कि अखंड भारत सुसंस्कृत संरक्षित सेवा परायण हो। इस संदर्भ में हैदराबाद भाग्यनगर के ईमली बन पार्क में आयोजित साप्ताहिक श्रीमद्‌भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर चित्रकूट धाम के पं. सुखेन्द्र शास्त्री महाराज द्वारा भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण व श्रीराम कथा का पावन श्रवण करवाया गया। इससें इस साप्ताहिक श्रीमद्‌भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण व श्रीराम कथा के पावनमय श्रवण से भक्तगण मंत्रमुग्ध हुए। आचार्यश्री ने कहा कि, श्रीरामजी तथा भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों के आधार पर हमारी अवधारणाएं हैं कि, भारत देश के सभी मानव सुसंस्कृत, सुशिक्षित, संरक्षित सपन्न सेवा परायण व स्वस्थ हो एवं सर्वहितोपयोगी हिन्दुओं (सनातनियों) के अस्तित्व की रक्षा एवं देश की सुरक्षा तथा अखंडता के लिए सभी मानवों को भगवान श्रीराम व श्रीकृष्ण जी द्वारा बताये हुए सन्मार्गों पर चलते हुए हम सभी भारत को अखंड बना सकते हैं। कथा के अंतर्गत, माघ पूर्णिमा के शुभावसर पर एनके सिंह परिवार व्दारा उपस्थित सभी भक्तगणों के लिए भण्डारा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर रामनरेश पाण्डेयजी (यज्ञाचार्य), उपाचार्य कमलाकांत, अनिल पाण्डेय (पुजारी), पं. पवन गौतम, पं. प्रह्लाद त्रिपाठी, वासुदेव, एनके सिंह दंपति, एसके वर्मा, महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग व निदेशक गोविंद राठी, बीआरएस नेता आनंद गौड़, भरतमान सिंह, नरसिंहभान यादव, गजानंद चौधरी, नरसिंह राव, रघुनंदन गोपविष्णु यादव, मनोहर सिंह, अमरजीत सिंहत,एसएस यादव, जीजी तिवारी, विनोद तिवारी, आर. श्रीनिवास व आदित्य सिंह आदि प्रतिष्ठित व्यक्तियों व भक्तों ने भाग लिया।

केआरएमबी से एपी को जीएनएसएस, टीजीपी पर काम करने से रोकने की अपील

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) से आंध्र प्रदेश को गलेरू नागरी सुजला श्रावंती (जीएनएसएस) परियोजना और तेलुगु गंगा परियोजना (टीजीपी) पर काम करने से रोकने का आग्रह किया है। तेलंगाना सिंचाई अभियंता-इन-चीफ सी मुरलीधर ने बोर्ड को पत्र लिखकर आंध्र प्रदेश सरकार को दो परियोजनाओं पर काम करने से रोकने के लिए कहा है। यह कहते हुए कि एपी सरकार ने 23 जनवरी को इन कार्यों के लिए निविदाएं मांगी थीं, उन्होंने बोर्ड अध्यक्ष से प्रक्रिया को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि केआरएमबी को एपी को नई परियोजना लेने से रोकना चाहिए क्योंकि उसने बोर्ड या शीर्ष परिषद को इसके बारे में अवगत नहीं कराया था। मुरलीधर ने कहा कि गलरू नगरी सुजला श्रावंती पैकेज 2 के हिस्से के रूप में, एपी सरकार ने मुख्य नहर मिट्टी के निर्माण के लिए निविदाएं आमंत्रित कीं, वामिकोंडा सागर जलाशय और सर्वराय सागर जलाशयों के तटबंधों को मजबूत करने और नहरों सहित वितरिकाओं के निर्माण के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ने इन कार्यों के लिए 130 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। एपी सरकार को एसआरएमसी क्रॉस रेगुलेटर, बनकचारिया और पोथिरेड्डीपाडु हेड रेगुलेटर के माध्यम से 34 टीएमसी पानी निकालने की अनुमति है और उसमें से 19 टीएमसी का उपयोग एसआरएमसी द्वारा किया जाना है और 15 टीएमसी का उपयोग चेन्नई शहर की पेयजल जरूरतों के लिए किया जाना है।

नेल्लोर जिले के नेता कोटम रेड्डी रंगे हाथ पकडे गए : नगर प्रशासन मंत्री

अमरावती, (एपी) 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन मंत्री ए. सुरेश ने कहा कि नेल्लोर जिले के नेता कोटम रेड्डी कोटम रेड्डी रंगे हाथ पकडे गए है। इस संदर्भ में एपी सरकारी सूत्रों ने बताया कि, पिछले कुछ दिनों से वाईसीपी में फोन टैपिंग का मामला काफी बवाल खड़ा कर रहा है। संयुक्त नेल्लोर जिले के नेता कोटमरेड्डी श्रीधर रेड्डी और अनम रामनारायण रेड्डी ने सनसनीखेज आरोप लगाया है कि उनके फोन टैप किए जा रहे हैं। इस मुद्दे पर नगर प्रशासन मंत्री आदिमलापु सुरेश ने प्रतिक्रिया दी। तथा कहा कि, क्या यह सच नहीं है कि कोटम रेड्डी ने टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू से मुलाकात की? वे इस बात से नाराज थे कि जब वह रंगे हाथो पकडे गए तो वे उन पर फोन टैपिंग का आरोप लगा रहे है, लेकिन क्या कोटमरेड्डी ने अपना आत्मविश्वास दिखाया है? आदिमलापु सुरेश ने पूछा। वाईसीपी विधायक पिनेल्ली रामकृष्ण रेड्डी ने भी कोटम रेड्डी मामले में प्रतिक्रिया देकर कहा कि चंद्रबाबू ने लोकेश पदयात्रा को पूरी तरह से फ़्लॉप बताते हुए कहा कि यह फोन टैपिंग मामला चंद्रबाबू द्वारा ध्यान हटाने के लिए उठाया गया कदम है। वाईसीपी विधायक पिनेल्ली का मानना है कि अगर कोटारेड्डी और अनम जैसे लोग पार्टी छोड़ देते हैं तो भी पार्टी को कोई भी नुकसान नहीं है।

रघुनंदन राव ने मंत्री केटीआर को दी चुनौती

कहा, अगर साहस है तो दुब्बाका विस क्षेत्र का दौरा करें मंत्री

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दुब्बाका विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक एम. रघुनंदन राव ने आज राज्य के उद्योग और आईटी मंत्री केटीआर को चुनौती दी कि यदि उनमें ऐसा करने का साहस है तो वे उनके विधानसभा क्षेत्र का दौरा करें। केटीआर के बयान का जिक्र करते हुए कि पूरा राज्य उनका परिवार है, उन्होंने मंत्री से पूछा कि वह तेलंगाना के शहीदों के परिवार के सदस्यों के बचाव में क्यों नहीं आ रहे हैं? मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह अगले विधानसभा चुनाव में सिद्दीपेट और सिरिसिल्ला विधानसभा क्षेत्रों में अपनी ताकत दिखाएंगे। अगले विधानसभा चुनाव में एमआईएम पार्टी राज्य के 50 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ेगी, इस टिप्पणी पर प्रतिद्वंद्वी एमआईएम पार्टी के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी पर निशाना

साधते हुए उन्होंने ओवैसी से सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि यह हास्यास्पद है कि ओवैसी ने कहा था कि वे 15 विधानसभा क्षेत्रों को जीतने के बाद भी सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के नेतृत्व में काम करेंगे। उन्हें शक था कि सीएम केसीआर और अकबरूद्दीन ओवैसी दोनों देश के बिहार राज्य से ताल्लुक रखते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने बिहार राज्य से संबंधित आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को राज्य का मुख्य सचिव और डीजीपी नियुक्त किया था। राव ने आरोप लगाया कि हाल ही में 93 आईपीएस अधिकारियों के तबादलों में तेलंगाना से संबंधित आईपीएस अधिकारियों के साथ बहुत अन्याय हुआ है और कहा कि सीएम द्वारा राज्य से संबंधित आईपीएस अधिकारियों को एक भी महत्वपूर्ण पद नहीं दिया गया है। उन्होंने सीएम से राज्य के डीजीपी एम. अंजनी कुमार को उनके मूल कैडर एपी में तुरंत वापस भेजने और उनकी जगह राज्य से संबंधित अधिकारियों को नियुक्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सीएम ने शाहनवाज कासिम, स्वाति लाकड़ा, संजय कुमार जैन जैसे बिहार से जुड़े आईपीएस अधिकारियों को राज्य के महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया है। राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें राज्य विधानसभा में बोलने का अवसर भी नहीं मिला।

सिद्दीपेट महिला आवासीय डिग्री कॉलेज को पक्का भवन मिलेगा

सिद्दीपेट, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सिद्दीपेट में महिलाओं के लिए आवासीय डिग्री कॉलेज के लिए एक अति-आधुनिक स्थायी भवन बनाने के लिए 17 करोड़ रुपये दिए हैं। सरकार ने कॉलेज को पहले ही मंजूरी दे दी थी, जो कि चेरियाल शहर में एक निजी भवन में चलाया जा रहा है। जैसा कि सिद्दीपेट जिला प्रशासन ने सिद्दीपेट शहरी मंडल में वेलुगुपल्ली और मित्तपल्ली गांवों के बीच 6 एकड़ जमीन आवंटित की है, कॉलेज भवन निर्माण के अलावा एक विशाल परिसर विकसित किया जाएगा।

रविवार को एक प्रेस बयान में, वित्त मंत्री टी. हरीश रावने कहा कि महिला डिग्री कॉलेज सिद्दीपेट में शैक्षणिक संस्थानों की मेजबानी करेगा, जिससे यह शिक्षा का केंद्र बन जाएगा। चूंकि आवासीय महाविद्यालय भवन का निर्माण नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले पूरा हो जाएगा, इसलिए छात्रों को नए कॉलेज में समायोजित किया जाएगा।

पॉम ऑयल की खेती की ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं किसान : कलेक्टर

कोत्तागुडेम, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रशासन के प्रयासों से कोत्तागुडेम जिले में पॉम ऑयल की खेती का क्षेत्र बढ़ रहा है, जिसने इस वित्तीय वर्ष में 16,680 एकड़ में पॉम ऑयल की खेती करने का लक्ष्य रखा है। जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी ने कहा कि अब तक 12,000 एकड़ जमीन पर पॉम ऑयल की खेती की जा चुकी है और बाकी 4860 एकड़ जमीन पर ऑयल पाम उगाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। वर्तमान में, जिले भर में लगभग 38,000 एकड़ में ताड़ की खेती की जा रही है। जैसा कि राज्य सरकार ने राज्य को देश में एक प्रमुख ताड़ के तेल निर्यातक बनाने के लिए ताड़ के तेल के उत्पादन को बढ़ाने का फैसला किया है, ताड़ के तेल की खेती के तहत क्षेत्र को बढ़ाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। ताड़ के तेल की भारी मांग को देखते हुए तेल ताड़ की खेती करने वालों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य है। पाम ऑयल की खेती के तहत भूमि लाने के लिए मंडलवार लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि कृषि और बागवानी अधिकारियों को समन्वय से काम करने और किसानों को शिक्षित करने के लिए कहा गया है। दुरीशेट्टी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखा जा रहा है कि जल संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिए ड्रिप सिंचाई प्रणाली के माध्यम से फसल को पानी दिया जाए और किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसल को खिलाने के पारंपरिक तरीकों को न अपनाएं क्योंकि इससे भूजल स्तर गिर सकता है। ड्रिप सिंचाई प्रणाली स्थापित करने के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के किसानों को शत प्रतिशत, बीसी को 90 प्रतिशत और ओसी को 80 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ड्रिप सिस्टम बनाने वाली कंपनियों के जिला समन्वयकों को अगले दो महीनों में ऑयल पॉम की खेती के तहत पूरे क्षेत्र को ड्रिप सिस्टम से कवर करने के लिए कहा गया है।

कैबिनेट ने 2023-24 के लिए राज्य के बजट को मंजूरी दी

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में तेलंगाना मंत्रिमंडल ने रविवार को यहां प्रगति भवन में 2023-24 के लिए राज्य के बजट को मंजूरी दी। कैबिनेट ने बजट प्रस्तावों को मंजूरी देने से पहले चर्चा की, मुख्यमंत्री कार्यालय के एक ट्वीट में कहा गया है। वित्त मंत्री टी हरीश राव सोमवार को सुबह 10.30 बजे विधानसभा में बजट पेश करेंगे। विधायी मामलों के मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी बाद में परिषद में बजट पेश करेंगे। 7 फरवरी को कोई बैठक नहीं होगी। कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) के निर्णय के अनुसार बजट सत्र 12 फरवरी तक चलेगा। कैबिनेट की बैठक समाप्त होने के कुछ देर बाद मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव दोपहर में होने वाली बीआरएस पार्टी की जनसभा में भाग लेने के लिए महाराष्ट्र के नांदेड़ के लिए रवाना हो गए।

वाल्टेयर डिवीजन ने बजट में 2,857 करोड़ आवंटित किए

विशाखापत्तनम, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्तीय वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट में वाल्टेयर डिवीजन को रिकॉर्ड 2857.85 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ए.के. त्रिपाठी, आवंटन में दोहरीकरण के लिए 2185 करोड़ रुपये, ट्रैक नवीनीकरण के लिए 261.43 करोड़ रुपये, नई लाइनों के लिए 285 करोड़ रुपये और यातायात सुविधा के लिए 51.13 करोड़ रुपये शामिल हैं।

छात्र की आत्महत्या के बाद सदमे से छात्रावास के वार्डन की मौत

अमरावती, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में हुए दोहरे हादसे में इंजीनियरिंग के एक छात्र ने हॉस्टल में आत्महत्या कर ली और वॉर्डन की मौके पर ही सदमे से मौत हो गई। वाईएसआर कडप्पा जिले के रहने वाले गुडुरु के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र धहरनेश्वर रेड्डी (20) ने शनिवार को कॉलेज के छात्रावास में फांसी लगा ली। वह सीएसई द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे। घटना के बारे में जानने के बाद, छात्रावास के वार्डन बी श्रीनिवासौलू नायडू, कॉलेज के प्रिंसिपल और अन्य स्टाफ सदस्य उस स्थान पर पहुंचे जहां छात्र ने आत्महत्या कर ली। छात्र को फांसी पर लटका देख श्रीनिवासुलु नायडू (54) के होश उड़ गए। अस्पताल ले जाने से पहले ही वह गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

काजीपेट में वैगन निर्माण सुविधा : अश्विनी वैष्णव

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बार-बार यह कहने के बाद कि काजीपेट में एक कोच फैक्ट्री व्यवहार्य नहीं है और इसके बजाय, काजीपेट में एक आवधिक वैगन ओवरहालिंग वर्कशॉप (पीओएच) आएगी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दावा किया कि पीओएच कार्यशाला को 521 करोड़ रुपये की लागत से सुविधा के साथ वैगन निर्माण में अपग्रेड किया जाएगा। प्रदेश भाजपा कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, वैष्णव ने कहा कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की अनुसूची 13 के अनुसार, काजीपेटमें रेल कोच फैक्ट्री स्थापित करने की व्यवहार्यता की जांच की गई और राज्य सरकार को परियोजना के लिए 160 एकड़ जमीन उपलब्ध कराने के लिए कहा गया, लेकिन राज्य सरकार केवल 150 एकड़ ही प्रदान कर सकी। हालांकि, रेलवे ने समय-समय पर वैगन

ओवरहालिंग वर्कशॉप परियोजना के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया, लेकिन चूंकि अब कोचों की तुलना में वैगनों की अधिक मांग थी, इसलिए रेलवे ने पीओएच को वैगन निर्माण सुविधा में अपग्रेड करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वैगन और कोच कारखाने दोनों जटिलता और मूल्य में समान हैं और चूंकि देश में पहले से ही बहुत सारे कोच कारखाने हैं, इसलिए सरकार ने पूर्व के लिए जाने का फैसला किया है।

नए भवन में पराकामनी गतिविधि शुरू

तिरुमाला, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के ईओ एवी धर्म रेड्डी ने कहा, तिरुमाला में श्रीवारी हुंडी में भक्तों द्वारा दिए गए प्रसाद की गिनती और लेखा-जोखा सहित परकामनी की गतिविधियां रविवार को नए परकामनी भवन से शुरू हुईं। पूजा में भाग लेने के बाद, ईओ ने संवाददाताओं से कहा, भवन का निर्माण बेंगलुरु के दानदाता श्री मुरलीकृष्ण द्वारा 23 करोड़ रुपये के दान पर किया गया था, जिसमें उन्नत गिनती मशीनें भी शामिल थीं। इस विशाल भवन का उद्घाटन पिछले 28 सितंबर को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने किया था। ईओ ने कहा कि आवश्यक सीसीटीवी लगाने, कुछ बुनियादी ढांचे की व्यवस्था करने के बाद, इमारत में पराकामनी गतिविधि शुरू हुई। इससे पहले, तिरुमाला मंदिर में पहली घंटी के दौरान, मंदिर से हुंडियों को एक पतली लिफ्ट के माध्यम से उठाया गया था और विशेष रूप से डिजाइन लॉरी में लोड किया गया था और टीटीडी ईओ की उपस्थिति में तिरुमाला के एचएच श्री पेड्डा जीयर स्वामी के आशीर्वाद से नए

भवन में लाया गया था। बाद में, गिनती और लेखा गतिविधि शुरू करने से पहले नए परकामनी भवन में वास्तु होम और गोपूजा की गई। सीई नागेश्वर राव, एसई 2 जगदीश्वर रेड्डी, ईई जगनमोहन रेड्डी, श्रीहरि, डीई इलेक्ट्रिकल रविशंकर रेड्डी, डाईईओ परकामनी प्रभारी राजेंद्र कुमार, वीजीओ बाली रेड्डी और अन्य भी उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2022 के परिणाम घोषित

अमरावती, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड ने रविवार को आंध्र प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2022 के नतीजे घोषित कर दिए। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, 4,59182 उम्मीदवारों में से केवल 95208 प्रारंभिक लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। बयान में कहा गया है कि योग्य उम्मीदवारों को शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए तैयार हो जाना चाहिए। स्कैन की गई ओएमआर शीट तीन दिनों के लिए आज सुबह 10 बजे से 7 फरवरी को शाम 5 बजे तक डाउनलोड के लिए उपलब्ध रहेगी।

सीरवी समाज कोरेमुला द्वारा जागरण एवं बोलियाँ कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज (तेलंगाना) कोरेमुला, घटकेसर द्वारा श्री आई माताजी प्रांगण में श्री सोनाणा खेतलाजी भैरुजी का सुमधुर जागरण एवं श्री आई माताजी मन्दिर (बडेर) निर्माण हेतु शिला (नींव) पूजन हेतु 11 बोलियों का आयोजन रात्रि 8:15 बजे से किया गया। उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में सचिव डायाराम लचेटा द्वारा दी गई। अध्यक्ष कालुराम काग के अनुसार श्री सोनाणा खेतलाजी भेरुजी जागरण के अन्तर्गत रात्रि 9:15 बजे से अमराराम देवड़ा एण्ड पार्टी द्वारा सुमधुर भजन प्रस्तुत किए गए। रात्रि 8:15 बजे से सभी स्वजातीय भाइयों एवं बहनों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था रखी गई थी जिसका सभी ने लाभ उठाया। रात्रि 11 बजे से जागरण अन्तगत श्री आई माताजी मन्दिर (बडेर) कोरेमुला की शिला (नीव) पूजा के लिए 11 बोलियों का आयोजन किया गया। श्री आई माताजी के गर्भ गृह की बोली सुरेशकुमार पंवार, रामंतापुर ने, भैरुजी के गर्भ गृह की बोली डायाराम लचेटा, उप्पल ने, हनुमानजी गर्भ गृह की बोली कालुराम काग, अन्नोजीगुडा ने, आग्नेय दिशा की बोली डायाराम लचेटा, उप्पल ने, दक्षिण दिशा की बोली राजाराम गहलोत, उप्पल डिपो ने, नेवृत्य दिशा की बोली केसाराम सोलंकी, अम्बरपेट ने, पश्चिम दिशा की बोली प्रकाश खंडाला, चंगीचर्ला ने, वायत्य दिशा की बोली बाबुलाल पंवार, उप्पल डिपो ने, उत्तर दिशा की बोली राजूराम सोलंकी, उप्पल डिपो ने, ईशान दिशा की बोली बाबुलाल काग, उप्पल कमान ने तथा पूर्व दिशा की बोली सोहनलाल परमार, चंगीचर्ला द्वारा ली गई। सम्पूर्ण कार्यक्रम अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, उपाध्यक्ष वगताराम पंवार व राजाराम पंवार, सह सचिव राजाराम गहलोत, सलाहकार पूनाराम हाम्बड, रमेश हाम्बड, बाबुलाल काग, छोगाराम गहोलत, प्रकाश हाम्बड, ताराराम, खीवाराम, रताराम सोलंकी, हुक्माराम सेपटा, जैरुपराम भीकाराम पंवार एवं भारी संख्या में उपस्थित समाज के भाईयों-बहनों के बीच हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। शनिवार 11 फरवरी को बोली लेने वाला महानुभाव समाज बन्धुओं के करकमलों द्वारा शिला (नीव) पूजन दोपहर 12:11 बजे से सायं 5:15 बजे तक सम्पन्न की जायेगी। अध्यक्ष कालुराम काग एवं सचिव डायाराम लचेटा ने सभी स्वजातीय भाइयों एवं बहनों को शिलान्यास (नीव) पूजन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधार कर कार्यक्रम की शोभा बढाने का आग्रह किया है।

निजामाबाद में 3.1 तीव्रता का भूकंप

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, निजामाबाद से 120 किमी उत्तर पश्चिम में रिक्टर पैमाने पर 3.1 तीव्रता का भूकंप आया भूकंप राज्य में 5 किलोमीटर की गहराई पर, 19.43 के अक्षांश और 77.27 के देशांतर पर रविवार सुबह करीब 8:12 बजे आया।

एनसीएस ने एक ट्वीट में कहा कि निजामाबाद में भूकंप की तीव्रता : 3.1 थी, अक्षांश : 19.43 और लंबी: 77.27, गहराई : 5 किमी 120 किमी एनडब्ल्यू पर हुआ। अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। इससे पहले 24 जनवरी को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। भूकंप कम से कम 15 सेकंड तक रहा, जिसमें लोग अपने घरों और कार्यालयों से बाहर निकलते देखे गए। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र नेपाल में केंद्रित था।

श्री राजस्थानी विश्वकर्मा समाज भवन में जनेऊ धारण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री राजस्थानी विश्वकर्मा समाज भवन, सुभाष नगर, कुतुबुल्लापुर में श्रीमती नंदीकोंडा जगतगुरु काल हस्तियाचार्य संस्थान, गायत्री पीठम द्वारा श्री विश्वकर्मा जगतगुरू श्रीश्रीश्रीश्री डॉ. श्रीकांत द्राय महास्वामीजी के सान्निध्य में जनेऊ धारण कार्यक्रम और हवन आदि किया गया। हवन रविकुमार आचार्या, गोपाल आचार्या, श्रीमती कृष्ण प्रिया आदि ने भाग लिया। इस अवसर पर सुथार समाज से शंकर लाल सुथार, विश्नाराम सुथार और शांतिलाल सुथार मौजूद रहे।

शिक्षक दंपत्ति ने सीएम से लगाई एक जगह पर ट्रांसफर करने की गुहार

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के युगल सरकारी शिक्षकों ने आज राज्य के मुख्यमंत्री केसीआर से उन्हें एक स्थान पर पोस्ट करने का आग्रह किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में एक ही जिले में युगल शिक्षकों की पदस्थापना के लिए जारी आदेश कई जोड़ों के मामले में लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने सीएम को यह भी बताया कि राज्य सरकार के अधिकारियों ने पिछले साल बिहार के पति-पत्नी के तबादले किए थे और कहा कि उन्होंने राज्य के 13 जिलों में पति-पत्नी के तबादले को रोक दिया है। यह हवाला देते हुए कि वे राज्य सरकार से एक ही जिले में युगल शिक्षकों को स्थानांतरित करने का आग्रह करते हुए विभिन्न रूपों में आंदोलन कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं, उन्होंने सीएम से बड़े दिल से उनके अनुरोध पर विचार करते हुए आदेश जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने सीएम को बताया कि हाल ही में 615 स्कूल सहायक पति-पत्नी के तबादले किए गए और कहा कि 2100 आवेदकों में से केवल 30 प्रतिशत का तबादला अधिकारियों ने सीधी भर्ती का हवाला देकर किया और एसजीटी, पीईटी और भाषा पंडित के तबादलों को रोक दिया। उन्होंने सीएम को बताया कि तबादलों के बाद एसजीटी श्रेणी में बड़ी संख्या में रिक्तियां होंगी और कहा कि 90 प्रतिशत एसजीटी शिक्षक महिलाएं हैं, जबकि उन्हें अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए हर दिन 150 किलोमीटर की यात्रा करने के लिए मजबूर किया जाता है।

वाईएसआरसीपी के बागी विधायक ने जान को खतरा बताया

अमरावती, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद करने वाले नेल्लोर के ग्रामीण विधायक कोटमरेड्डी श्रीधर रेड्डी ने रविवार को आरोप लगाया कि सरकार द्वारा उनकी सुरक्षा कम कर दिये जाने के बाद उन्हें धमकी भरे फोन आ रहे हैं। विधायक, जिन्होंने हाल ही में यह आरोप लगाकर सनसनी पैदा कर दी थी कि उनके फोन टैप किए जा रहे हैं, ने कहा कि उनकी सुरक्षा ऊपर से आदेश के साथ बढ़ाई गई है। श्रीधर रेड्डी ने कहा कि सरकार ने उन्हें चार बंदूकधारी (सुरक्षा गार्ड) दिए थे और शनिवार को उनमें से दो को वापस लेने का आदेश जारी किया।

उन्होंने कहा कि बंदूकधारी उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के लिए वापस ले गए थे। उन्होंने कहा कि जब से उन्होंने फोन टैपिंग की बात कही है तब से उन्हें धमकी भरे फोन आ रहे हैं। इस स्थिति में, मुझे अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता है लेकिन मौजूदा सुरक्षा भी वापस ले ली गई। यह ऊपर से आदेश के बिना नहीं किया गया होता, उन्होंने कहा कि सरकार ने दो बंदूकधारियों को वापस ले लिया लेकिन मैं शेष दो को उपहार के रूप में आत्मसमर्पण कर रहा हूं। मैं किसी से नहीं डरता। मैं अकेला घूमूंगा।

श्रीधर रेड्डी ने कहा कि वह धमकियों या उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जाने से डरते नहीं हैं। पुलिस ने शनिवार को श्रीधर रेड्डी और दो अन्य पर सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी पार्षद के कथित अपहरण और उन्हें पार्टी से इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने के आरोप में मामला दर्ज किया था। उनके खिलाफ घर में जबरन घुसने और आपराधिक इरादे से नेल्लोर शहर के एक पार्षद एम. विजयभास्कर रेड्डी का अपहरण करने का मामला दर्ज किया गया था।

सत्तारूढ़ पार्टी के पार्षद ने अपनी शिकायत में कहा कि कोटमरेड्डी ने उन्हें वाईएसआरसीपी छोड़ने और उनके साथ शामिल होने के लिए मनाने की कोशिश की। जब उन्होंने इनकार कर दिया, तो नगरसेवक ने आरोप लगाया कि विधायक के अनुयायियों में से एक ने ड्राइवर अंकैया के साथ शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे के बीच पदरुपल्ली क्षेत्र से उन्हें डराया और अगवा कर लिया। और दोपहर 3 बजे और विधायक के पास ले गए। नगरसेवक ने कहा कि हालांकि, वह भागने में सफल रहा और विधायक के खिलाफ वेदयापलेम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया। हालांकि, श्रीधर रेड्डी ने स्पष्ट किया कि वह उनसे बात करने के लिए पार्षद विजयभास्कर के घर गए थे। उसके लिए उसके खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया है। शनिवार को श्रीधर रेड्डी और बोरुगड्डा अनिल के बीच फोन कॉल का एक ऑडियो टेप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ऑडियो में अनिल विधायक को वाईएसआरसीपी प्रमुख के संबंध में अपने सार्वजनिक भाषणों में सावधानी बरतने की चेतावनी देते हैं। अनिल को विधायक को धमकी देते हुए सुना जा सकता है कि अगर वे (श्रीधर रेड्डी) और उनके भाई मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी और वाईएसआरसीपी पार्टी के नेताओं की आलोचना करना जारी रखते हैं तो उन्हें (श्रीधर रेड्डी) और उनके भाई को एक वाहन से बांध दिया जाएगा और नेल्लोर की सड़कों पर घसीटा जाएगा।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी नवीन मित्तल ने भूमि प्रशासन के मुख्य आयुक्त (सीसीएलए) और तेलंगाना के राजस्व विभाग के प्रधान सचिव का पदभार ग्रहण करने के बाद रविवार को प्रगति भवन में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से मुलाकात की।

गच्चीबावली स्टेडियम, हैदराबाद में मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन, तेलंगाना द्वारा पांचवे अखिल भारतीय मास्टर गेम्स की तैराकी प्रतिस्पर्धा में लंगर हाउस के अविनाश शर्मा ने तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया।

उपराज्यपाल ने बेबुनियादी आधार पर 244 प्रधानाचार्यों की नियुक्ति रोकी : सिसोदिया

नयी दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को उपराज्यपाल वी के सक्सेना पर ''बेबुनियादी आधार'' पर 244 प्रधानाचार्यों की नियुक्ति रोकने का आरोप लगाया।इससे एक दिन पहले सक्सेना ने सरकारी स्कूलों में प्रधानाचार्यों और उप शिक्षा अधिकारियों के 126 पदों को बहाल करने की मंजूरी दे दी थी जो पिछले दो साल से अधिक समय से ''खाली'' पड़े हुए थे। सिसोदिया ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''उन्होंने सेवा विभाग पर असंवैधानिक रूप से नियंत्रण कर लिया है। 370 पद खाली पड़े हैं और इन 370 में से 126 को एलजी साहब ने मंजूरी दे दी है। बाकी के लिए उन्होंने हमसे एक अध्ययन कराने के लिए कहा है। मैं एलजी साहब से पूछना चाहता हूं : ये स्कूल उप-प्रधानाचार्यों की मदद से चल रहे हैं। हम किसी प्रधानाचार्य की व्यवहार्यता पर अध्ययन कैसे करा सकते हैं?''उन्होंने कहा कि वह इस मामले पर सक्सेना को पत्र भी लिखेंगे लेकिन उन्होंने उपराज्यपाल से ''बेबुनियादी आधार'' पर बाकी के पदों पर नियुक्ति न रोकने का अनुरोध किया।

टीएमसी ने जारी किया चुनावी घोषणापत्र

सोमवार को ममता बनर्जी रोड शो में भरेंगी हुंकार

कोलकाता, 5 फरवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की घोषणापत्र जारी कर दिया है. टीएमसी त्रिपुरा प्रभारी राजीव बनर्जी, राज्य टीएमसी अध्यक्ष पीजूष कांति बिस्वास और पार्टी सांसद सुष्मिता देव की उपस्थिति में पार्टी ने अपना चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया. रतलब है कि त्रिपुरा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल जोर-शोर से प्रचार अभियान में जुटे हैं. इसी कड़ी में आज टीएससी ने घोषणापत्र जारी कर दिया है. री है प्रचार अभियानः बता दें, त्रिपुरा विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीति दल जोर शोर से प्रचार में जुटे है. पार्टियों के दिग्गज नेता ज्यादा से ज्यादा रैली और सभा कर लोगों से रिझाने में लगे हैं. बीजेपी, तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस-वामपंथी गठबंधन पूरी जी जान लगा रहे हैं. तृणमूल सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कल यानी सोमवार को त्रिपुरा का दौरा करेंगी. एमसी पहली बार उतार रही है प्रत्याशीः गौरतलब है कि टीएमसी त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में पहली बार अपने प्रत्याशी उतार रही है. सोमवार को ममता बनर्जी एक रोड शो भी करने वाली हैं. कार्यक्रम की शुरुआत ममता बनर्जी मंदिर में पूजा अर्चना के साथ-साथ करेंगी. इसके बाद वो रोड शो में शामिल होंगी. तृणमूल कांग्रेस 28 सीट पर किस्मत आजमाएगी, पुरा विधानसभा के लिए मतदान 16 फरवरी को होगा वहीं, दो मार्च को मतगणना की जाएगी. बीजेपी ने 55 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जबकि माकपा अकेले 43 सीट पर चुनाव लड़ेगी. वहीं, वाम मोर्चा के अन्य घटक-फॉरवर्ड ब्लॉक, आरएसपी और भाकपा, एक-एक सीट पर उम्मीदवार खड़े करेंगे. वाममोर्चा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ रही कांग्रेस ने 13 सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं. टिपरा मोथा ने 42 सीट पर उम्मीदवार खड़े किये हैं. जबकि 58 निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में हैं.

केजरीवाल का दावा- संसद ने भी माना सुधरी दिल्ली की हवा

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को एक अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि संसद ने भी माना है कि राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ट्वीट कर कहा, 'देश की संसद ने भी माना कि दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। ये दिल्ली वालों के सतत प्रयासों का नतीजा है।

हम यदि ठान लें, तो हर मुश्किल काम संभव है। इसी तरह आने वाले समय में हमें वायु गुणवत्ता में अभी और भी सुधार करना है।' न्होंने ट्वीट के साथ ही एक अखबार में छपी रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें बताया गया है कि आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 में उल्लेख किया गया है कि 'अच्छे', 'संतोषजनक' और 'मध्यम' वायु गुणवत्ता श्रेणी के दिनों की संख्या 2016 के 108 की तुलना में 2021 में बढ़कर 197 हो गई।

ल्लेखनीय है कि साल 2022-23 का आर्थिक सर्वेक्षण 31 जनवरी को संसद में पेश किया गया था। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि 'अच्छे', 'संतोषजनक' और 'मध्यम' वायु गुणवत्ता श्रेणी के दिनों की संख्या 2016 के 108 की तुलना में 2021 में बढ़कर 197 हो गई।

मध्य प्रदेश में प्रतिबंधित पीएफआई के 3 और सदस्य 'सरकार के खिलाफ साजिश' के आरोप में गिरफ्तार

भोपाल, 5 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के तीन सदस्यों को सरकार के खिलाफ साजिश रचने और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. इसके साथ ही पुलिस ने पिछले कुछ दिनों में प्रतिबंधित संगठन के चार सदस्यों को हिरासत में लिया है. ताजा कार्रवाई में, पीएफआई के दो सदस्यों को शनिवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में गिरफ्तार किया गया, जबकि तीसरे को औरंगाबाद (महाराष्ट्र) से पेशी वारंट पर लाने के बाद गिरफ्तार किया गया. उन्होंने बताया कि तीनों आरोपियों की पहचान धार जिले के गुलाम रसूल शाह (37), साजिद खान उर्फ गुलाम नबी (56) निवासी इंदौर और परवेज खान (30) निवासी औरंगाबाद के रूप में हुई है.

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से सबसे ज्यादा खुश हैं एमके स्टालिन

क्या लोकसभा चुनाव में मिलेगा फायदा ?

चैन्नई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 4080 किमी लंबी भारत जोड़ो यात्रा का समापन हो चुका है। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने पैदल यात्रा की। इस यात्रा ने कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं में एक नई जान फूंकने का काम किया है। राहुल गांधी ने देश के अलग अलग हिस्सों में घूमकर कांग्रेस की जमीन तैयार करने का काम किया। राहुल गांधी की इस यात्रा से सबसे ज्यादा खुश तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टैलिन हैं। एमके स्टैलिन ने 7 सितंबर 2022 को कन्याकुमारी में राहुल गांधी को राष्ट्रीय ध्वज देकर यात्रा की शुरुआत कराई थी।

स्टालिन ने किया आह्वान

हालांकि यह यात्रा केवल चार दिनों के लिए तमिलनाडु से होकर गुजरी, लेकिन डीएमके और धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन

(एसपीए) के सहयोगियों द्वारा यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से 2024 के लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु की सभी 40 सीटों पर जीत हासिल का आह्वान किया है। पार्टी को लगता है कि भारत जोड़ो यात्रा की सफलता तमिलनाडु में भी गूंजेगी। कांग्रेस के पास तमिलनाडु से आठ लोकसभा सांसद हैं। केरल और कर्नाटक के अलावा पार्टी तमिलनाडु में बड़ी सफलता की उम्मीद कर रही है। स्टालिन और उनकी डीएमके पार्टी के लिए एक प्रमुख समर्थन आधार है। जहां स्टालिन राहुल गांधी की यात्रा को लोकसभा चुनावों में पार्टी और गठबंधन के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस तमिलनाडु में डीएमके की कैडर ताकत पर सवारी कर रही है। इस तरह, दोनों पार्टियां राज्य में गति प्राप्त करने के लिए एक दूसरे की ताकत पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। स्टालिन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के सुशासन और जन हितैषी कार्यक्रमों ने राज्य में द्रमुक और धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन में मदद की है, लेकिन गांधी की यात्रा ने डीएमके को राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मान का आभास कराया है। यात्रा से स्टालिन का नाम गूंजेगा क्योंकि उन्होंने ही यात्रा का उद्घाटन किया था।

यात्रा से तमिलनाडु में भाजपा को होगा नुकसान

डीएमके के वरिष्ठ नेता और जल कार्य मंत्री एस। दुरैमुरुगन ने आईएएनएस को बताया, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का सफल समापन डीएमके के लिए एक प्रतिष्ठित क्षण है, क्योंकि हमारे नेता एमके स्टालिन ने कन्याकुमारी में यात्रा का उद्घाटन किया था। कांग्रेस नेता पैदल चले और यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कई परेशानियों का सामना किया और देश में नैरेटिव को बदल दिया। एक और दिलचस्प मोड़, तमिल सुपरस्टार और मक्कल नीधि माईम (एमएनएम) के संस्थापक अध्यक्ष कमल हासन का दिल्ली में यात्रा में शामिल होना था। कमल हासन और उनकी एमएनएम बिना किसी गठबंधन के अपने दम पर चुनाव लड़ रहे हैं। डीएमके हलकों में अब चर्चा है कि कमल जल्द ही डीएमके मोर्चे में शामिल होंगे।

डीएमके पूरे तमिलनाडु में यात्रा की सफलता का प्रदर्शन करेगी और इसे एक विपरीत परिस्थितियों में एक शख्स की सफलता के रूप में चित्रित करेगी। राज्य में बीजेपी के कमजोर होने और विपक्षी अन्नाद्रमुक के असमंजस में होने के कारण डीएमके 2024 के लोकसभा चुनावों में जीत की राह पर है। कांग्रेस इस बात से भी खुश है कि ये सीटें केंद्र में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नुकसान में विपक्ष की झोली में इजाफा करेंगी।

बीएसएफ ने 17 लाख ड्रग्स मनी के साथ एक को किया गिरफ्तार

फिरोजपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर में बीएसएफ ने बीओपी कस्सोके के नजदीक कार सवार एक व्यक्ति को 17 लाख रुपये की ड्रग मनी के साथ काबू किया है, जबकि उसका साथी लेह में तैनात सेना का सिपाही फरार हो गया।दुबई से आया पिपल सिंह अपने साथी फौजी लखवीर सिंह निवासी निहाला वाला (सेना में सिपाही के पद पर कार्यरत है और लेह में तैनात है) के साथ हरियाणा नंबर एचआर 03 एस 7409 की कार पर सीमांत क्षेत्र में घूम रहे थे। बीएसएफ ने कार रुकवाई तो लखवीर सिंह मौके से फरार हो गया और पिपल सिंह को दबोच लिया।कार की तलाशी लेने पर 17 लाख रुपये की ड्रग्स मनी मिली है।

पूछताछ में पता चला कि दोनों हेरोइन की तस्करी में शामिल हैं। पुलिस लखवीर की तलाश में जुटी है। वह छुट्टी पर घर आया था। दोनों ही आरोपी भारत-पाक सीमा से सटे गांव निहाला वाला के रहने वाले हैं।कुछ दिन पहले भी फाजिल्का से 31 किलो हेरोइन के साथ दो आरोपी पकड़े गए थे, इनमें से एक सेना में तैनात सिपाही था, जो छुट्टी पर आया था।

इन आरोपियों ने पाकिस्तानी तस्करों से हेरोइन मंगवाई थी। जब हेरोइन सप्लाई करने जा रहे थे तब पुलिस और बीएसएफ ने संयुक्त आपरेशन दौरान काबू किया था। फिलहाल दोनों तस्कर जेल में हैं। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर ने फिरोजपुर जिले में एक पॉलीथिन से नशीले पदार्थ के 3 पैकिट बरामद किए हैं। संदेह है कि वह हेरोइन है जिसका वजन 2.256 किलोग्राम बताया जा रहा है।

हरियाणा में ओपीएस पर सियासी घमासान तेज: सीएम ने कहा- इसको लागू करने से बर्बाद हो जाएंगे

हुड्डा बोले- जिन्होंने बहाल की, वो हुए क्या

रोहतक, 5 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में कांग्रेस के पूर्व सीएम एवं प्रतिपक्ष नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल के बयान पर पलटवार किया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बयान दिया था कि पुरानी पेंशन स्कीम बहाली करने से देश 2030 तक बर्बाद हो जाएगा। इस बयान पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने चुटकी ली है। हुड्डा ने कहा कि सरकारी कर्मचारी काफी लंबे समय से पुरानी पेंशन की बहाली की मांग कर रहे हैं। वहीं राजस्थान, पंजाब व हिमाचल में पुरानी पेंशन बहाल कर दी गई है, क्या वह बर्बाद हो गए हैं। पुरानी पेंशन स्कीम कर्मचारियों का हक है। जो उन्हें मिलना चाहिए, आज इतनी महंगाई हो गई है। हमारी सरकार आएगी तो पुरानी पेंशन को लागू करेगी। उन्होंने कहा कि जब नई पेंशन स्कीम लागू हुई थी, तब उस हिसाब से राज्य सरकारों ने लागू किया था। लेकिन आज के समय में वह इतनी लाभदायक साबित नहीं हुई। पूरे देश में कर्मचारी पुरानी पेंशन की बहाली की मांग कर रहे हैं। इसलिए कर्मचारियों की मांग को पूरा करते हुए इसे लागू करना चाहिए। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ई-टेंडरिंग को लेकर चल रहे सरपंचों के धरने पर कहा कि इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा।

मजदूर की बेटी जिले की पहली महिला अग्निवीर बनी

पिता ने कहा- सपना पूरा हुआ

सीहोर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। देश की बेटियां भी अब बेटों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर विश्व पटल पर अपना नाम रोशन कर रही हैं। देशभर में विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर भारत का झंडा लहराकर सीहोर का नाम करने वाली मेघा परमार के नाम से कौन परिचित नहीं होगा। सीहोर की बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखा रही हैं। इसी कड़ी में मजदूर की 19 वर्षीय बेटी ईशा कुशवाह ने सीहोर की पहली महिला अग्निवीर के रूप में अपना नाम दर्ज करा लिया है। सीहोर निवासी ईशा कुशवाह नगर के शासकीय चंद्रशेखर आजाद महाविद्यालय में बीएससी थर्ड ईयर की छात्रा है।

ईशा ने कॉलेज में दाखिला लेने के साथ ही एनसीसी भी ज्वाइन कर ली थी और उनका लक्ष्य भारतीय सेना में शामिल होना था। इसके लिए ईशा कुशवाह ने शुरू से ही कड़ी मेहनत की और भारतीय सेना में अग्निवीर के पद में भर्ती के लिए आवेदन दिया था। परीक्षा में पास होने के बाद ईशा का चयन अग्निवीर में हो गया है। अग्निवीर बनने के बाद ईशा और उनके परिजन काफी खुश हैं। सीहोर जिले की पहली अग्निवीर ईशा कुशवाहा ने बताया कि उसकी मम्मी आंगनवाड़ी में सहायिका के पद पर कार्यरत हैं और पिताजी सब्जियों का व्यापार करते हैं। आरंभिक शिक्षा नूतन विद्यालय से हासिल की और शासकीय चंद्रशेखर आजाद महाविद्यालय में प्रवेश लेने के साथ ही एनसीसी जॉइन कर ली। एनसीसी के कई कैंप भी अटेंड किए और उसमें प्रशिक्षण प्राप्त किया। ईशा ने बताया कि देश की सेवा करने के लिए पिता-माता हमेशा सेवा करने की बात करते थे, उनके संस्कारों का ही परिणाम है कि उसका और उसके परिवार का सेना में जाने का सपना पूरा हुआ। ईशा अग्निवीर में चयनित होने के श्रेय कॉलेज के प्रोफसर और अपने माता पिता को देती हैं। ईशा की मां रीता कुशवाहा ने बताया कि काफी कठिनाइयां उठाने के पश्चात भी उन्होंने अपनी बेटी को मेहनत करके पढ़ाया है अब जब उनकी बेटी अग्निवीर बन गई है तो उन्हें काफी गर्व है। ईशा कुशवाहा ने बताया कि भारतीय सेना में शामिल होने के लिए उसने कठोर परिश्रम किया है। प्रतिदिन सुबह पांच बजे उठकर कॉलेज ग्राउंड के आठ से 10 चक्कर लगाकर वह प्रतिदिन रनिंग करती है और भोजन में भी उसने अंकुरित आहार का सेवन लगातार किया है।

रिट्रीट सेरेमनी देखकर लौट रही सिक्किम की लड़की का बाइक सवारों ने झपटा बैग

अमृतसर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अमृतसर के अटारी बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी देख कर देर शाम लौट रही एक लड़की को लुटेरों ने लूटने की कोशिश की। जैसे ही लुटेरों ने लड़की के हाथों में पकड़े बैग को झपटा तो लड़की ऑटो से गिर गई। उसे अमनदीप अस्पताल में पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लड़की सिक्किम की रहने वाली बताई जा रही है। थान घरिंडा पुलिस ने मामला दर्ज कर कर लिया है।जानकारी के अनुसार, भारत-पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय अटारी बॉर्डर से रिट्रीट समारोह देख कर ऑटो से लौट रही युवती गंगा माया जब घरिंडा थाना के पास धोडीविंड गांव स्थित पुल के पास पहुंची तो लुटेरों ने उसका बैग झपट लिया। इसी दौरान वह ऑटो से गिर गई। गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। गंगा माया सिक्किम की रहने वाली थी और दिल्ली के एक कॉलेज में कानून की पढ़ाई कर रही थी। वह अपने सहपाठी के साथ अटारी बॉर्डर पर झंडा समारोह देखने आई थी। युवती की दर्दनाक मौत से उसके साथ आए साथी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। थाना घरिंडा पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मृतका अपने दोस्त अतुल कुमार निवासी आगरा के साथ बॉर्डर पर घूमने आई थी।

नौरादेही में बाघों का बढ़ा कुनबा, गांव के विस्थापन की प्रकिया में जुटे अधिकारी

दमोह, 5 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े और दमोह, सागर व नरसिंहपुर जिले में फैले नौरादेही अभयारण्य में 12 बाघों की दहाड़ सुनाई दे रही है। इनमें से जो छह शावक हैं, वह भी वयस्क हो रहे हैं और 14 माह की उम्र पार कर चुके हैं। शावर अपनी मां के साथ शिकार की बारीकियां सीख रहे हैं। इस अभयारण्य में शाकाहारी और मांसाहारी जानवरों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इसलिए अभयारण के अंतर्गत आने वाले गांव के विस्थापन की प्रकिया में अधिकारी तेजी से लगे हैं। वर्तमान में दमोह जिले के तीन गांवों के विस्थापन की प्रक्रिया पर कार्य चल रहा है।

नन्हे शावक हुए वयस्क

नौरादेही अभयारण्य में बाघिन राधा और बाघ किशन का पूरा परिवार घूम रहा है, जिनकी संख्या 11 है और एक बाघ नौरादेही को उपहार में मिल गया जो पन्ना टाईगर रिजर्व से दो साल पहले चलकर यहां आ आया था। ये बाघ राधा-किशन के परिवार में ही रहने लगा और इस नए मेहमान को भी अपना लिया गया। जिससे वर्तमान में यहां 12 बाघ मौजूद हैं। वहीं इनमें से छह शावक हैं जो अब तेरह से चौदह महीने की उम्र के हो चुके हैं और वयस्क हो गए हैं, लेकिन अभी भी अपनी मां के साथ शिकार की ट्रेनिंग ले रहे हैं। अभयारण्य के अधिकारियों के मुताबिक बाघ बीस से तीस माह के बीच वयस्क कहलाने लगते हैं। वर्तमान में नौरादेही अभयारण्य में जो छह शावक हैं वह तेरह से चौदह माह के हो चुके हैं और अब ये वयस्क की तरह दिखने लगे हैं। केवल इनका शरीर दुबला है। आकार और ऊंचाई के अनुसार यदि देखा जाये तो यह पूर्ण रूप से वयस्क दिखाई देने लगे हैं।राधा ने दूसरी बार 6 नवंबर 2021 को चार शावकों को जन्म दिया था जबकि राधा की बेटी ने 12 दिसंबर 2021 में दो शावकों को जन्म दिया था। राधा का एक शावक जो अपनी मां के साथ घूमता दिखाई देता है वह शरीर से काफी तंदरूस्त है। अधिकारियों की मानें तो सभी शावक स्वस्थ हैं और अलग-अलग जंगलों में अपना डेरा डाले हुए हैं।

दूसरी मादा पर बना सस्पेंश

राधा ने 2019 में पहली बार में तीन शावकों को जन्म दिया था इनमें एक नर और दो मादा थीं। एक मादा ने दिसंबर महीने में शावकों को जन्म दे दिया, जबकि दूसरी मादा पर सस्पेंश है। जबकि इन दोनों का जन्म एक ही दिन हुआ था। राधा की दूसरी बेटी के संबंध में कोई स्पष्ट रूप से जानकारी नहीं मिल पा रही। वहीं कुछ अधिकारी यह भी कह रहे हैं कि हो सकता है 15 दिन या एक महीने के अंदर कोई खुशखबरी मिल जाए, लेकिन वर्तमान में इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती। नौरादेही में टीम लगातार सर्च कर रही है और पगमार्क से सभी बाघों की निगरानी कर रही है। क्योंकि केवल बाघिन राधा की कॉलर आईडी चालू है बाघ की कॉलर आईडी पहले ही खराब हो गई है। इसके अलावा अन्य बाघों को अभी तक कॉलर आईडी नहीं पहनाई गई। इसलिए सभी की लोकेशन केवल पगमार्क से ही ली जाती है।

इन गांवों को किया जाएगा विस्थापित

नौरादेही अभयारण में बाघ और अन्य जानवरों की संख्या बढ़ रही है इसलिये जो गांव अभयारण्य में बसे हैं, उनके विस्थापन की प्रकिया तेजी से शुरू होने लगी है। इस प्रकिया में अब दमोह जिले के तीन गांवों के विस्थापन की प्रकिया चल रही है।

जिनमें सर्रा रेंज के दो ग्राम रमपुरा और उनारीखेड़ा हैं जबकि झापन रेंज का एक ग्राम डवा है, जिसके विस्थापन के लिये तैयारी चल रही है। नौरदेही के एसडीओ सेवाराम मालिक ने बताया कि अभयारण्य में जानवरों की संख्या बढ़ रही है। सभी छह शावक 25 से 30 माह में पूर्ण वयस्क हो जाएंगे। दूसरी मादा गर्भवती हैं या नहीं कुछ नहीं कहा जा सकता। वर्तमान में दमोह जिले के तीन गांव के विस्थापन की प्रकिया चल रही है। कोशिश रहेगी कि ये तीनों गांव बारिश के पूर्व विस्थापित हो जाएं।

दहशत में जिंदगी

वन्यजीवों की घुसपैठ से ग्रामीण परेशान, रिहायशी क्षेत्र में फिर घुसा भालू, लोगों ने खदेड़ा

शहडोल, 5 फरवरी (एजेंसियां)। शहडोल जिले के जैतपुर वन परिक्षेत्र के गाड़ाघाट में भालू के आंतक से लोग परेशान हैं। आये दिन रिहायशी क्षेत्र में जंगली जानवरों का आतंक देखने को मिल रहा है, जिससे लोग दहशत में हैं। जैतपुर वन परिक्षेत्र के गड़ाघाट में शनिवार की शाम रिहायशी क्षेत्र में एक भालू घुस आया, खेत में काम कर रहे एक व्यक्ति की नजर जंगली भालू पर पड़ी, जिसकी सूचना अन्य लोगों को दी गई। सूचना के बाद वन विभाग को मामले की जानकारी दी गई। वन विभाग को जानकारी देने के बाद भी काफी समय गुजर गया, लेकिन वन विभाग मौके से नदारद रहा स्थानीय लोगों को डर था कि भालू लोगों के घर में घुसकर उत्पात ना मचाने लगे, जिससे लोगों ने इकट्ठा होकर हल्ला करते हुए भालू को गांव से दूर जंगल भगा दिया है।कुछ दिन पहले ही भालू अपने परिवार के साथ जैतपुर के जंगलों में निकला था। जैतपुर क्षेत्र में आये दिन जंगली जानवरों का मूवमेंट बना रहता है। मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ की सीमा में लगे गांव में बाघ भी कुछ दिन पूर्व ही देखा गया है। वन विभाग लगातार अलर्ट है, लेकिन शनिवार को रिहायशी क्षेत्र में भालू घुसने की खबर जब वन विभाग को स्थानीय लोगों ने दी, तब समय गुजरता रहा, लेकिन वन विभाग नदारद रहा है। भालू को भगाने के लिए लोग इकट्ठा हुए और भालू को गांव से भगा दिया है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 6 फरवरी- 2023

सरकार विपक्ष के निशाने पर

देश के प्रसिद्ध उद्योगपति गौतम अडानी समूह को लेकर अमेरिका की एक कथित कंपनी हिंडनबर्ग का सर्वेक्षण क्या आया, देश की सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। विपक्षी दल एकजुट हो कर मांग कर रहे हैं कि चाहे जो भी हो इस मामले में सरकार जवाब दे। विपक्ष के इस अडियल रुख के चलते संसद का बजट सत्र बार-बार स्थगित करना पड़ रहा है। इससे कामकाज में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। इसके बावजूद अडाणी समूह इस मामले में लगातार अपनी सफाई देने में पीछे नहीं हट रही है। फिर भी शेयर बाजार में अडानी की कंपनियों के शेयर लगातार गोता लगा रहे हैं। बाजार में आए इस तूफान से दुनिया के तीसरे नंबर के सबसे अमीर उद्यमी के पायदान से खिसक कर अडाणी शीर्ष बीस की सूची से भी बाहर चले गए हैं। ऐसे में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर तरह-तरह की चिंताएं जताना स्वाभाविक है। इसे लेकर सबसे अधिक भ्रम आम निवेशकों में फैला हुआ है, जिन्होंने विभिन्न सरकारी संस्थानों में अपने पैसे निवेश किए हैं। बता दें कि अडाणी की कंपनियों में सबसे अधिक पैसा सरकारी बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम जैसे संस्थानों का लगा हुआ है। हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि अडाणी समूह ने धोखाधड़ी करके अपने शेयरों की कीमतें गलत ढंग से बढ़ा-चढ़ा कर पेश की बदले में सरकारी बैंकों से कई गुना कर्ज ले लिया है। अब इस पर विपक्ष इसीलिए बवाल काटे हुए हैं अडानी समूह की कंपनियों को सरकार की शय पर ही है भारी-भरकम कर्ज दिए गए हैं। जिन बैंकों ने कर्ज दिया, उन्होंने अडाणी समूह की कंपनियों की वास्तविक हैसियत का मूल्यांकन किए बिना आंख मूंद कर इतनी भारी रकम कैसे उनमें लगा दी? जीवन बीमा निगम ने भी किस आधार पर इतने बड़े पैमाने पर उसके शेयर खरीद लिए। फिर सवाल यह भी उठ रहा है कि प्रतिभूति बाजार में हुई गड़बड़ियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी सेबी की है, लेकिन समय रहते उसने भी इस तरह की धांधली पर कोई ध्यान नहीं दिया। अब भी जब अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा रही है, तब भी वह चुप्पी क्यों साधे हुए है। रिजर्व बैंक ने उन बैंकों से जरूर रपट मांगी है, जिन्होंने अडाणी समूह की कंपनियों को कर्ज दिया है। इसके बावजूद बहुत सारे लोगों को इस कार्रवाई पर भरोसा इसलिए नहीं हो रहा कि सरकार ने भी अभी तक अपना मुंह नहीं खोला है। अक्सर देखा गया है कि शेयर बाजार में उथल-पुथल का असर कंपनियों की पूंजी और साख पर पड़ता है और इस शेयर बाजार के सटोरिए ऐसा खेल करने में माहिर हैं। मगर अडाणी समूह के शेयरों की गिरती कीमतों का मामला केवल इतना भर नहीं है। इसमें सरकार पर भी अंगुलियां उठ रही हैं कि उसी की सहमति से बैंकों ने नियम-कायदों को ताक पर रख कर कर्ज दिया। अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतें गिरने से उन निवेशकों की धड़कनें बढ़ गई हैं, जिन्होंने इनमें काफी पूंजी लगा रखी है। अब उन्हें चिंता सताने लगी है कि उनकी पूंजी कभी लौट भी पाएगी या नहीं। हालांकि अडाणी खुद निवेशकों को भरोसा दिला रहे हैं कि उनकी साख कमजोर नहीं हुई है और उनके खिलाफ साजिश रची गई है। इसके बाद भी भ्रम और आशंकाओं के बादल छंट नहीं रहे हैं। ऐसे में सरकार से सीधा और व्यावहारिक हस्तक्षेप की अपेक्षा की जाती है। निवेशकों का भरोसा भी कायम रहना बहुत जरूरी है। फिर, इस मामले में चूंकि सरकार की साख भी दांव पर लगी है, इसलिए उसे निष्पक्षता का परिचय देना ही चाहिए। सरकार जितनी देर चुप्पी साधे रहेगी, विपक्ष को उतना ही उसे घेरने का मौका मिलता रहेगा। इसलिए सरकार से जल्द से जल्द कोई व्यवहारिक कदम उठाने की दरकार है।

प्रगतिशीलता बनाम कट्टरता का संघर्ष

रघु ठाकुर

1979 में ईरान में इस्लामिक बदलाव का दौर था ईरान के पूर्व राष्ट्रपति जो अमेरिका समर्थक माने जाते थे को हटाकर इस्लामिक गुरू खुमैनी का शासन स्थापित हुआ था। तत्कालीन ईरान के शाह ने काफी संपत्ति अमेरिका में जमा की थी। और अमेरिका ने ईरान में काफी कारखाने आदि लगाये थे। कुछ अमेरिका की वजह से, कुछ राजनीतिक वजह से, कुछ इस्लामिक कायदे कानून न होने की वजह से, ईरान के लोगों ने खुमैनी के नेतृत्व में व्रिदोह किया था, तथा ईरान में बनी अमेरिकन संपत्ति को ईरान ने खुमैनी के नेतृत्व में जप्त किया था। और तभी से ईरान में इस्लामिक राष्ट्र है तथा इस्लामिक धर्म गुरू के नियंत्रण में शासित है। इस्लामिक क्रांति के चार वर्ष के बाद 1983 में ईरान में हिजाब पहनना अनिवार्य किया गया था, वैसे तो हिजाब पहनने की परंपरा इस्लामिक कानून में पहले से है। यह व्यवस्था इस्लामिक कानून में थी कि अगर कोई महिला बुर्का नहीं पहन सकती है वो हिजाब पहने यानि पूर्ण पर्दानशीं या प्रतीकात्मक पर्दानशीं अनिवार्य थी। इस्लामिक धार्मिक गुरूओं का कहना था कि महिलाओं को बुर्का, हिजाब पहनना यह अल्लाह का आदेश है। क्योंकि इसका जिक्र कुरान में है और कुरान वह ईश्वरी ग्रंथ है जिसे हजरत मोहम्मद पैगम्बर साहब से अल्लाह ने भेजा है यानि भगवान ने भेजा है। दरअसल यही दृष्टिकोण बदलाव और प्रगतिशील परंपराओं को रोकता है और जड़ता को कायम रखता है। ये परंपरायें मजहब नहीं है बल्कि इस्लाम के उदय के कालखण्ड में जो सामाजिक परिस्थितियां रहीं होगी उनमें इनकी उपयोगिता महसूस की गई होगी। जो भी हो इन परंपराओं के कारण से महिलाओं को एक प्रकार के कैद जैसे बंधनों में रखा गया और उन्हें बराबरी का मानव नहीं माना गया। उनकी स्थिति एक बच्चा जनने जैसी बन गयी तथा 700-800 साल के कालखण्ड में महिलाओं को मजहब के नाम पर भेदभाव सहना पड़ा। उनके एक प्रकार से घर के बाहर निकलने पर भी कई प्रकार की सीमायें थीं। और अभी भी इस्लामिक कट्टरपंथी सोच उन परंपराओं को कायम रखना चाहता है।

1983 से लेकर पिछले लगभग 30 वर्षों से ईरान की महिलायें इस मजहब के नाम के दमन चक्र में पिस रहीं थीं। छुटपुट आवाजे बीच-बीच में नारियों की उठती थी परन्तु उन्हें कठोरता से दबा दिया जाता था। ईरान की बेटिया इस दोयम दर्जे को तेजी से महसूस कर रहीं थी और भीतर से आहत भी थी। अन्ततः उनके गुस्से का घड़ा फूटा और सितम्बर 2022 में समूचे ईरान में महिलाओं के द्वारा हिजाब विरोध आन्दोलन फैल गया। ईरान की पुलिस ने बेटियों को गिरफ्तार करना शुरू किया और इसी पकड़ा-धकड़ी के दौर में अमीनी नामक लड़की की मृत्यु 16 सितम्बर 2022 को पुलिस हिरासत में हो गई, जिसे पुलिस ने हिजाब का विरोध करने के कारण गिरफ्तार किया था। महसा अमीनी की मौत ने सारे ईरान की महिलाओं के मन में आक्रोश भर दिया और वे स्वयंभू प्रेरणा से राजधानी तेहरान से लेकर कस्बों कस्बों तक हिजाब के विरोध में सड़कों पर निकल पड़ी, और हिजाब पहनने की अनिवार्यता वाले कानून को वापिस लेने की मांग करने लगी। खुमैनी की इस्लामी हुकुमत द्वारा नारियों का जिस प्रकार दमन किया गया, वह अवर्णनीय है तथा उसकी जितनी भर्त्सना की जाये उतनी कम। ईरान की नारियों का यह कुपरम्पराओं को तोड़ने का आन्दोलन एक अर्थ में गाँधीवादी सिविल नाफरमानी जैसा था। जिसमें नारी पक्ष केवल कानून की सविनय अवज्ञा कर रहीं थी परन्तु किसी ने भी कभी हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया। पुलिस की लाठियों, हल्की प्लास्टिक की गोलियों, अपमानजनक शब्दों के प्रयोग को, ये बेटियां शांतिपूर्ण ढंग से सहती रही और अपनी बात पर अडिग रही। किस-किस प्रकार के जुल्म इन बेटियों ने नहीं सहे उनको सुनकर किसी भी व्यक्ति की आंख में आंसू भर आयेंगे। ईरान की इस्लामिक हुकूमत ने शरीयत कानून के आधार पर एक मॉरल पुलिस शाखा बनाई है जो इस्लामिक कट्टरता के बनाये परम्पराओं की रक्षा करती है और प्रगतिशील सोच को दबाती है। इस मॉरल पुलिस ने जिसे वहां गश्त-ए-इरशाद कहा जाता है ने चरम क्रूरता का प्रदर्शन किया। हालांकि इसके बावजूद भी आंदोलनकारी लड़कियों ने साहस नहीं छोड़ा। इन बच्चियों के ऊपर पैलेटगन से पैलेट प्लास्टिक और धातु से बने छर्रे छोड़े गये जो शरीर में घाव करते हैं। कुछ समय पश्चात युवा और नौजवान भी महिलाओं के साथ आन्दोलन में शामिल हो गये और ऐसा लगने लगा कि सारा युवा ईरान सड़कों पर उतर आया है। मॉरल पुलिस ने न केवल पैलेट गन चलाई बल्कि पूरी क्रूरता के साथ चलाई। लड़कियों के चेहरों पर छर्रे चलाये गये ताकि उनकी सुन्दरता खत्म हो जाये। बेटियां के गुप्तांग पर पैलेट गन दागे गये। जिनके घाव से उन्हें ईलाज कराना भी शर्म की वजह से कठिन हो गया। इतना ही नहीं लगभग 80 लोगों को मृत्यु दण्ड की सजा सुनाई गई तथा 11 लोगों को जिनमें 4 लड़कियां भी शामिल थीं उन्हें मृत्यु दण्ड दिया गया। बताया जाता है कि, इन विरोध प्रदर्शनों में सुरक्षा बलों की क्रूर कार्यवाही में 500 से अधिक लोग मारे गये, जिनमें 60 बच्चे भी शामिल हैं। इसके बावजूद ईरान में 16 सितम्बर 2022 से 2 दिसम्बर तक लगभग 1600 बड़े बड़े प्रदर्शन आयोजित हुये। ईरान इस्लामिक रिपब्लिक के कमांडर इन चीफ होसैन अश्तरी ने आन्दोलनकारियों को धमकी दी कि अभी तक हमने संयम का पालन किया है अब शक्ति बरतेंगे। यानि कमांडर इन चीफ के लिये पैलेट गन चलाना और मृत्युदण्ड देना यह संयम श्रेणी है। इस सब के बाद भी आन्दोलन शांत नहीं हुआ। एक कृत्रिम खबर फैलाई गयी कि, सरकार ने मॉरल पुलिस को भंग करने का फैसला किया है तथा 39 साल पुराने हिजाब कानून को बदला जायेगा। यह खबर आन्दोलन को भ्रमित कर वापिस कराने की थी परन्तु जब इसका भी असर नहीं हुआ तो फिर शासन और पुलिस अपने मूल पर वापिस आ गयी। हॉलाकि इसके बावजूद भी महिला और युवा अपने आन्दोलन पर डटे रहे। कुछ महिलाओं ने अपने हिजाब जला दिये कुछ ने बाल काट लिये और अहिंसक आन्दोलन जारी रहा। इसी बीच एक युवा समूह ने इस्लामिक राज्य के खिलाफ ही आवाज उठाना शुरू कर दिया तथा कहा कि हम मजहबी राष्ट्र नहीं चाहते दरअसल उनका यह कहना ईरान की उस बैचेनी की अभिव्यक्ति है जो वहां के आम युवा के मन में घूम रही है। अब युवा लोकतंत्र चाहता है, मुक्त जीवन चाहता है, मजहब के नाम पर अमानवीय बंधनों से मुक्ति चाहता है। लगभग 3 माह से अधिक चले इस आन्दोलन ने ईरान और दुनिया के मनों को हिलाया डुलाया और बड़ी हलचल पैदा की है। इतने लम्बे आन्दोलन के बाद थकान होना स्वाभाविक था। लाठी, गोली, यातना को सहते-सहते आन्दोलन में कुछ थकान आई है। परन्तु शासन की निष्ठुरता और हठबाधिता ने एक निराशा भी उनके मन में भर दी है। आन्दोलनकारियों का एक हिस्सा निराश होकर घरों की ओर लौटा है। उनके मन में घोर हताशा और कुंठा है। अब यह निराशा और कुंठा भविष्य में क्या रूप लेगी? इसकी कल्पना अभी संभव नहीं है? इतना तो तय है कि अगर सरकार ने अपने प्रचारित वायदों यानि मॉरल पुलिस को भंग करना, हिजाब कानून वापिस लेने के कदम नहीं उठाये तो फिर एक और दौर आन्दोलन का सड़कों पर दिखेगा। यह भी संभव है कि, हताश और कुंठित युवा हिंसा की ओर मुड़े या कोई और खतरनाक रास्ता चुने। दुनिया के एक बड़े हिस्से और आबादी ने प्रकट या अप्रकट, वाचाल या मूक, समर्थन आन्दोलन को दिया है तथा ईरान के इस युवा प्रगतिशीलता के कानूनों के लिये चलाये गये आन्दोलन ने वैश्विक सहानभूमि अर्जित की।

राजस्थान में शुरू हो गया है चुनावी घमासान

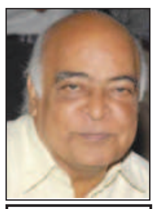
अशोक भाटिया

राजस्थान में चुनावी साल होने के चलते सियासत गर्म है। भाजपा और कांग्रेस चुनावी मोड में आ रही है, इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर राजस्थान दौरे पर आ रहे हैं। 28 जनवरी को भीलवाड़ा के आसींद के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी दौसा के मीणा हाईकोर्ट आ रहे हैं। आगामी 12 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोसा जिले में सिक्स लेन हाईवे का उद्घाटन करेंगे। साथ ही विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में भारी भीड़ जुटाने के लिए राज्यसभा सांसद डॉ।किरोड़ी लाल मीणा को जवाबदारी दी गई हैं। राजस्थान में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही भाजपा ने वोटों के लिए सोशल इंजीनियरिंग का काम तेज कर दिया है।

विधानसभा चुनाव सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे और कमल निशान पर लड़ने का फैसला कर चुकी भाजपा जातिगत समीकरण साधने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का भरपूर इस्तेमाल भी कर रही है। उसी सिलसिले में प्रधानमंत्री मोदी अब 12 फ़रवरी को मीणा बाहुल्य इलाक़े पूर्वी राजस्थान के दौरे पर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी 12 फरवरी को राजस्थान के दौसा में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के लोकार्पण के लिए आ रहे हैं। प्रधानमंत्री का ये दौरा वैसे तो सरकारी दौरा है, लेकिन भाजपा इसका पूरा राजनीतिक फायदा लेने की तैयारी में है। प्रधानमंत्री मोदी जिस इलाके में आ रहे हैं, वो मीणा बाहुल्य है। राजस्थान में मीणा जाति को मार्शल कौम माना जाता है और इसके राजनीतिक दबदबे को सीधे तौर पर इस बात से समझा जा सकता है कि राज्य की कुल पच्चीस लोक सभा सीटों में से करीब 10 सीटों पर मीणा वोट निर्णायक साबित होते हैं। राजस्थान के कद्दावर मीणा नेता और भाजपा के राज्य सभा सांसद डॉ। किरोड़ी लाल मीणा खुद जिले-जिले घूमकर अपने समाज के लोगों को प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में पहुंचने का न्यौता दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस सोशल इंजीनियरिंग के फॉर्मूले को सीधे इसी बात से समझा जा सकता है कि पिछले तीन महीनों में प्रधानमंत्री मोदी का ये चौथा राजस्थान दौरा होगा। इससे पहले प्रधानमंत्री ने राजस्थान के बांसवाड़ा और डूंगरपुर के मानगढ़ धाम पहुंचकर आदिवासी समाज और उसके बाद भीलवाड़ा के आसीन्द में गुर्जर समाज के बीच जाकर उनके धार्मिक आयोजन से जुड़कर बड़ा संदेश दिया था। लेकिन, कांग्रेस को प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से कोई राजनीतिक फ़ायदा होता नहीं दिख रहा। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार के केबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास का दावा है कि उनकी सरकार अपनी लोक कल्याणकारी योजनाओं के दम पर सत्ता में वापसी करेगी। कांग्रेस भले ही अपनी सरकार की वापसी का दावा करे, लेकिन सच्चाई यही है कि प्रधानमंत्री मोदी के पूर्वी राजस्थान के दौरे से मीणा वोट बैंक का भाजपा की तरफ़ रुझान होगा। राज्य के दौसा, अलवर, भरतपुर, करौली, सवाई माधोपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर, डूंगरपुर, जालोर, सिरोही समेत कई ज़िलों में मीणा वोट प्रभावी है। खुद मीणा समाज के लोग प्रधानमंत्री के दौसा दौरे को लेकर खासे उत्साही हैं। गौरतलब है कि दिल्ली से मुबंई के बीच बन रहे एक्सप्रेसवे का सोहना दौसा स्ट्रेच 12 फरवरी 2023 से आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। बता दें सोहना दौसा स्ट्रेच के बनने से दिल्ली से जयपुर के बीच की दूरी लगभग 2 घंटे में तय हो जाएगी। 12 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसका उद्घाटन किया जाएगा। हरियाणा के सोहना से राजस्थान के दौसा तक है ये सड़क नई दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का पहला खंड हरियाणा के सोहना से राजस्थान के दौसा तक है। जिसकी दूरी लगभग 270 किलोमीटर की है। बता दें कि पहले प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इसका उद्घाटन 4 फरवरी को ही किया जाना था लेकिन बाद में इसकी तारीख को बदल कर 12 फरवरी कर दिया गया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 12 फरवरी को दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे के सोहना दौसा स्ट्रेच का उद्घाटन किया जाएगा। इससे भी जरुर राजस्थान में भाजपा का समर्थन बढ़ने वाला हैं। भाजपा के पक्ष में माहौल इस कारण भी बन रहा है कि अब तक गहलोत-पायलट विवाद के बाद कांग्रेस सरकार पर आए संकट के दौरान वसुंधरा पूरी तरह चुप थीं। अब वे इस मामले में एक्टिव दिख रही हैं। इसकी बड़ी वजहें हो सकती हैं। पहली भाजपा की सहयोगी पार्टी रालोपा के प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने आरोप लगाए थे कि वसुंधरा गहलोत सरकार को बचाने की कोशिश कर रही हैं। कुछ भाजपा नेताओं ने भी इन आरोपों को हवा दी। वसुंधरा इन आरोपों को लेकर नाराज हैं और इसको लेकर पार्टी नेतृत्व से दो टूक बात करना चाहती हैं। वसुंधरा खेमे में 45 से ज्यादा विधायक बताए जाते हैं। ऐसे में आलाकमान उनकी उपेक्षा नहीं कर सकता है। वसुंधरा की नाराजगी का असर यह हो सकता है कि भाजपा में उनके विरोधी धड़े को शांत रहने को कहा जा सकता है। आगे की रणनीति की कमान वसुंधरा के हाथ में आ सकती है। जिसके बाद बहुत कुछ उनके रुख पर निर्भर होगा।दूसरी राजस्थान के इस पूरे सियासी संकट से वसुंधरा इसलिए दूर रहीं, क्योंकि पार्टी आलाकमान ने उन्हें विश्वास में नहीं लिया। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ वसुंधरा के मतभेद जगजाहिर हैं। गहलोत सरकार गिरने की स्थिति में मुख्यमंत्री पद के लिए जिन नामों की चर्चा चल रही थी, उनमें वसुंधरा का नाम नहीं था। पायलट के साथ कम विधायक टूटने और गहलोत की आक्रामक रणनीति के चलते अभी भी यह साफ नहीं कि कांग्रेस सरकार गिर ही जाएगी। जिसके कारण भाजपा आलाकमान ने अपनी रणनीति बदल ली। राजनीतिक जानकार कहते हैं कि वसुंधरा की सक्रियता की वजह यह भी हो सकती है कि पार्टी आलाकमान ने उन्हें इशारा कर दिया हो कि गहलोत सरकार गिरने पर वे मुख्यमंत्री होंगी। प्रदेश के सियासी घमासान में क्या होगा, यह बहुत कुछ कोर्ट पर भी निर्भर है। 11 अगस्त को हाईकोर्ट में बसपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए विधायकों की सदस्यता को लेकर फैसला आ सकता है। इन 6 विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने पर अगर स्टे लगा तो गहलोत सरकार का संकट और बढ़ सकता है। चर्चा है कि ऐसी स्थिति में गहलोत खेमा कुछ भाजपा विधायक न तोड़ ले। इसको ध्यान में रखते हुए पार्टी ने कुछ विधायकों को गुजरात भेज दिया है। कहा जा रहा है कि भाजपा अपने विधायकों को अलग-अलग जगहों पर रखेगी। इसकी वजह पार्टी की गुटबंदी बताई जा रही है। फिलहाल, राजस्थान को तीन या चार हिस्सों में बांट कर उसी के अनुसार विधायकों के समूह बनाकर उन्हें अलग-अलग स्थान पर रखे जाने की योजना है।

कनाडा- आस्ट्रेलिया में कब कुचले जाएंगे खालिस्तानी

आर.के. सिन्हा

अब तक जो मोटा - मोटी कनाडा में हो रहा था, वह अब ऑस्ट्रेलिया में भी होने लगा है। इन दोनों ही देशों में खालिस्तानियों की भारत विरोधी हरकतें लगातार बढ़ रही हैं। ये लफंगे खालिस्तानी कनाडा और आस्ट्रेलिया में भारतीय नागरिकों के साथ मारपीट कर रहे हैं और हिन्दू मंदिरों पर पथराव करने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। चूंकि ये दोनों देश भारत के मित्र माने जाते हैं, इसलिए वहां पर हो रही घटनाएं हरेक भारतीयों के लिए चिंतित होना जरुरी है। कुछ भटके हुए नौजवान, जो अपने को खालिस्तानी कहते हैं, खुलकर भारत के खिलाफ मैदान में आ गए हैं। इन्होंने तिरंगा लेकर चल रहे भारतीयों पर आस्ट्रेलिया में हमला किया। वायरल वीडियो में कुछ लोग खालिस्तानी झंडा लहराते हुए नजर आ रहे हैं। कुछ भारतीय नागरिक अपने हाथों में तिरंगा लेकर आगे बढ़ रहे हैं, तभी खालिस्तानी उन पर हमला बोल देते हैं। उपद्रवियों के हाथ में लोहे की रॉडें थीं, जिससे वे देशभक्त हिंदुस्तानियों को मार रहे थे। ये खालिस्तानी अपने को सिख फॉर जस्टिस का मेंबर बता रहे थे। ये संगठन खालिस्तान की मांग करता है। पर हैरानी इस बात की है कि आस्ट्रेलियाई पुलिस खालिस्तानियों पर लगाम लगाने में अब तक तो नाकाम रही है। उसका निकम्मापन साफतौर पर दिखाई दिया। खालिस्तान समर्थक भारतीयों पर लाठियों से हमला करते रहे और वहां की काहिल पुलिस त्वरित एक्शन लेने में असफल रही। दरअसल खालिस्तान और कश्मीर का सपना देखने वाले कुछ मुट्ठीभर गुमराह लोगों को लगता है कि उनके ख्वाब पूरे हो जाएंगे। वे याद रख लें कि उनके सपने कभी भी साकार नहीं होंगे। भारत की 130 करोड़ जनसंख्या देश की एकता और अखंडता के सवाल पर एक है। इस संबंध में किसी तरह का समझौता देश स्वीकार नहीं करेगा। भारत अखंड रहेगा। इस बारे में अब कोई बहस नहीं हो सकती। आस्ट्रेलिया में अपने को खालिस्तानी कहने वाले हमारे प्यारे तिरंगे का भी अपमान-अनादर कर रहे थे। उनकी हरकत से सारा देश गुस्से में है। ये गिनती में बहुत थोड़े थे और नारेबाजी कर रहे थे। भारत सरकार अवश्य ही आस्ट्रेलिया और कनाडा की सरकारों के संपर्क में होगी। इन दोनों देशों की सरकारों से यह भी कहा गया होगा कि इन चिर असंतुष्ट तत्वों को कसा जाए। ये लातों के भूत बातों से नहीं, भरपेट मार खाने से ही संतुष्ट होंगे I ये भारत की एकता और अखंडता को ललकारने की असफल कोशिश कर रहे हैं। आपका किसी व्यक्ति या सरकार से विरोध हो सकता है। आप उसके खिलाफ आंदोलन या प्रदर्शन करने को स्वतंत्र हैं। यहाँ तक तो लोकतंत्र में हर नागरिक को अनुमति है पर, कोई भारतीय तिरंगे का अपमान नहीं सहेगा। तिरंगे में हरेक हिन्दुस्तानी की जान बसती है। खालिस्तानी आतंकियों ने पंजाब में हजारों बेगुनाह लोगों का खून बहाया है। इनकी वजह से हजारों बच्चे अनाथ और हजारों औरतें विधवा हो गईं। ये सारा देश जानता है। पर, ये याद रखें कि जब देश ने इन पर जवाबी हल्ला बोला था तो ये त्राहि-त्राहि कर रहे थे। बचे-खुचे कनाडा, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन वगैरह में चले गए थे। अगर बात कनाडा की करें तो वहां पर खालिस्तानी सबसे ज्यादा एक्टिव हैं। कनाडा में हिंदुओं के मंदिरों में भी तोड़फोड़ की गई है और भारत विरोधी चित्र बनाए गए हैं। कनाडा के ब्राम्पेटन प्रांत में यह घटना हाल ही में हुई है। जाहिर है, इस घटना से भारतीय समुदाय बहुत आहत है। ऑस्ट्रेलिया में भी हिंदू मंदिर पर हमला हुआ। उसमें भी खालिस्तान समर्थकों का हाथ माना जाता है। कनाडा में बार-बार इस तरह की निंदनीय घटनाएं हो रही हैं। जुलाई 2022 में कनाडा के रिचमंड हिल इलाके में एक विष्णु मंदिर में महात्मा गांधी की एक मूर्ति को खंडित कर दिया गया था। सितंबर 2022 में कनाडा के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को कथित खालिस्तानी तत्वों ने भारत विरोधी भित्ति चित्रों के साथ विकृत कर दिया था। हैरानी की बात है कि कनाडा की पुलिस बार-बार होने वाली इन घटनाओं को रोक पाने में बुरी तरह असफल हो चुकी है। उसका निकम्मापन सारी दुनिया के सामने है। इसके साथ ही कौन भूल सकता है कनिष्क विमान हादसे को। मांट्रियाल से नई दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के विमान कनिष्क को 23 जून 1985 को आयरिश हवाई क्षेत्र में उड़ते समय, 9,400 मीटर की ऊंचाई पर, बम से उड़ा दिया गया था और वह अटलांटिक महासागर में गिर गया था। इस आतंकी हमले में 329 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे। कनाडा में जिस तरह से भारत विरोधी घटनाएं घटित होती रही हैं उससे साफ है कि वहां भारत विरोधी ताकतें सरकार के हाथ से निकल चुकी हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो नकारा साबित हुए हैं। ये वही हैं जो भारत में चले कथित किसानों के आंदोलन का समर्थन कर रहे थे। तब ट्रूडो कह रहे थे कि कनाडा दुनिया में कहीं भी किसानों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों की रक्षा के लिए खड़ा रहेगा। पर ट्रूडो को यह याद नहीं रहा कि उनके देश में भारत विरोधी तत्व खुलकर अपनी गतिविधियों को चला रहे हैं।

राजनीति में कलाओं की बला

रेखा शाह आरबी

राजनीति भी अजीब चीज है जो एक बार पद,पैसा ,पावर के मोह माया के दलदल में फंस गया ,समझो ईमान उसका गड्ढे में धस गया बिना झूठ बोले राजनीति नहीं हो सकती और सच बोल कर औरों की नीति बिगाड़ने का जोखिम लेना कई बार अपने लिए भी खतरनाक है। और जिसने एक बार राजनीति की सुख सुविधा ऐश आराम का उपयोग कर लिया वह कुछ और करने लायक बचता ही नहीं है वह चाहे पूरी दुनिया घूम ले, फिर अटक-पटक -भटककर राजनीति के ड्योढ़ी पर ही आकर धरना देता है ...ठीक भी है राजनीति में सत्तानसीन होने का जो सुख है वह सुख पाने के लिए और क्षेत्रो मे घोर परिश्रम, तप, त्याग ,तपस्या करना पड़ता है तब पद पावर का उपहार मिलता है । साधारण मनुष्य को सिर्फ पांच कलाएं आती है है श्रेष्ठ मनुष्य को आठ कलाएं आती है पर राजनीति के धुरंधरों को कितनी कलाएं आती है खुद वह व्यक्ति भी नहीं जानता उसकी कलाएं चंद्रमा की सोलह कलाओं से भी भारी होती है राजनीतिज्ञों की कलाओं में से कुछ कलाओं का निम्नलिखित ब्यौरा और व्याख्या देखिए-- सबसे पहली है टिके रहने की कला ... राजनीति का प्रसाद मिलता है लेकिन उसके लिए जरूरी है कि या तो आपके पूर्वज राजनीति के धरोहर हो.. यदि नहीं है तो आपके टिके रहने की कला से ही कुछ मिल सकता है वैसे तो राजनीति में थोड़ी कुछ कलाऐ होने के बाद मिल जाता है लेकिन राजनीति के सारे सुख साधन भोगने के लिए जरूरी है उसमें टिके रहने की कला.. यदि आपने एक बार राजनीति में टिके रहने की कला सीख लिए तो फिर दुनिया की सारी कलाओं के ऊपर यह कला भारी पड़ जाती है। वाणी सम्मोहन की कला.. यह एक अद्भुत कला होती है जो लोगों को सम्मोहित करने के काम आती है व्यक्ति चाहे सत्य बोले या मिथ्या भाषण करें उसके बोलने में वह कला होती है कि सुनने वाला सम्मोहित हो जाए उस पर वारा जाऐ , हर राजनीतिज्ञ के पास इसका भरपूर खजाना होता है जिसे वह जनता पर जब तक लूट आता रहता है और जनता लूट लूट कर सम्मोहित होती रहती है। लीलाधारी... चंद्रमा की सोलह कलाओं में एक कला होती है 'लीलाधारी' होना.. चंद्रमा के संदर्भ में तो इसका भाव अलग है पर राजनीति में इसका भाव और प्रभाव बहुत ही अलग है राजनीति की लीला का एक अपनी ही लीला है और वह समय अनुसार ,पात्र अनुसार लीला करता रहता है जिसका प्रभाव विपक्षी पर पड़ता है कि वह बिना रंग रोगनी त्योहार के ही लाल पीला हो जाता है। विनम्रता... विनम्रता तो राजनीति का मुख्य हथियार है विनम्रता तो राजनीति में इतनी होती है कि वह आपका गला भी काट लेंगे आप को सिसकने भी नहीं देते हैं राजनीति में प्यार से ही एक दूसरे का गला काटा जाता है कोई तलवार लेकर सामने से किसी का गला नहीं काटता है। जो जितना विनम्र है उतना प्रभावशाली है।

सत्य धारणा ... सत्य धारणा कठिन से कठिन परिस्थिति में भी राजनीतिक से सत्य वचन की अपेक्षा करना एक घोर पाप ही होता है राजनीति और सत्य भाषण का बहुत ही विपरीत संबंध है। कभी-कभी भूला भटका कोई प्राणी राजनीति के क्षेत्र में आ जाता है और उसे सत्य वाचन की बीमारी होती है तो उसे बहुत जल्द ही राजनीति का त्याग करके वापस अपने क्षेत्र में लौटना पड़ जाता है।

टी-शर्ट पावर है, जान न्योछावर है !

सुनील कुमार महला

टी-शर्ट बड़े कमाल की चीज है। आज मीडिया में टी-शर्ट है। घर-घर में टी-शर्ट है। बच्चें हों या जवान, बुजुर्ग आज सभी टी-शर्ट के दीवाने हैं। टी-शर्ट बला नहीं, जिंदगी का सिलसिला है। टी-शर्ट राजनीति चमकाने का तड़का है।सर्दी हो या गर्मी, बारिश हो या कोई भी मौसम, टी-शर्ट पर्सनैलिटी निखारने का फड़का है। अजी ! यह तो देश के विकास का एक जरूरी एलीमेंट है। तोताराम जी कहते हैं कि उन्हें बचपन से ही टी-शर्ट पसंद है। उनका मानना है कि टी-शर्ट देश के विकास में अहम योगदान देती है। कपड़े की ठीक-ठाक बचत होती है। बचत से वित्तीय नियंत्रण होता है, और योजना बनाने में मदद मिलती है। टी-शर्ट नहीं होती तो मंदी का खतरा बढ़ जाता। पाकिस्तान और श्रीलंका आजकल मंदी से इसीलिए जूझ रहे हैं, क्योंकि वहाँ के लोग टी-शर्ट को बहुत अधिक महत्व नहीं देते। पाकिस्तान के लोग आज टी-शर्ट पहनते तो वहाँ आज आटे की किल्लत नहीं होती और मंत्रीजी को आटे की भीख मांगने के लिए जेनेवा का दौरा नहीं करना पड़ता। फ्लाइट के सारे पैसों से बचत होती। टी-शर्ट का सीधा संबंध देश की अर्थव्यवस्था से होता है। यह देश का कपड़े के रूप में बना एक शानदार विकास-पत्र है, जिसकी चर्चा देश -विदेश में यत्र-तत्र है। टी-शर्ट से ही सांख्यिकी संगठन के आंकड़े आज मजबूत हो रहे हैं। यदि टी-शर्ट नहीं होती तो सांख्यिकी संगठन को विकास की मंजिल कैसे हासिल होती। यह टी-शर्ट ही है जिसके कारण उत्पादक क्षेत्रों में नई पूंजी का निर्माण हो रहा है।

टी-शर्ट ही राजनीति को चमकाती है। टी-शर्ट देश को फेविकोल से भी ज्यादा सशक्त रूप से जोड़ने में सक्षम है। अजी ! टी-शर्ट के फायदे ही फायदे हैं। आजकल रिंकल फ्री टी-शर्ट बाजार में खूब आतीं हैं। टी-शर्ट को प्रेस(इस्त्री) करने की जरूरत नहीं पड़ती और इस प्रकार से टी-शर्ट ऊर्जा बचत में अपना अभूतपूर्व योगदान दे रही है। अन्य कपड़ों को धोने-सुखाने का बड़ा झंझट है।आजकल ठंड में वाशिंग मशीन का उपयोग करना पड़ रहा है। शहरों में तो कपड़े तक सूखाने के लिए जगह नहीं बची है, ऐसे में टी-शर्ट रामबाण सिद्ध हो रही है। धोने-धुलाने में साबुन की भी अच्छी खासी बचत हो रही है। कुल मिलाकर, टी-शर्ट बचत का पर्याय है। अजी ! टी-शर्ट में स्टाइल है। यह कैजुअल वियर है, जो सभी को अति डियर है। टी-शर्ट आदमी को हमेशा गतिशील और तरोताज़ा रखती है। इसे पहनने से राजनीति के साथ ही मीडिया भी गतिशील रहता है। प्रदूषण के बीच शरीर को बढ़िया वेंटीलेशन प्रदान करती है।

फाल्गुन मास का महत्व

फाल्गुन मास 2023 का धार्मिक महत्व

फाल्गुन मास में भगवान शिव और भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। क्योंकि इस मास में भगवान शिव को समर्पित महाशिवरात्रि और भगवान विष्णु से संबंधित आमलकी एकादशी का व्रत रखा जाता है।

हिंदू धर्म में फाल्गुन मास का विशेष महत्व है। क्योंकि इस मास में महाशिवरात्रि होली जैसे बड़े व्रत त्योहार पड़ते हैं। इस माह में विष्णु जी और शिव जी की पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। जानिए फाल्गुन मास की तिथि और इसका महत्व।

वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास 12वां माह माना जाता है। वहीं अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार फरवरी और मार्च माह में फाल्गुन मास पड़ता है। हिंदू धर्म में फाल्गुन मास का विशेष महत्व है। क्योंकि इस मास में भगवान शिव का विशेष दिन महाशिवरात्रि पड़ती है। इसके साथ ही इस मास में रंगों का पर्व होली भी पड़ती है। बता दें कि इस मास की शुरुआत 6 फरवरी 2023, सोमवार से हो रही है और समाप्ति 7 मार्च 2023, मंगलवार को हो रही है। जानिए फाल्गुन मास का आध्यात्मिक महत्व।

फाल्गुन मास में होती है इन देवी-देवता की पूजा

फाल्गुन मास में भगवान शंकर के अलावा माता सीता, श्री कृष्ण, मां लक्ष्मी और चंद्र देव की पूजा करने का विधान है। माना जाता है कि इस मास में इन देवी-देवता की पूजा करने से हर कष्ट से छुटकारा मिल जाता है और सुख-समृद्धि, धन-ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

फाल्गुन मास में दान का महत्व

माघ मास की तरह फाल्गुन मास में भी दान का विशेष महत्व है। इस माह में जरूरतमंदों की अपनी योग्यता के अनुसार शुद्ध घी, सरसों का तेल, मौसमी फल, अनाज, वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। ऐसा करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही पितरों का निमित्त तर्पण करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

फाल्गुन मास में पड़ने वाले प्रमुख व्रत त्योहार

17 फरवरी 2023 शुक्रवार- विजया एकादशी
18 फरवरी 2023 शनिवार- महाशिवरात्रि, मासिक शिवरात्रि, प्रदोष व्रत, शनि त्रयोदशी
20 फरवरी 2023 सोमवार- फाल्गुन अमावस्या, सोमवती अमावस्या
21 फरवरी, मंगलवार- फुलैरा दूज, 3 मार्च 2023, शुक्रवार- आमलकी एकादशी
7 मार्च 2023, मंगलवार- होलिका दहन , 8 मार्च 2023, बुधवार- होली

मन रहता है अशांत, तो हर सुबह करें इस चमत्कारी मंत्र का जाप

हर परेशानी को दूर करने का सबसे उत्तम और सरल उपाय ईश्वर आराधना को माना गया है मान्यता है कि रोजाना देवी देवताओं की भक्ति भाव से पूजा आराधना करने से साधक पर ईश्वर कृपा बनी रहती है जिससे उसके जीवन के कष्टों में कमी आती है वही ऐसे में अगर आप किसी बात को लेकर परेशान रहते है या फिर आपके आस पास तनाव का माहौल है या फिर नकारात्मक विचार मन को अशांत कर रहे है तो ऐसे में ईश्वर वंदना उत्तम मार्ग है।

हिंदू धर्म में भगवान की पूजा आराधना के कई तरीके बताए गए है जिसमें से एक है मंत्र जाप, अगर आप दुखों से घिर चुके है और मन व मस्तिष्क हमेशा अशांत रहता है तो ऐसी स्थिति में कुछ चमत्कारी मंत्रों का जाप करना लाभकारी रहेगा, तो आज हम आपको उन्हीं के बारे में बता रहे है तो आइए जानते है।

अगर आप शारीरिक और मानसिक परेशानियों से छुटकारा पाना चाहते है तो इसके लिए रोजाना सुबह उठकर किसी साफ व शुद्ध स्थान पर जाकर बैठे और ओम मंत्र का उच्चारण करें मान्यता है कि ऐसा करने से आपके आस पास की सारी नकारात्मक शक्ति दूर हो जाएगी और सकारात्मकता का संचार बना रहेगा। जिससे मन और मस्तिष्क में शुद्ध व शांत रहेगा और जीवन की सभी परेशानियां भी दूर हो जाएंगी।

मान्यता है कि ओम मंत्र का जाप करने से शरीर में वाइब्रेशन होता है वह आपके हृदय और हृदय की गति को स्वस्थ्य रखने में मदद करता है साथ ही नकारात्मकता को भी समाप्त कर देता है। इस मंत्र के जाप के समय अपने शरीर को सीधा रखें और ध्यान मुद्रा में बैठकर रीढ़ की हड्डी को एकदम सीधा रखें मान्यता है कि इस मुद्रा में ओम का जाप करने से गजब के फायदे होते है और शरीर से सकारात्मकता उत्पन्न होती है।

सूर्य-शनि की युति इन राशियों पर बरपाएगा कहर!

13 फरवरी को शनि और सूर्य की युति कुंभ राशि में होगी, जिससे एक अशुभ योग बनेगा। गोचर में सूर्य-शनि की युति भी एक बड़ी घटना है जो सभी 12 राशियों को प्रभावित करती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस दौरान कुछ राशि के जातकों पर बुरा प्रभाव देखने को मिलेगा। आइए जानते हैं कौन सी हैं वो राशियां।

1. कर्क

गणेशजी कहते हैं कि कर्क राशि वालों के लिए सूर्य और शनि दोनों ही मारकेश हैं। दोनों ग्रहों की युति कर्क राशि के जातकों की मानी जाती है। दोनों ग्रहों का संयुक्त प्रभाव आपके धन पर रहेगा। इस समय शनि ढैय्या का फल देने वाले होंगे। इस युति के कारण कर्क राशि के जातकों को चोट लग सकती है। आपको संभलकर गाड़ी चलानी होगी। इस समय आपको अपनी वाणी मधुर रखने की सलाह दी जाती है। व्यापार करने वाले जातकों को पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतनी होगी। इस दौरान कार्यक्षेत्र में आपके कनिष्ठ या वरिष्ठ से संबंध बिगड़ सकते हैं, इसलिए वाद-विवाद से बचें।

2. सिंह

गणेशजी कहते हैं कि सिंह राशि के जातकों के लिए दोनों ग्रहों की युति वैवाहिक जीवन और पार्टनरशिप के लिए मानी जाती है। दोनों ग्रहों का संयुक्त प्रभाव अब आपके लग्न पर ही पड़ने वाला है। इस युति से आपके वैवाहिक जीवन में कुछ तनाव देखने को मिल सकता है। इस समय आपमें अहंकार और अहंकार की प्रवृत्ति देखी जा सकती है। इस समय आपको अपनी सेहत का भी पूरा ध्यान रखना होगा। यदि आप कोई नया काम शुरू करने जा रहे हैं तो उसे फिलहाल के लिए टाल देना ही उचित रहेगा।

3. वृश्चिक

गणेशजी कहते हैं कि वृश्चिक राशि के जातकों के लिए सूर्य और शनि दोनों ग्रहों की युति के कारण जातक के मानसिक बल और शारीरिक सुख का विचार किया जाता है। ऐसे में इस समय आपको माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। साथ ही शनि की ढैय्या भी इस समय आप पर चल रही है। इसलिए आपको मानसिक परेशानी हो सकती है। इस दौरान आपको व्यापार में घाटा भी हो सकता है। इस समय कार्यस्थल पर वरिष्ठों से संबंध कुछ अच्छे नहीं रहेंगे।

4. मकर

गणेशजी कहते हैं कि मकर राशि के लिए अब दोनों ग्रहों की युति दूसरे भाव में होने जा रही है। इस भाव से व्यक्ति की वाणी और संचित धन का विचार किया जाता है। इस समय आपको अपनी वाणी के प्रभाव से प्रसिद्धि मिलेगी। किसी कंपनी में किया गया निवेश धन में वृद्धि करेगा। पारिवारिक विवाद से इस समय आपको बचना होगा। इस समय आपको संभलकर वाहन चलाने की सलाह दी जाती है। समाज में सम्मान बढ़ा। साथ ही परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

5. कुंभ

गणेशजी कहते हैं कि सूर्य और शनि की युति भी कुंभ राशि के जातकों के लिए कुछ समस्याएं पैदा कर सकती है। क्योंकि दोनों ग्रह इसी राशि में मिल रहे हैं। ऐसे में इस राशि के जातकों के जीवन पर सबसे ज्यादा नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसलिए हर काम थोड़ी सोच समझ कर करें। इस समय जो जातक नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं उन्हें अभी और इंतजार करना पड़ेगा। इस समय आपको अपनी सेहत का भी ध्यान रखना होगा। दांपत्य जीवन में इस समय तनाव रह सकता है इसलिए आपको अपने पार्टनर की भावनाओं को समझना चाहिए ।

6. मीन

गणेश जी कहते हैं कि दोनों ग्रहों की युति मीन राशि के जातकों के लिए व्यय, विदेश, एकांत और कारावास का विचार करती है। इस समय आपको विदेश मामलों में सफलता मिलती हुई नजर आ रही है। जो लोग विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं उन्हें सफलता मिलेगी। इस गोचर के कारण आपको कोई बड़ी और अच्छी नौकरी का ऑफर भी मिल सकता है। हालांकि इस समय आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा।

पांच रुपए के सिक्के का ये टोटका आपको रातोंरात बनाएगा अमीर

हर व्यक्ति धनवान बनने की इच्छा रखता है इसके लिए वह कड़ी मेहनत के साथ साथ खूब प्रयास भी करता है लेकिन फिर भी अगर आपको धन दौलत की प्राप्ति नहीं हो रही है और आर्थिक तंगी व परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो ऐसे में कुछ उपायों को आजमाना बेहतर रहेगा।

ज्योतिषशास्त्र में कुछ ऐसे अचूक उपायों के बारे में बताया गया है जिन्हें करने से व्यक्ति रातोंरात धनवान बन सकता है और आर्थिक संकट को अपने जीवन से समाप्त कर सकता है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा पांच रुपए के सिक्के से जुड़ा अचूक टोटका बता रहे है तो आइए जानते है।

कर लें ये अचूक टोटका–

अगर आप धनवान होने का सपना देख रहे है, या फिर आर्थिक परेशानियों से छुटकारा पाना चाहते है तो घर के पूजन स्थल पर अक्षत

या दूर्वा से भरे एक कलश की विधिवत स्थापना करें और इस कलश में पांच रुपए का सिक्का रख दें। फिर रोजाना नियम से इस कलश की पूजा करें मान्यता है कि इस उपाय को करने से धन की कमी दूर हो जाती है और देवी लक्ष्मी की कृपा से धन के भंडार घर में भर जाते है। वही अगर आप माता लक्ष्मी की विशेष कृपा पाना चाहते हे तो पांच रुपए का सिक्का लेकर उस पर सिंदूर से अपने नाम का पहला अक्षर लिख दें। अब इस सिक्के को छत पर यानी पानी की टंकी के पास रख दें और रातभर इस सिक्के को उसी जगह पर पड़ा रहने दें। फिर अगली सुबह इस सिक्के को घर के मंदिर में रख दें इसके बाद माता लक्ष्मी का आह्वान करते हुए लाल वस्त्र में सिक्के को बांध लें और इसे अपने पर्स या फिर धन रखने वाली किसी सुरक्षित जगह पर रखें दें। मान्यता है कि इस उपाय को अगर विधि अनुसार किया जाए तो जातक को लाभ जरूर प्राप्त होगा।

घर पर करें श्रीयंत्र की स्थापना लक्ष्मी कृपा से खींचा चला आएगा पैसा

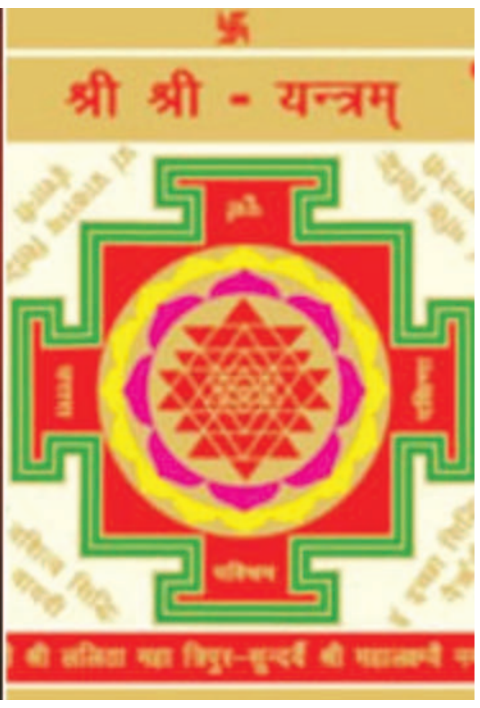

लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। जिन घरों में श्रीयंत्र स्थापित होता है और उसकी विधिपूर्वक पूजा की जाती है, वहां पर माता लक्ष्मी का वास होता है। उस परिवार में आर्थिक तंगी नहीं रहती है। वहां पर आय के स्रोत बढ़ते हैं, जिससे धन लाभ होता है। धन की आवक बनी रहती है। शुक्रवार या फिर प्रत्येक दिन श्रीयंत्र की पूजा और दर्शन करना चाहिए। तिरुपति के ज्योतिषाचार्य डॉ। कृष्ण कुमार भार्गव से जानते हैं श्रीयंत्र के महत्व और स्थापना से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों के बारे में।

कब करें श्रीयंत्र की स्थापना

यदि आपको अपने घर में श्रीयंत्र की स्थापना करनी है तो आप शुक्रवार के दिन कर सकते हैं। इसके अलावा आप श्रीयंत्र की स्थापना अक्षय तृतीया, धनतेरस, दिवाली या फिर माता महालक्ष्मी के व्रत वाले दिन भी कर सकते हैं।

कैसे करें श्रीयंत्र स्थापित

श्रीयंत्र की स्थापना आप चाहें तो किसी योग्य पंडित से पूजन कराकर करें या फिर स्वयं श्रीयंत्र की पूजा के साथ करें। इसके लिए आप श्रीयंत्र की पूजा फूल, अक्षत, रोली, चंदन, दीप आदि से कर लें। साथ ही माता लक्ष्मी की भी विधिपूर्वक पूजा करें।

कहां पर करें श्रीयंत्र की स्थापना

श्रीयंत्र की स्थापना आप पूजा घर, तिजोरी या फिर जहां पर आपका धन स्थान है, वहां पर इसकी स्थापना करा सकते हैं।

श्रीयंत्र की करें प्रतिदिन पूजा

श्रीयंत्र की स्थापना के बाद उसका पूजन हर दिन करना चाहिए। श्रीयंत्र की पूजा करने और उसका दर्शन करने से कई प्रकार के अशुभ योग खत्म हो जाते हैं, दुर्भाग्य भी दूर हो जाता है।

श्रीयंत्र का महत्व

1. श्रीयंत्र की पूजा करने से धन, वैभव, सुख, समृद्धि में बढ़ोत्तरी होती है।
2. श्रीयंत्र और माता लक्ष्मी की पूजा करने से धन की कमी नहीं रहती है। धन का प्रवाह बना रहता है।
3. श्रीयंत्र पर माता लक्ष्मी की कृपा होता है, जिससे अष्टलक्ष्मी की प्राप्ति होती है। इससे आपको कार्यों में सफलता, ज्ञान, शक्ति आदि प्राप्त होता है।
4. शुक्रवार के दिन श्री यंत्र की पूजा के बाद महालक्ष्मी मंत्र ओम श्रीं क्लीं महालक्ष्मी महालक्ष्मी एह्येहि सर्व सौभाग्यं देहि मे स्वाहा। का कम से कम 108 बार जाप करना चाहिए। इससे आपकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।
5. श्रीयंत्र की पूजा के साथ ओम श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ओम महालक्ष्मी नमः मंत्र का जाप कमलगट्टे की माला से करें। यह मंत्र भी सुख और समृद्धि को बढ़ाने वाला है।

पठान को री-सेंसर करना गलत फैसला; प्रसून जोशी पर भड़के रईस डायरेक्टर राहुल ढोलकिया

फिल्म निर्माता राहुल ढोलकिया, जिनके पास सेंसरशिप और अभिनेता शाहरुख खान के साथ काम करने का अनुभव है, ने सुपरस्टार की फिल्म 'पठान' की रिलीज से पहले हुए विवाद के बारे में बात की। राहुल ने फिल्म 'रईस' को डायरेक्ट किया था, जिसमें शाहरुख ही मुख्य किरदार में थे।

'पठान' भले ही इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही हो, लेकिन इसकी रिलीज से पहले देशभर में इसका जमकर विरोध हो रहा था। कई हिंदू संगठनों ने फिल्म को बैन करवाने की धमकी दी थी, वहीं सोशल मीडिया पर भी इसके लिए बायकॉट ट्रेंड चलाया जा रहा था। फिल्म के गाने 'बेशर्म रंग' में दीपिका पादुकोण की बिकिनी पर जमकर बवाल हुआ था। जिसके बाद फिल्म में सेंसर बोर्ड द्वारा कुछ बदलाव करने के सुझाव दिए गए थे। सीबीएफसी अध्यक्ष प्रसून जोशी ने वाईआरएफ को सुझाव दिए, जिसके बाद फिल्म के कुछ सीन से लेकर कई डायलॉग में बदलाव हुए। अब इसे लेकर राहुल ढोलकिया ने कहा,"दर्शकों की संवेदनाओं और रचनात्मक अभिव्यक्तियों के बीच सही संतुलन बनाना सीबीएफसी के लिए हमेशा एक कठिन काम रहा है और हम फिल्म 'पठान' के सर्टिफिकेशन में भी इस भावना पर खरे उतरे हैं।"

फिल्म को री-सेंसर करना गलत

उन्होंने आगे कहा,"यदि आप उन लोगों की संख्या को देखते हैं जो इसे देखने गए हैं, तो मैं जानना चाहता हूं कि वे किस नैतिकता समूह की बात कर रहे थे। क्योंकि 'जनता चाहती है कि इसे सेंसर किया जाए' का यह पूरा विचार बकवास है। जनता यह नहीं चाहती। आप यह चाहते हैं। जनता इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में आई है।" फिल्म 'पठान' 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। जिसने ओपनिंग डे पर ही 57 करोड़ का बिजनेस किया। अब तक फिल्म को रिलीज हुए 10 दिन पूरे हो चुके हैं और फिल्म का बिजनेस 725 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुका है।

'हम सलमान जितने बड़े स्टार नहीं बन पाए'

अरबाज ने पिता सलीम खान से कहा- लोग जब सलमान से हमारी तुलना करते हैं, आपको कैसा लगता है

अरबाज खान ने एक नया चैट शो लॉन्च किया है। उन्होंने इस शो में अपने पिता सलीम खान को पहले गेस्ट के रूप में इनवाइट किया। इस दौरान अरबाज ने पिता सलीम से पूछा कि सलमान की तुलना में वो और सोहेल ज्यादा सफल नहीं हो पाए, इस बारे में जब लोग बात करते हैं तो उन्हें कैसा लगता है।

जवाब में सलीम खान ने कहा कि सलमान के अलावा सभी बच्चे भी उतनी ही मेहनत करते हैं। आज भले ही वो सलमान जितने सफल नहीं हो पाए लेकिन कम से कम वो मेहनत करना जारी रखते हैं।

अरबाज ने पिता सलीम से बात करते हुए कहा, 'सलमान एक अचीवर हैं और दुनिया के नजरों में काफी बड़े स्टार हैं। हम उनकी तुलना में उतने सफल नहीं हो पाए। जब आपके कान तक ये बात आती है तो क्या आप निराश होते हैं।'

जवाब में सलीम खान ने कहा, 'जब मैं सबकी मेहनत देखता हूं तो मुझे लगता है कि वो भी कोशिश तो कर ही रहे हैं। मैं बहुत आशावादी आदमी हूं, मुझे लगता है कि सबके लिए कुछ न कुछ अच्छा जरूर होगा ही। मुझे इस बात की तसल्ली होती है कि कम से कम वो अपना समय तो बर्बाद नहीं कर रहे हैं।'

आप जितने विनम्र रहेंगे उतने सफल होंगे-सलीम

अरबाज ने पिता सलीम से सक्सेस और फेलियर को हैंडल कैसे करें, इस संबंध में सलाह मांगी। उन्होंने कहा कि जब लोग असफल हो जाते हैं तो इससे निकलने की राह ढूंढते हैं, लेकिन जब वो सफल होते हैं तो वो सफलता उनके सिर पर चढ़ जाती है जो आगे चलकर उनकी बर्बादी का कारण बनता है। सलीम ने इसके जवाब में कहा कि आप जितने विनम्र रहेंगे आपके सफल होने के उतने चांसेस बनेंगे। एक व्यक्ति को कभी अपने जड़ो को नहीं भूलना चाहिए।

सभी भाइयों में सबसे बड़े हैं सलमान

सलीम खान और सलमा खान के चार बच्चे हैं। सलमान खान अपने सभी भाइयों में सबसे बड़े हैं। सलमान के बाद अरबाज और सबसे छोटे सोहेल खान हैं। इसके बाद अलवीरा और अर्पिता दो बहनें भी हैं। अर्पिता को सलीम खान ने गोद लिया था।

फिल्म इंडस्ट्री के लीजेंड्री राइटर रहे हैं सलीम खान

सलीम खान ने अपने करियर में कई फिल्में लिखी है। सलीम और जावेद अख्तर की जोड़ी को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे प्रभावशाली लेखकों में गिना जाता है। अमिताभ बच्चन को सुपरस्टार बनाने में इन दोनों की अहम भूमिका है। इनकी लिखी फिल्मों की वजह से अमिताभ काफी पॉपुलर हुए थे।

जंजीर और शोले जैसी फिल्मों का लेखन सलीम जावेद की ही जोड़ी ने किया था। जंजीर के बारे में कहा जाता था कि सलीम-जावेद की सिफारिश के बाद ही प्रकाश मेहरा ने अमिताभ को इस फिल्म के लिए कास्ट किया था।

अपनी सीरीज 'तनाव' से चर्चा में थे अरबाज

अरबाज ने 1996 में फिल्म दराज से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने प्यार किया तो डरना क्या, कयामत, गर्व और मालामाल वीकली जैसी कई फिल्मों में अहम रोल निभाया है। उन्होंने दबंग और दबंग 2 जैसी फिल्मों में बतौर एक्टर और प्रोड्यूसर काम किया है। पिछले साल उनकी वेब सीरीज तनाव आई थी जो कश्मीर के बैकग्राउंड पर बेस्ड है।

राखी के 'फ्रिज में नहीं जाना' वाले बयान पर आया आदिल का रिएक्शन, बोले-मुझे भी सुशांत सिंह राजपूत नहीं बनना

राखी सावंत ने हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड आदिल दुर्रानी संग अपनी शादी का खुलासा किया था। मगर कुछ दिनों बाद ही उनके रिश्ते में खटास आ गई। ये बात राखी सावंत आए दिन मीडिया के सामने बता रही हैं। उनका कहना है कि आदिल ने उन्हें धोखा दिया है और उनकी शादी खतरे में है। कई दिनों तक राखी के आरोपों पर चुप्पी साधे रहने के बाद आदिल दुर्रानी ने खुलकर अपना पक्ष सामने रखा। जिसके बाद राखी सावंत का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रही हैं कि आदिल उनके पास वापस आ गए हैं।

राखी ने लगाए थे ये आरोप

दरअसल कुछ दिनों पहले राखी ने आदिल पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। राखी ने कहा था कि आदिल का किसी लड़की के साथ अफेयर है, इसलिए उन्होंने शादी को छिपाने के लिए कहा। राखी ने ये भी कहा कि उन्होंने आदिल को 1 बार नहीं 10 बार मौके दिए, लेकिन वह उनके साथ लॉयल नहीं हैं। राखी ने कहा,"आप लोग कहते हैं घर की बात घर में रखो, लेकिन मुझे फ्रिज में नहीं जाना है।" याद दिला दें कि फ्रिज में रखे जाने वाली बात दिल्ली में हुए श्रद्धा वाकर मर्डर केस के संदर्भ में कही गई थी। जिसमें उनसे मुस्लिम लिव इन पार्टनर ने उसके शरीर के कई टुकड़े कर के फ्रिज में रखा था।

राखी के आरोपों पर आदिल का जवाब

इसके बाद भी राखी रोजाना मीडिया को कई बयान दे रही हैं। आखिरकार आदिल दुर्रानी ने भी सोशल मीडिया का सहारा लेते हुए अपनी बात रखी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने लिखा,"अगर मैं किसी औरत के बारे में पलटकर कुछ नहीं बोलता तो मैं गलत हूं। ये सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं अपने धर्म का सम्मान करता हूं और मैंने औरतों की इज्जत करना सीखा है।"

आदिल ने आगे लिखा,"जिस दिन मैंने अपना मुंह खोल दिया और बोला कि मैं किस हालात से गुजर रहा हूं और वह मेरे साथ क्या कर रही है, उसके बाद वह अपना मुंह नहीं खोल पाएगी। तो इसलिए वह रोज आती है और लोगों को बताती है कि आदिल बुरा है,बुरा है, बुरा है। जब वह कह सकती है कि मुझे फ्रिज में नहीं जाना, मैं भी कह सकता हूं मुझे सुशांत सिंह राजपूत नहीं बनना।"

इसके अलावा आदिल ने ये भी लिखा कि उनके जैसा लड़का हर वक्त राखी के साथ खड़ा रहा, उन्हें अच्छा लाइफस्टाइल दिया अब वह कह रही हैं कि वह मुंबई एक रुपये भी लेकर नहीं आए थे। आदिल ने कहा कि राखी मीडिया से उन्हें कवर करने के लिए इसलिए मना कर रही हैं क्योंकि वह डरती हैं कि आदिल आकर सब सच बता सकते हैं।

टीवी एक्ट्रेस उर्वशी ढोलकिया की कार का हुआ एक्सीडेंट, कार को स्कूल बस ने मारी टक्कर

टीवी एक्ट्रेस उर्वशी ढोलकिया को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। एक्ट्रेस हाल ही में एक बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बची हैं। खबर है कि शनिवार को उर्वशी फिल्म स्टूडियो में शूटिंग के लिए जा रही थीं। इसी दौरान एक स्कूल बस ने उनकी कार को पीछे से टक्कर मार दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक टक्कर काफी जबरजस्त थी।

हालांकि कार और स्कूल बस की टक्कर में एक्ट्रेस को गंभीर चोट नहीं आई है और वह सुरक्षित हैं। फिलहाल, उर्वशी ने पुलिस स्टेशन में स्कूल बस ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज नहीं करवाया है। एक्ट्रेस का कहना है कि यह मात्र एक दुर्घटना थी। फैन्स को चिंता करने की जरूरत नहीं है। डॉक्टर ने उन्हें कुछ दिन आराम करने की सलाह दी है।

उर्वशी की कार का हुआ एक्सीडेंट

जानकारी के मुताबिक एक्ट्रेस शो की शूटिंग के लिए अपनी कार में बैठकर मुंबई के मीरा रोड फिल्म स्टूडियो की तरफ जा रही थीं। इसी बीच काशिमीरा इलाके में बच्चों से भरी एक स्कूल बस ने पीछे से आकर उर्वशी ढोलकिया की कार को टक्कर मार दी। एक्ट्रेस ने जानकारी दी है कि चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैं ठीक हूं।

बता दें कि उर्वशी ढोलकिया टीवी जगत का जाना माना नाम हैं। उन्होंने टीवी में ज्यादातर विलेन का रोल निभाया है, उन्होंने कसौटी जिंदगी की में कोमोलिका का रोल निभाया था। इस सीरियल से एक्ट्रेस को घर-घर में पहचान मिली थी। इस शो में उनके अभिनय के सा थ - सा थ उनका मेकअप और ड्रेसिंग सेंस भी खू ब च र्चा में रहा था।

एक्ट्रेस ने 'नागिन 6' और 'चंद्रकांता' जैसे कई टीवी शो में भी शानदार अभिनय कर चुकी हैं। इसके साथ ही उर्वशी टीवी के सबसे चर्चित शो बिग बॉस के सीजन 6 की विजेता रह चुकी हैं। बता दें कि उर्वशी अपने प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहीं। कहा जाता है कि एक्ट्रेस ने महज 16 की उम्र में शादी कर ली थी और जब वह 1 7 साल की थी त ब उन्होंने दो जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था।

मुझे शादीशुदा औरतों में कोई दिलचस्पी नहीं है : चाहत खन्ना के आरोपों पर सुकेश ने कहा- वो एक प्रोफेशनल झूठी और गोल्ड डिगर है

चाहत खन्ना ने कुछ दिन पहले एक स्टेटमेंट में कहा था कि 2018 में उन्हें सुकेश से मिलने के लिए तिहाड़ जेल में धोखे से ले जाया गया था। तिहाड़ जेल में बंद ठग सुकेश ने जेल से फिर एक लेटर लिखा है। इसमें उसने लिखा, 'मुझे उन औरतों में कोई दिलचस्पी नहीं है जो पहले से शादीशुदा हैं या जिनके बच्चे हैं। मैं चाहत खन्ना जैसा गोल्ड डिगर (पैसे के लिए रिश्ते रखने वाली) नहीं हूं। चाहत और निक्की तंबोली से मेरा संबंध सिर्फ प्रोफेशनल वजहों से है।'

दरअसल, चाहत ने कुछ दिन पहले कहा था कि सुकेश ने उन्हें धोखे से जेल में मिलने बुलाया था और घुटनों के बल बैठकर प्रपोज भी किया था। सुकेश ने चा ह त के सभी आरोपों को बेबुनियाद ब ता या । उसने कहा कि चाहत से उ स की मु ला का त बस एक प्रोफेशनल मीटिंग के तौर पर हुई थी। चा ह त 10 साल की छोटी ब च्चा नहीं हैं सुकेश ने चाहत के उस बयान को भी खारिज किया जिसमें चाहत ने कहा था कि उन्हें धोखे से तिहाड़ जेल लाया गया था। सुकेश ने लिखा, 'चाहत कहती हैं कि उन्हें पता ही नहीं चला कि उन्हें तिहाड़ जेल लाया जा रहा है, मैं कहता हूं कि वो क्या 10 साल की बच्ची हैं जिसे ये नहीं पता चलेगा कि उन्हें कहां ले जाया जा रहा है और कहां नहीं। एक 10 साल की बच्ची को भी पता होगा कि जेल कैसा होता है।'

सुकेश ने चाहत को एक पेशेवर झूठी करार दिया है। उसने लिखा, 'चाहत जैसा कि दावा करती हैं कि वो मेरे बुलाने या धोखे से जेल में आई थीं, तो उन्होंने ये बात पुलिस में पहले ही क्यों नहीं बताई। 2018 के बाद उन्हें पुलिस में शिकायत करने से किसने रोका था?'

चाहत खन्ना ने कुछ दिन पहले एक स्टेटमेंट में कहा था कि 18 मई, 2018 को मुंबई एयरपोर्ट पर उनकी मुलाकात एक महिला से हुई जिसका नाम एंजल खान था। उसने चाहत से कहा कि वो उन्हें लेकर एक इवेंट में जाएगी, लेकिन इवेंट में न जाकर वो चाहत को लेकर तिहाड़ जेल चली गई। चाहत का कहना था कि जब उन्हें महसूस हुआ कि वो तिहाड़ में हैं तो उन्होंने चिल्लाना शुरू कर दिया। चाहत ने कहा, 'मुझे पता था कि मैं फंस गई हूं और मैं अपने दो बच्चों के बारे में सोचकर घबरा गई, जो मेरे पेरेंट्स के साथ मुंबई में थे। कार से उतरते ही हमें एक कमरे में ले जाया गया। मुझे याद है कि कमरा लैपटॉप, घड़ियों और महंगी लग्जरी चीजों से भरा हुआ था। वहां पर दुनिया भर के ब्रांडेड बैग थे। उस छोटे से कमरे में सब कुछ भरा हुआ था।

चाहत ने कहा कि कुछ देर बाद उनके सामने सुकेश आया और अपने आप को तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे, जयललिता का भतीजा बताया। उसने कहा कि वो मेरा बहुत बड़ा फैन है और मेरे टीवी शोज भी देखता है। उसने मुझे फिर घुटनों के बल बैठ कर प्रपोज किया और कहा कि वो मेरे बच्चों का बाप बनने के लिए भी तैयार है। मैं ये सब देख कर काफी डर गई और रोने लगी। जेल से लौटते वक्त एंजल ने मुझे 2 लाख रुपए शगुन के तौर पर भी दिए।

इस जबरन वसूली के केस में ED ने जैकलीन और नोरा फतेही को गवाह के तौर पर दर्ज किया है, इसलिए उन्हें जांच एजेंसी बार-बार पूछताछ के लिए बुला रही है। आरोप है कि सुकेश जैकलीन फर्नांडीज और नोरा फतेही के अलावा चाहत खन्ना और निक्की तंबोली जैसी एक्ट्रेसेस को अपने जाल में फंसाने की कोशिश कर चुका है।

फिल्म प्रमोशन के लिए कपिल शर्मा का शो पनौती है- 'पठान' हिट होने के बाद केआरके ने किया ट्वीट

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'पठान' बॉक्स ऑफिस पर एक के बाद एक नए रिकॉर्ड्स अपने नाम कर रही है। फिल्म पठान का क्रेज शाहरुख खान के फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। 25 जनवरी को रिलीज हुई इस फिल्म ने सिनेमाघरों में शानदार कमाई करते हुए आज 11 दिन हो गए हैं।

यह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में भी काफी अच्छा कलेक्शन कर रही है। मौजूदा समय में फिल्म पठान सुर्खियों में छाई हुई है। फिल्म की स्टार कास्ट ने किसी भी प्लेटफॉर्म पर जा कर फिल्म का प्रमोशन नहीं किया और ना ही मीडिया इंटरव्यू दिए। वहीं बॉलीवुड एक्टर केआरके ने फिल्म प्रमोशन के लिए कपिल शर्मा के शो को पनौती बता दिया है।

केआरके ने किया ट्वीट

कमाल राशिद खान ने ट्वीट करते हुए लिखा कि शाहरुख ने पठान को कपिल शर्मा के शो में प्रमोट नहीं किया और फिल्म सुपरहिट रही। कपिल शर्मा के शो में फिल्म कश्मीर फाइल्स का प्रमोशन नहीं किया गया और फिल्म सुपरहिट रही। तो यह इस बात का सबूत है कि कपिल शर्मा का कॉमेडी शो फिल्मों के लिए एक बड़ी पनौती है। आशा करता हूं कि अन्य कलाकार भी पनौती शो पर अपनी फिल्मों का प्रचार करने नहीं जाएंगे।

दरअसल बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान से ट्विटर पर आ स्क एस आर के सेशन के दौरान एक फैन ने किंग खान से ये सवाल पूछा कि 'बिना घरेलू प्रमोशन और रिलीज से पहले कोई इंटरव्यू नहीं, फिर भी पठान इतना रॉर कर रही है।' इस सवाल पर शाहरुख खान ने कहा है कि 'मैंने सोचा की शेर इंटरव्यू नहीं करते तो इस बार मैं भी नहीं करूंगा। बस जंगल में आकर देख लो।'

फिल्म को रिलीज हुए 11 दिन हो गए हैं। फिल्म ने 11 दिन की कमाई के बाद 400 करोड़ नेट क्लब में प्रवेश करने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म भी बन गई है। यह मूवी वर्ल्डवाइड में 725 करोड का कलेक्शन कर चुकी है। बता दें, शाहरुख खान आखिरी बार फिल्म जीरो में अनुष्का शर्मा के साथ नजर आए थे। हालांकि वह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई थी। वहीं अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो पठान के बाद शाहरुख खान फिल्म जवान में नजर आने वाले हैं

नए साल में 'वीवा मैजेंटा' का दिख रहा है क्रेज

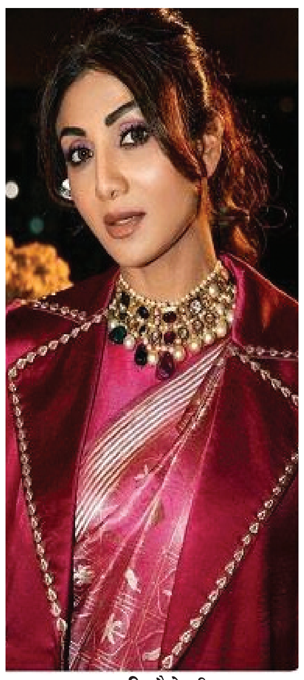

नए साल की जैसे ही शुरूआत होती है, नए डिजाइंस, नया फैशन और नए कलर्स का ट्रेंड भी साथ ही आ जाता है। हर साल एक कलर ट्रेंड में रहता है और फिर सारा साल उसी कलर का क्रेज देखने को मिलता है। हर साल की तरह इस बार भी अमरीका की कलर कम्पनी पैंटोन कलर इंस्टीच्यूट' ने 'कलर ऑफ दी ईयर' की घोषणा कर दी है और इस साल वीवा मैजेंटा कलर का क्रेज देखने को मिलेगा।

यह कलर डार्क पिंक, पर्पल, बैंगनी, फाल्सा पिंक जैसे शेड से मिलता-जुलता है। कम्पनी हर साल बैस्ट शेड्स चुनती है, जो साल भर ट्रैंड में रहते हैं और ये रंग सिर्फ फैशन ही नहीं, बल्कि आर्किटैक्चर, होम फर्निशिंग, इंडसट्रियल डिजाइंस आदि में भी इस्तेमाल किए जाते हैं इसीलिए इन्हें आप लाइफस्टाइल कलर्स कह सकते हैं। आपको इस बार के कलर को अपने वार्डरोब में कैसे शामिल करना है, चलिए उसके टिप्स बताते हैं।

शैडो रैड फैमिली से मिलने वाला वीवा मैजेंटा कलर आपको आऊटफिट, हैंडबैग, फुटवियर, एक्सैसरीज, कॉस्मैटिक्स, इंटीरियर डैकोरेशन व बाजार में मिलने वाली लगभग हर छोटी-बड़ी सभी चीजों में देखने को मिलेगा, इसलिए कपड़ों से लेकर घर सजाने तक, किसी भी रूप में इस रंग को शामिल किया जा सकता है।

साड़ी या कोट

इंडियन फैशन में इस कलर को पहले से ही पसंदीदा कलर लिस्ट में रखा गया है। इस रंग की साड़ी और लहंगा आपको रॉयलएलीगैंस सी लुक देते हैं। सभी से हटकर दिखने के लिए प्लेन साड़ी के साथ इस तरह का लांग कोट भी कैरी किया जा सकता है।

ब्लेजर में दिखें ्टाइलिश

ब्रिटिश शाही घराने की बहू केट मिडल्टन भी वीवा मैजेंटा आऊटफिट में नजर आ चुकी हैं। मैचिंग ट्राऊजर के साथ मैचिंग वीवा मैजेंटा ब्लेजर ने उनके लुक को एक्स्ट्रा स्टाइलिश बना दिया था। इस ड्रैस के साथ मैचिंग पर्स भी कैरी किया जा सकता है।

मेकअप में करें इस्तेमाल

विंटर वैडिंग में आऊटफिट के

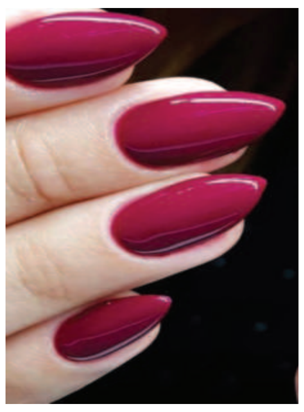

हिसाब से मैजेंटा लिपस्टिक- आई शैडो से लेकर नेल पेंट, हेयर हाइलाइट्स को इस रंग में ट्राई किया जा सकता है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस शेड को मिक्स करके भी बनाया जा सकता है।

एक्सैसरीज व फुटवियर

पिंक और बोल्ड कलर्स, फैशन वर्ल्ड में छाए हुए हैं। ऐसे में वीवा मैजेंटा कलर क्रेज ज्यादा देखने को मिल रहा है। वहीं वीवा मैजेंटा की खास बात यह है कि यह हमेशा ध्यान खींचने के साथ-साथ आपके उत्साह और जोश को भी

रिफ्लैक्ट करता है।

अपनी पर्सनैलिटी को कॉन्फिडेंट टच देने के लिए इस कलर के फुटवियर चूज करें क्लच हैंडबैग, फुटवियर में भी इस कलर को खूब इस्तेमाल किया जा रहा है। तो आप भी इसमें फुटवियर और एक्सैसरीज ट्राई कर सकती हैं।

वार्डरोब में शामिल करें रॉयल कलर

फैशन स्टाइलिस्ट्स का मानना है कि मैजेंटा कलर को अपनी लाइफ में शामिल करना कतई मुश्किल नहीं है। ज्यादातर लोगों को रानी पिंक कलर बहुत पसंद है, इससे मिलते-जुलते इस कलर को अपने विंटर वार्डरोब में किसी स्कार्फ, स्वैटर या कैप के जरिए शामिल किया जा सकता है।

इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बेहतर करियर

इंजीनियरिंग के फील्ड में इलैक्ट्रिकल इंजीनियर बेहतर करियर ऑप्शन हो सकता है। घरेलू उपयोग से लेकर औद्योगिक और स्पेस एप्लिकेशंस तक हर क्षेत्र में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर की काफी जरूरत होती है।

इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का क्षेत्र काफी विस्तृत माना गया है। इसमें इलैक्ट्रिक सर्किट और नवीन उपकरणों के बारे में गहन अध्ययन शामिल किया जाता है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो बिजली, इलैक्ट्रॉनिक्स और इलैक्ट्रो मैग्नेटिज्म का उपयोग करने वाले डिवाईसिज और टैक्नीक्स के अध्ययन, डिजाइन और अनुप्रयोग से संबंधित है।

इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बिजली की नई टैक्नोलॉजी और बिजली की थ्योरी के बारे में जानकारी दी जाती है। बिना इलैक्ट्रिसिटी के कोई भी इंडस्ट्री नहीं चल सकती है ।

सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री, ऑटोमोटिव इंडस्ट्री, होम एप्लायंसेज सभी जगह इलैक्ट्रिसिटी की जरूरत पड़ती है इसलिए इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में आपको बहुत सारे मशीन होम एप्लायंसेज, ऑटोमोबाइल मशीन व रोबोटिक्स के बारे में पढ़ाया जाता है ।

कोर्सेज के स्तर के बावजूद यहां कुछ विषय हैं जिनका उम्मीदवारों को अध्ययन करना होगा - नियंत्रण प्रणाली, इंस्ट्रूमेंटेशन, इलैक्ट्रो मैग्नेटिज्म, सर्किट विश्लेषण,

माईक्रोप्रोसेसर इंटरफेसिंग ।

यह क्षेत्र बिजली के उपकरणों के साथ गहन काम करता है जिसमें विनिर्माण, डिजाइनिंग, बिजली संयंत्रों का संचालन, कम्प्यूटर चिप्स के साथ-साथ एयरोस्पेस, ऑटोमोबाइल आदि के इग्निशन सिस्टम शामिल हैं।

इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में क्या पढ़ते हैं

इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग इलैक्ट्रिकल, इलैक्ट्रॉनिक्स है, जबकि अन्य प्रमुख विषयों में मैग्नेटोस्टैटिक्स और और संचार की मुख्य अवधारणाओं को शामिल करता इलैक्ट्रोस्टैटिक्स, ऊर्जा उत्पादन और ट्रांसमिशन, इलैक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन इत्यादि शामिल हैं। इसके अलावा, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम अत्यधिक विशिष्ट है जो छात्रों को डिजिटल संचार, वायरलैस टैक्नोलॉजीज की समझ प्रदान करता है ।

इलैक्ट्रिकल इंजीनियर कैसे बनें ?

इलैक्ट्रिकल इंजीनियर बनने के लिए निम्नलिखित स्टेप्स को फॉलो करें और अपने आने वाले कदमों के लिए पहले ही तैयार रहें।

* इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में कोर्स के लिए फिजिक्स, कैमिस्ट्री और मैथ्स विषयों सहित 12वीं पास होना जरूरी है।

*इलैक्ट्रिकल इंजीनियर बनने के लिए 12वीं के बाद आप इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या बी. टैक कर सकते हैं ।

गवर्नमैंट कॉलेजों में इस कोर्स में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम देना होता है।

सम्भावनाएं

इलैक्ट्रिकल और इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग एक ऐसा फील्ड है, जिसमें प्रतिवर्ष लाखों युवाओं को नौकरी मिलती है ।

इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का कोर्स पूरा करने के बाद आपके पास जॉब के बहुत सारे विकल्प होंगे। आप कम्प्यूटर्स एंड डाटा एनालिसिस, सैमीकंडक्टर, नैटवर्किंग, कम्युनिकेशन नेविगेशन सिस्टम, इलैक्ट्रिकल एनर्जी, इलैक्ट्रिकल मशीनरी, पावर प्लांट, रेलवे, सिविल एविएशन, टैलीकम्युनिकेशन, बिजली उत्पादन जैसे कई टैक्नोलॉजी से संबंधित क्षेत्रों में आसानी से करियर बना सकते हैं।

इसके अलावा रिसर्च के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। आज इंस्टीच्यूट और कम्पनियां नए क्षेत्रों में रिसर्च के लिए भारी निवेश कर रही हैं, इन क्षेत्रों में स्मार्ट ग्रिड, गैर-पारम्परिक ऊर्जा के स्रोत, डिस्ट्रीब्यूटेड ग्रिड कंट्रोल, समुद्र के अन्दर से तेल और गैस निकालने का कार्य जैसे एनर्जी सैक्टर में काफी रिसर्च प्रोजैक्ट इलैक्ट्रिकल इंजीनियरों को मिल सकते हैं ।

कुछ प्रमुख संस्थान

* इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, मद्रास * इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, बॉम्बे * इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, खड़गपुर * इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, दिल्ली * इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, कानपुर * इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, रुड़की * इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, गुवाहाटी * इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, हैदराबाद ** अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई * जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता।।

छात्रों के लिए जरूरी टाइम मैनेजमैंट'

टाइम मैनेजमैंट ऑफिस जाने वाले किसी व्यक्ति के लिए जितना जरूरी है उतना ही पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए भी अहम है।

पढ़ाई के लिए तय करें समय

जिस तरह से स्कूल में कुछ घंटों तक केवल पढ़ाई होती है, ठीक उसी तरह घर पर भी पढ़ाई करने के लिए एक खास समय तय कर लें ।

पढ़ाई के लिए विशेष स्थान

पढ़ाई के लिए खास समय निकालने के बाद एक विशेष जगह की भी जरूरत होती है। हर जगह पर बैठकर पढ़ाई नहीं हो सकती। स्कूल में भी लाइब्रेरी एक ऐसी जगह होती है जहां आप शांति से बैठकर किसी विषय की ध्यान लगाकर पढ़ाई कर सकते हैं।

साप्ताहिक समीक्षा

साप्ताहिक समीक्षा, समय और दूसरी परिस्थितियों के साथ बदलना भी एक महत्वपूर्ण रणनीति है। हर सप्ताह जैसे कि रविवार की रात अपने काम, अपने नोट्स और अपने कैलेंडर की समीक्षा करें। ध्यान रखें कि जैसे-जैसे समय सीमा और परीक्षा पास आए, आपकी साप्ताहिक दिनचर्या उसके अनुकूल हो जानी चाहिए।

खाली समय का करें सदुपयोग

पढ़ाई के बाद भी कुछ समय बच जाता है। कुछ ऐसा समय भी होता है जिनमें छात्र बोर हो रहे होते हैं । ऐसे में उन्हें पढ़ाई से जुड़े कुछ काम कर लेने चाहिएं जैसे कि क्लास से मिले नोट्स की समीक्षा करें।

पशु चिकित्सक भी है बढिया कैरियर आप्शन

इसके बाद नीति निर्धारकों का ध्यान देश में प्रशिक्षित पशु चिकित्सकों और चिकित्सालयों की भारी कमी की ओर गया। कृषि प्रधान देश होने के नाते और एक बड़ी आबादी पशुधन और पशुश्रम पर निर्भर है। एक आंकड़े के मुताबिक 2017 में पशुधन पर निर्भर लोगों की संख्या दो करोड़ थी। पशुपालन क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग चार फीसद और कृषि सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 26 फीसद का योगदान करता है। बीमारी होने और इलाज के अभाव में पशुओं के असमय मरने से इन पर निर्भर बड़ी संख्या में लोगों की आय प्रभावित होती है।

भारतीय पशु चिकित्सा परिषद के मुताबिक पांच हजार पशुओं पर एक पशुचिकित्सक उपलब्ध होना चाहिए, लेकिन हकीकत में 12-13 हजार पशुओं पर एक चिकित्सक ही उपलब्ध हो पा रहा है। 2017 में संसद में पेश कृषि संबंधी समिति की रिपोर्ट के मुताबिक पशु चिकित्सकों और दवाइयों की कमी के कारण देश का पशुधन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक देश में कम से कम एक लाख 15 हजार प्रशिक्षित पशु चिकित्सकों की आवश्यकता है जबकि उपलब्धता मात्र 60-70 हजार पशु चिकित्सकों की ही है।

यानी आवश्यक संख्या से आधे से भी कम पशु चिकित्सक उपलब्ध हैं। अक्तूबर 2019 में दुग्ध मंत्रालय की ओर से जारी 20वें पशुधन आबादी गणना के

अनुसार देश में कुल पशुधन (गाय, भैंस, घोड़े, गधे, बकरी, भेंड़, सुअर व अन्य) आबादी 53.57 करोड़ है।

यह संख्या पिछले आंकड़े से 4.6 फीसद अधिक है। इसके अलावा आजकल घरों में कुत्ते, बिल्ली, खरगोश, मछली आदि को पालने का प्रचलन भी तेजी से बढ़ा है। लोग इन्हें परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं और इनके इलाज, प्रशिक्षण और सजाने-संवारने पर अच्छी खासी रकम खर्च करने को तैयार हैं। इसे देखते हुए देश में पशु चिकित्सकों के लिए भरपूर अवसर उपलब्ध है।

पशु चिकित्सा विज्ञान

पशु चिकित्सा विज्ञान (वेटरिनरी मेडिसीन) पशु चिकित्सा विज्ञान की एक विशेष शाखा है जिसमें मनुष्येतर जीवों की शरीररचना (एनाटोमी), शरीरक्रिया (फिजियोलाजी) विकृतिविज्ञान (पैथोलाजी), भेषज (मेडिसीन) और शल्यकर्म (सर्जरी) का अध्ययन होता है। पशुपालन शब्द से साधारणतया स्वस्थ पशुओं के वैज्ञानिक ढंग से आहार, पोषण, प्रजनन, एवं प्रबंध का बोध होता है। यह मानव चिकित्सा विज्ञान के समान ही है क्योंकि उनका प्राथमिक उद्देश्य भी बीमारियों की रोकथाम, उन्मूलन, देखभाल और मनुष्यों को स्वस्थ जीवन देना है।

योग्यता

पशु चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान और भौतिक विज्ञान से उतीर्ण होना चाहिए। बारहवीं की परीक्षा कम से कम 50 फीसद अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 17 साल और अधिकतम उम्र 22 साल होनी चाहिए।

पशु चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का प्रावधान है। राष्ट्रीय योग्यता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) करती है। प्रवेश परीक्षा के आधार पर सरकारी और निजी कालेजों में दाखिला में मिलता है।

पाठ्यक्रम

पशु चिकित्सा के प्रमुख पाठ्यक्रमों की बात करें तो इसमें दो वर्षीय डिप्लोमा (पशु चिकित्सा फार्मेसी), दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (पशु चिकित्सा विज्ञान), पीएचडी (पशु चिकित्सा विज्ञान) और पांच वर्षीय स्नातक (पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन) शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों सिद्धांत एवं प्रशिक्षण दोनों तरह का ज्ञान दिया जाता है। प्रशिक्षण के बाद मान्यता प्राप्त पशु चिकित्सक बन जाते हैं।

इसके बाद आप किसी सरकारी या गैर सरकारी पशु चिकित्सालय में नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा पशु अनुसंधान केंद्र, डेरी फार्म आदि में नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। शिक्षक के रूप में शिक्षण कार्य कर सकते हैं। आप अपना स्वयं का पशु चिकित्सालय भी खोल सकते हैं।

संस्थान

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली (यूपी) , बिहार पशु चिकित्सा कालेज, पटना (बिहार), भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, कलकाता (प. बंगाल),पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्विद्यालय (यूपी),मद्रास पशु चिकित्सा कालेज, चेन्नई (तमिलनाडु)।

किसानों के लिए बकरी पालन के खास टिप्स

ग्रामीण इलाकों में बकरी पालन व्यवसाय काफी किया जाता है। इस व्यवसाय की खास बात ये हैं कि इसमें इसे कम लागत में शुरू किया जा सकता है। बकरी पालन पर किसानों को पशुपालन विभाग की ओर से प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें किसानों को बकरी पालन के तरीके और लाभों की जानकारी दी जाती है। इसी क्रम में पिछले दिनों मध्यप्रदेश में बकरी पालन बढ़ाने के लिए पशुपालन सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें बकरी पालन के लाभों व बकरी के उपयोग पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बकरी पालकों को बैंक ऋण लेने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने का आश्वासन दिया। प्रबंध संचालक एमपीसीडीएफ श्री तरुण राठी और राज्य कुक्कुट विकास निगम एवं पशुधन श्री एच.बी.एस.भदौरिया भी मौजूद थे।

बकरी पालन के आसान तरीके

सफल बकरी पालक किसानों ने अन्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे किसानों को सफल बकरी पालन के तरीकों से अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने बकरी पालन के संबंध में जो टिप्स या तरीके बताए वे इस प्रकार से हैं

* बकरी पालन की शुरुआत शुद्ध नस्ल की 5-10 बकरियों से करें, और अनुभवी व्यक्ति से राय लें।

*बकरी पालन करने वाले किसानों को अपनी बकरियों का बीमा करना चाहिए ताकि संभावित हानि होने पर भरपाई हो सके।

*बकरी पालक को चाहिए कि वजन के कारण अच्छी नस्ल का बकरा नहीं बेचें बल्कि इससे बकरियों के वंश को बढ़ाएं।

*बाजार में डिब्बा बंद मीट की डिमांड बढ़ रही है। इस लिहाज से बकरी पालन अब मुनाफे का व्यवसाय बनाता जा रहा है।

* बकरी के दूध की भी बाजार में डिमांड हैं। साबुन, शैम्पू उत्पादक इसके दूध को खरीदते हैं। वहीं संक्रामक रोग में बकरी का दूध काफी फायदेमंद रहता है। इसलिए इसके दूध से भी काफी अच्छी कमाई की जा सकती है।

बकरी पालन से किसान कैसे कर सकते हैं कमाई

* किसान दूध देने वाली बकरियों को बेचकर इस बिजनेस से कमाई कर सकते हैं।

* बकरियों को मांस के रूप में बेचकर भी किसान इससे पैसा प्राप्त कर सकते हैं।

* बकरियों या भेंड की ऊन व खाल द्वारा भी आय प्राप्त की जा सकती है।

* वहीं जैविक खेती के लिए बकरी की मींगणियों को खाद के रूप में बेचकर भी पैसा कमाया जा सकता है।

बकरी पालन के लिए सरकार से मिलती है सब्सिडी

बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से बकरी पालन पर सब्सिडी प्रदान की जाती है। इसके लिए बैंक लोन भी मिलता है। विभिन्न राज्य सरकारें बैंकों और नाबार्ड के सहयोग से बकरी पालन को बढ़ाने के लिए सब्सिडी योजनाएं प्रदान करती हैं। इसके तहत किसान ग्राहकों को 2.5 लाख रुपए तक की अधिकतम सब्सिडी की सुविधा प्रदान करती है। इसमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के साथ बीपीएल श्रेणी के किसान-पशुपालकों को 33 प्रतिशत तक सब्सिडी का प्रावधान है। वहीं ओबीसी श्रेणी के किसान-पशुपालकों को अधिकतम 25 फीसदी सब्सिडी दी जाती है। ये सुविधा नाबार्ड से जुड़ी वाणिज्यिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक, राज्य सहकारी बैंक, शहरी बैंकों आदि संस्थाओं की ओर से प्रदान की जाती है।

बकरी पालन के लिए बैंक से ले सकते हैं लोन

देश नाबार्ड के तहत आने वाले बैंक बकरी पालन के लिए किसानों को लोन देते हैं। इनमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक, केनरा बैंक आदि बैंक शामिल हैं। ये बैंक बकरी पालन के लिए 50 हजार से लेकर 50 लाख तक लोन उपलब्ध कराते हैं। यदि आप 10 बकरियों से बकरी पालन का बिजनेस शुरू करते हैं आपको 4 लाख रुपए का लोन मिल सकता है। इन बैंकों के अलावा नाबार्ड की तरफ से भी किसानों को लोन और सब्सिडी की सुविधा प्रदान की जा रही है। बकरी पालन के लिये ऋण लेने वाले किसानों और पशुपालकों को सालाना 11.20 प्रतिशत की दर से ऋण का भुगतान करना होता है।

कारोबारियों के गोल्ड बैज के लिए ट्विटर प्रति माह 1,000 डॉलर करेगा चार्ज

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। ट्विटर ने व्यवसायों को गोल्ड बैज और ब्रांड और संगठनों को बनाए रखने के लिए प्रति माह 1,000 डॉलर का भुगतान करने के लिए कहा है। भुगतान न करने पर चेकमार्क वापस ले लिया जाएगा। एलन मस्क द्वारा संचालित कंपनी ब्रांड से संबद्ध अकाउंट में बैज जोड़ने के लिए प्रति माह 50 डॉलर अतिरिक्त शुल्क भी लेगी। सोशल मीडिया सलाहकार मैट नवरारा द्वारा पोस्ट किए गए एक स्क्रीनशॉट में संकेत दिया गया कि ट्विटर प्रति माह 1,000 डॉलर का भारी शुल्क लेने जा रहा है। नवरारा ने ट्वीट किया, ट्विटर 1000 डॉलर प्रति माह के लिए गोल्ड चेकमार्क वेरिफिकेशन और प्रति माह 50 डॉलर के लिए संबद्ध अकाउंट वेरिफिकेशन की पेशकश करने वाले व्यवसायों को ईमेल कर रहा है। ट्विटर द्वारा व्यवसायों को भेजे गए एक ईमेल में कहा गया है, शुरूआती एक्सेस सब्सक्राइबर के रूप में, आपको अपने संगठन के लिए एक गोल्ड चेकमार्क और सहयोगियों के लिए बैज मिलेगा। संगठनों के लिए वेरिफिकेशन प्रति माह 1,000 डॉलर है, और 50 डॉलर प्रति अतिरिक्त संबद्ध हैंडल प्रति माह एक महीने की मुफ्त संबद्धता के साथ है। ट्विटर ने संगठन कार्यक्रम (जिसे पहले ब्लू फॉर बिजनेस कहा जाता था) के वेरिफिकेशन के लिए गोल्ड बैज को रोलआउट किया था, जो ब्रांड्स को ट्विटर पर खुद को वेरीफाई और अलग करने की अनुमति देता है। पिछले साल दिसंबर में, ट्विटर ने वेरीफाई के साथ अपनी ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस को फिर से शुरू किया, जिसकी लागत एंड्रॉयड यूजर्स के लिए 8 डॉलर और आईफोन मालिकों के लिए प्रति माह 11 डॉलर थी।

रिजर्व बैंक के रेपो दर पर निर्णय

तिमाही नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

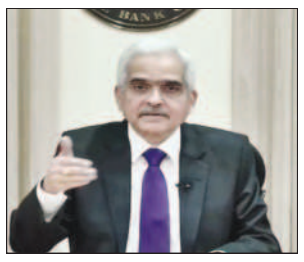

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी। इसके अलावा निवेशकों की निगाह कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों, वैश्विक रुझान और विदेशी कोषों की गतिविधियों पर भी रहेगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि ब्रेंट कच्चे तेल का दाम और रुपये का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, "अमेरिकी बाजार की दिशा पर सभी की निगाह रहेगी। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का प्रवाह महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि वे 2023 की शुरुआत से भारतीय बाजारों में जबर्दस्त बिकवाली कर रहे हैं। अडाणी समूह के घटनाक्रम के बाद उनकी बिकवाली और बढ़ी है।" उन्होंने कहा कि इस सप्ताह भारती एयरटेल, हीरो मोटोकॉर्प, हिंडाल्को और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों के अलावा अमेरिका में वृहद आर्थिक आंकड़े जारी होंगे। रिजर्व बैंक की मौद्रिक घोषणा बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगी। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ब्याज दरों पर अपने फैसले की घोषणा आठ फरवरी को करेगी। अमेरिका की शॉर्ट सेलेर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा एक रिपोर्ट में गौतम अडाणी की अगुवाई वाले समूह पर धोखाधड़ी वाले लेनदेन और शेयर कीमतों में हेरफेर के आरोपों के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में लगातार गिरावट आ रही है। हालांकि, अडाणी समूह ने इन आरोपों को झूठ बताते हुए खारिज कर दिया है। औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े शुक्रवार को कारोबार बंद होने के बाद आएंगे। रेलिगेयर के उपाध्यक्ष तकनीकी शोध अजित मिश्रा ने कहा, "हमारा मानना है कि इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। सप्ताह के दौरान कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के साथ ही कुछ आंकड़े भी आने हैं। आठ फरवरी को रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजों की घोषणा होगी। 10 फरवरी को औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े आएंगे।" इस सप्ताह टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, अंबुजा सीमेंट, भारती एयरटेल, हीरो मोटोकॉर्प, हिंडाल्को, ल्यूपिन और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी बड़ी कंपनियां अपने दिसंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "इस सप्ताह घरेलू बाजार के लिए रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा एक प्रमुख उत्प्रेरक होगी।" अपनी दिसंबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में केंद्रीय बैंक ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.35 प्रतिशत और बढ़ा दिया था। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने रेपो दर में लगातार तीन बार 0.50 प्रतिशत की वृद्धि की थी। पिछले साल मई से रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिए नीतिगत दरों में सवा दो प्रतिशत की वृद्धि कर चुका है। मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी के लिए मुख्य रूप से बाहरी कारक। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधा को जिम्मेदार माना गया है।

लगातार तीसरे हफ्ते बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार, गोल्ड रिजर्व में भी हुआ इजाफा

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर लगातार तीसरे सप्ताह अच्छी खबर मिली है। दरअसल, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 जनवरी को खत्म हुए सप्ताह के दौरान 3.03 अरब डॉलर बढ़कर 576.76 अरब डॉलर हो गया। यह लगातार तीसरा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी आई है। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 1.72 अरब डॉलर बढ़कर 573.727 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। गौरतलब है कि अक्टूबर, 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था। वैश्विक घटनाक्रमों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपये की विनियम दर में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का

उपयोग करने की वजह से बाद में इसमें गिरावट आई थी।

2.66 अरब डॉलर बढ़ी एफसीए

आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक, कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली फॉरेन करेंसी एसेट यानी एफसीए 27 जनवरी को खत्म हुए सप्ताह में 2.66 अरब डॉलर बढ़कर 509.01 अरब डॉलर पर पहुंच गई। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है।

गोल्ड रिजर्व में 31.6 करोड़ डॉलर का इजाफा

इसके अलावा गोल्ड रिजर्व का मूल्य रिपोर्टिंग वीक में 31.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 44.027 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, स्पेशल ड्राइंग राइट (एसडीआर) 4.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.478 अरब डॉलर हो गया। रिपोर्टिंग वीक में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आई एम एफ) में रखा देश का मुद्रा भंडार 1.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.23 अरब डॉलर हो गया।

सरकारी कर्मचारियों का बढ़ सकता है महंगाई भत्ता

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की ओर से सरकारी कर्मचारियों के लिए बेहद बड़ी खुशखबरी आने वाली है। केंद्र सरकार अपने एक करोड़ से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ता बढ़ा सकती है। सरकार की ओर से महंगाई भत्ता मौजूदा 38 फीसदी से बढ़ाकर 42 फीसदी किया जा सकता है। इस आशय के लिए तयशुदा फॉर्मूले के तहत महंगाई भत्ते में पूरे 4 फीसदी का इजाफा किया जा सकता है। केंद्र सरकार के जरिए महंगाई भत्ता यानी डियरनेस एलाउंस और डियरनेस रिलीफ यानी महंगाई राहत में हर साल पहली जनवरी और पहली जुलाई से बढ़ोतरी करने का नियम चल रहा है। मौजूदा महंगाई भत्ते में सरकार 4 फीसदी का इजाफा कर सकती है और अगर ऐसा होता है तो केंद्रीय कर्मचारियों का डीए सीधा 4 फीसदी तक बढ़ जाएगा।केंद्र सरकार अपने एक करोड़ से ज्यादा कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए मंहगाई भत्ते (डीए) को मौजूदा के 38 फीसदी से चार फीसदी अंक बढ़ाकर 42 फीसदी कर सकती है। इस उद्देश्य के लिए एक फॉर्मूला पर सहमति बनी है। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते की गणना हर महीने श्रम ब्यूरो द्वारा जारी औद्योगिकी श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) के आधार पर की जाती है। श्रम ब्यूरो श्रम मंत्रालय का अंग है। ऑल इंडिया रेलवेमेन फेडरेशन के महासचिव शिव गोपाल मिश्रा ने कहा, दिसंबर, 2022 के लिए सीपीआई-आईडब्ल्यू 31 जनवरी, 2023 को जारी की गई थी।

मुंबई में बिका 1200 करोड़ रुपये में 23 लग्जरी घरों वाला भारत का सबसे बड़ा अपार्टमेंट ? डी मार्ट ने खरीदा

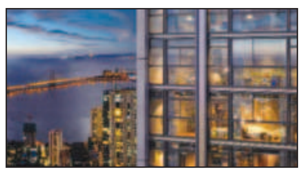

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। में 23 लग्जरी घरों वाले अपार्टमेंट को बेचा गया है, जिसे संभवतः भारत का सबसे बड़ा अपार्टमेंट बताया जा रहा है। यह अपार्टमेंट वर्ली में हाई एंड रेजिडेशियल प्रोजेक्ट के तहत 12,000 करोड़ में बेचा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस लग्जरी घरों वाले अपार्टमेंट के सेलर सुधाकर शेट्टी हैं। यह अपार्टमेंट इस प्रोजेक्ट के तहत बिल्डर सुधाकर शेट्टी का आखिरी अपार्टमेंट था। इन्होने इस प्रोजेक्ट को रिडेवलप करने के लिए बिल्डर विकास ओबेरॉय के साथ डील की थी। अब यह अपार्टमेंट बेचा जा चुका है। डी मार्ट के संस्थापक राधाकृष्णन दमानी के परिवार, रिश्तेदारों, दोस्तों और करीबी सहयोगियों ने वर्ली में डॉ एनी बेसेंट रोड पर प्रीमियम लग्जरी प्रोजेक्ट थ्री सिक्सटी वेस्ट के टॉवर बी में ये विशाल अपार्टमेंट खरीदे हैं। प्रत्येक घर का आकार लगभग 5,000 वर्ग फुट है। 23 लग्जरी घरों वाले अपार्टमेंट को बेचकर प्रत्येक से करीब 50-60 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। बिल्डर ने इन रकम का इस्तेमाल 1000 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने में किया है। शेट्टी ने ये लोन की रकम पीरामल फाइनेंस से लिया था। सूत्रों ने बताया कि शेट्टी ने लोन की रकम पीरामल ग्रुप को वापस कर दिए हैं। रिपोर्ट ने प्रोपर्टी मार्केट सोर्स के हवाले से कहा कि फ्लैट को डिसकाउंट रेट पर बेचा गया है, क्योंकि बिल्डर पर लोन चुकाने का ज्यादा दबाव है। पीरामल के अलावा शेट्टी ने करीब 400 करोड़ रुपये का लोन हांगकांग की ग्लोबल बैंकिंग और एसेट मैनेजमेंट ग्रुप एस सी लोवी से लिया है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 2022-23 में 27,500 करोड़ रुपये की बिक्री संभावना वाले 15 भूखंड खरीदे

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। घरों की मजबूत मांग के बीच गोदरेज प्रॉपर्टीज ने चालू वित्त वर्ष (2022-23) में अबतक 15 जमीन के टुकड़ों या भूखंडों का अधिग्रहण किया है। कंपनी को इनके जरिये 27,500 करोड़ रुपये के बिक्री राजस्व की उम्मीद है।

कंपनी का इरादा नई परियोजनाओं के निर्माण के लिए मार्च तक और जमीन खरीदने का है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के कार्यकारी चेयरमैन पिरोजशा गोदरेज ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि कंपनी का जमीन के टुकड़ों का अधिग्रहण चालू वित्त वर्ष में राजस्व के लिहाज से कम से कम 30,000 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा।

यह चालू वित्त वर्ष के लिए तय लक्ष्य का दोगुना है।

सोने और चांदी दोनों के दाम में दर्ज की गई बढ़त

जानें पूरे हफ्ते के सर्राफा मार्केट का हाल

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में पुराने वक्त से ही सोने चांदी में निवेश को बहुत लाभकारी माना जाता है। आज भी लोन सोना खरीदना बहुत पसंद करते हैं।अगर आप भी सोने और चांदी में निवेश की प्लानिंग कर रहे हैं तो हम आपको भारतीय सर्राफा मार्केट के पूरे हफ्ते के हाल के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन यानी आईबीजीए की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक 30 जनवरी से 3 फरवरी, 2023 के बीच के बिजनेस वीक में सोने के भाव में 729 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी देखी गई है। कारोबारी सप्ताह की शुरुआत में 24 कैरेट सोने का प्राइस 57,078 रुपये पर था। वहीं हफ्ते के आखिरी दिन यह 57,788 रुपये पर था। वहीं चांदी की बात करें तो 999 प्यूरिटी वाली चांदी की कीमत सोमवार को 68,149 रुपये थी जो बढ़कर 69,539 रुपये पर बंद हुई है। ऐसे में चांदी के भाव में 1,390 रुपये प्रति किलोग्राम का उछाल दर्ज किया गया है। ध्यान देने वाली बात ये है कि आईबीजेए द्वारा जारी किए जाने वाले सोने-चांदी के रेट्स में मेकिंग चार्ज और टैक्स शामिल नहीं होता है। ऐसे में जब आप दुकान में सोना और चांदी खरीदने जाएंगे तो इसके दाम में कुछ फर्क नजर आएगा। आइए हम आपको हफ्ते के हिसाब से सोने-चांदी के भाव के बारे में जानकारी दे रहे हैं- सोना को एक बेहद बहुत महत्वपूर्ण कमोडिटी माना जाता है। इसकी बढ़ती कीमतों के कारण फेक ज्वेलरी मार्केट में बहुत ज्यादा बिकने लगी है। ऐसे में आईएसओ लोगों को सोना खरीदने से पहले उसपर लगे हॉलमार्क का निशान चेक करने की सलाह देता है। इस मार्केट से आप असली और नकली सोने के बीच का फर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही सोना खरीदते वक्त यह जरूर चेक करें कि आप 18 कैरेट, 22 कैरेट और 24 कैरेट में कौन सा गोल्ड खरीद रहे हैं।

अगले वित्त वर्ष में आ सकता है इरेडा, वैपकॉस का आईपीओ

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार अगले वित्त वर्ष में स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र को कर्ज देने वाली इरेडा और सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग सलाहकार कंपनी वैपकॉस का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने यह जानकारी दी। पांडेय ने पीटीआई-से कहा कि अगले वित्त वर्ष के लिए 51,000 करोड़ रुपये का विनिवेश लक्ष्य तय किया गया है। इसमें इन कंपनियो की हिस्सेदारी बिक्री से प्राप्त राशि भी शामिल रहेगी। पांडेय ने कहा, "इरेडा अगले वित्त वर्ष में आईपीओ के लिए तैयार है। वैपकॉस के लिए दस्तावेजों का मसौदा पहले ही दाखिल किया जा चुका है।" दीपम सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में सरकार की इक्विटी हिस्सेदारी का प्रबंधन करता है। जल शक्ति मंत्रालय के तहत इंजीनियरिंग सलाहकार और निर्माण सेवा कंपनी वैपकॉस ने पिछले साल सितंबर में सरकार के पास अपने 3।25 करोड़ शेयरों की बिक्री के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दस्तावेजों का मसौदा जमा कराया था। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी की परिचालन आय 2,798 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 69.16 करोड़ रुपये रहा था। भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) के आईपीओ को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2017 में मंजूरी दी थी। इरेडा की योजना आईपीओ के तहत 13.90 करोड़ नए शेयर जारी करने की है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1443
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा- 02 -18 राततक उपरान्त द्वितीया
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , सोमवार Feb 06
नक्षत्र - आश्लेषा -12 -12 तक उपरान्त मघा
योग - सौभाग्य -15 - 24 - तक उप शोभन
करण- बालव - 13 - 09 - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - फाल्गुन मास प्रारंभ

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर-	05-05 बजे
चंद्र-	कर्क	में	कुंभ -	07-15 बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	08-54 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	10-30 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	12-14 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..	14-14 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	16-27 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	18-39 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-44 बजे
			तुला	22-51 बजे
			वृश्चिक.	01-01 बजे
			धनु.....	03-14 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 08:14 से 09:39 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	06:50 - 08:14	शुभ	चंचल.	18:11 - 19:47	शुभ
काल.	08:14 - 09:39	अशुभ	रोग.	19:47 - 21:21	अशुभ
शुभ.	09:39 - 11:05	शुभ	काल.	21:21 - 22:56	अशुभ
रोग	11:05 - 12:30	अशुभ	लाभ.	22:56 - 00:30	शुभ
उत्पात	12:30 - 13:56	अशुभ	उत्पात	00:30 - 02:04	अशुभ
चंचल	13:56 - 15:21	शुभ	शुभ	02:04 - 03:39	शुभ
लाभ	15:21 - 16:47	शुभ	अमृत	03:39 - 05:13	शुभ
अमृत	16:47 - 18:11	शुभ	चंचल	05:13 - 06:50	शुभ

आपका राशिफल

मेष (धू धे धो ला ली लू ले लो आ): उन चीज़ों पर काम करने के लिए फ़ायदेमंद दिन है जो आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाएंगी। आज आपको आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है, लेकिन आप दान-पुण्य अवश्य करें, इससे मानसिक शांति प्राप्त होगी। पारिवारिक राज की खबर आपको चौंका सकती है। जब आप अपने प्रेमी के साथ बाहर जाएं तो अपने रूप और व्यवहार में मौलिक रहें।

वृष (ई उ ए जो वा वी वू वे वो): अपने स्वास्थ्य में सुधार करें, क्योंकि कमजोर शरीर दिमाग को कमजोर करता है। अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें, क्योंकि इससे आपके दादा-दादी की भावनाएँ आहत हो सकती हैं। बकबक करने में अपना समय नष्ट करने से अच्छा है मौन रहना। याद रखें हम समझदार गतिविधियों के माध्यम से जीवन को अर्थ देते हैं।

मिथुन (का की कू घ ड झ के को हा): दोस्त सहयोगी हैं और आपको खुश रखेंगे। माता या पिता के स्वास्थ्य पर आज आपको काफी धन खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि इससे आपकी आर्थिक स्थिति तो बिगड़ेगी ही साथ ही रिश्ते भी मजबूत होंगे। आज आप ख़ुद को अकेला और अकेला महसूस करेंगे- और अलगाव की भावना आपको समझदारी भरे फ़ैसले लेने से रोक सकती है।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आप लंबी बीमारी से उबर जाएंगे। लेकिन एक स्वार्थी गुस्सैल व्यक्ति से दूर रहें क्योंकि वह आपको कुछ तनाव दे सकता है- जो समस्या को और बढ़ा सकता है। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है। साथ ही अपने कारोबार को बेहतर बनाने के लिए भी आपको धन खर्च करना पड़ सकता है। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की खबर आपको रोमांचित कर सकती है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): काम की व्यस्तता आपको गुस्सैल बना सकती है। जो लोग अब तक बेवजह पैसा उड़ा रहे थे, उन्हें आज से अपने कार्यों पर नियंत्रण रखना चाहिए और बचत करना शुरू कर देना चाहिए। परिवार के सदस्य आपके विचारों का समर्थन करेंगे। आपको अपने बर्ताव में सबसे बेहतर रहने की ज़रूरत है-।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ट पे पो): शाम को अपने जीवनसाथी के साथ किसी फ़िल्म-थिएटर या डिनर पर जाना आपको सुकून और बढ़िया मूड में रखता है। आपका कोई पुराना दोस्त आज आपको व्यापार में अधिक मुनाफा कमाने की सलाह दे सकता है। यदि आप उनकी सलाह का पालन करते हैं, तो आप निश्चित रूप से भाग्य में हैं।

तुला (स री रु रे से ता तू ते): केवल आप ही जानते हैं कि आपके लिए सबसे अच्छा क्या है- इसलिए मजबूत और निर्भीक बनें और त्वरित निर्णय लें और परिणामों के साथ जीने के लिए तैयार रहें। आज आपके पास अच्छी खासी रकम होगी और इसके साथ ही मानसिक शांति भी रहेगी। सभी को अपनी बड़ी पार्टी में शामिल करें- आज आपमें थोड़ी अतिरिक्त ऊर्जा होगी।

वृश्चिक (तो मा मी मू मे मो य यी यू): भावनात्मक रूप से आप इस बात को लेकर अनिश्चित और चंचल होंगे कि आप वास्तव में क्या चाहते हैं। आज घर में कोई धार्मिक आयोजन होने की संभावना है। हालांकि इससे आपके मन को शांति मिलेगी, लेकिन इस पर आपका काफी धन खर्च हो सकता है। खाली समय का उपयोग अपने घर की शोभा बढ़ाने में करें।

धनु (ये यो भा भी मू धा फा ढा भे): शारीरिक लाभ के लिए विशेष रूप से मानसिक मजबूती के लिए ध्यान और योग शुरू करें। आज आपका कोई भाई-बहन आपसे पैसा उधार ले सकता है। हालांकि आप उनकी यह इच्छा पूरी करेंगे, लेकिन इससे आपकी आर्थिक तंगी और बढ़ सकती है। शाम के समय अचानक मेहमानों की भीड़ लग जाएगी।

मकर (भे जे जी खी खू खो मा मी): स्वास्थ्य कुछ मानसिक दबावों के बावजूद ठीक रहेगा। धन प्राप्ति के नए अवसर लाभप्रद रहेंगे। बच्चे अपनी उपलब्धियों से आपको गौरवान्वित महसूस कराएंगे। आप अपने सबसे खराब रोमांस का सामना कर सकते हैं क्योंकि यह आपको बिखरा सकता है। आपको लाभ होने की संभावना है।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अत्यधिक चिंता और तनाव उच्च रक्तचाप का कारण बन सकता है। व्यापार में आज आपको ज़बरदस्त मुनाफ़ा हो सकता है। आज आप अपने कारोबार को नई ऊंचाई दे सकते हैं। अच्छा यही होगा कि आप उन मुद्दों से दूर रहें जो प्रियजनों के साथ बहस का कारण बन सकते हैं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो च ची): अवसाद या तनाव मन की शांति को भंग कर सकते हैं। अगर आप पार्टनरशिप में व्यापार करते हैं तो आज आपका पार्टनर आपको धोखा दे सकता है और आपका पैसा लेकर भाग सकता है। आपका अड़ियल व्यवहार घर वालों और यहाँ तक कि आपके क़रीबी दोस्तों को भी नाराज़ करता है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' को बड़े पंख देता है बजट

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। जहां पिछले कुछ महीनों में देश में विमानन यातायात में लगातार वृद्धि देखी गई है, वहीं हवाई अड्डों, हेलीपोर्ट्स और वाटर एयरोड्रम सहित 50 विमान लैंडिंग स्थलों को पुनर्जीवित करने की बजट घोषणा से सरकार की महत्वाकांक्षी क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' को और पंख मिलने की संभावना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा, क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार के लिए 50 अतिरिक्त हवाईअड्डों, हेलीपोर्ट, वाटर एयरोड्रोम और उन्नत लैंडिंग ग्राउंड को पुनर्जीवित किया जाएगा। रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) के महत्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल के बजट में, पिछले आवंटन के बाद से आरसीएस में आवंटन दोगुना हो गया है और यह 600 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,244 करोड़ रुपये हो गया है। सरकार ने अक्टूबर, 2016 में आरसीएस-उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) लॉन्च किया था, ताकि देश में क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाया जा सके और जनता के लिए हवाई यात्रा सस्ती की जा सके।

व्यापक कैंसर चिकित्सा प्रदान करना ओमेगा हॉस्पिटल्स की नई शाखा का उद्देश्य : डॉ. मोहन वम्सी

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सबसे भरोसेमंद कैंसर देखभाल संस्थानों में से एक, ओमेगा हॉस्पिटल्स ने आज गच्चीबावली में दुनिया की सबसे उन्नत अत्याधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के साथ अपनी नवीनतम 500 से अधिक बिस्तरों वाली मल्टी-स्पेशियलिटी सुविधाओं से लैस एक नई शाखा की शुरुआत की। इस अस्पताल द्वारा लोगों को विश्वस्तरीय किफायती उपचार उपलब्ध कराने के एकमात्र उद्देश्य से इसकी कल्पना की गई है। अस्पताल ने प्रोग्नोस्टिक, डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय इमेजिंग जैसे विभागों में अत्यधिक उन्नत बुनियादी ढांचे और उपकरण भी स्थापित किए हैं।इस अवसर पर बोलते हुए ओमेगा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. मोहन वम्सी सीएच ने कहा कि कैंसर से पीड़ित उनके कई रोगियों को अक्सर कार्डिएक, ऑर्थोपेडिक, रीनल, पल्मोनरी, न्यूरोलॉजिकल, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मुद्दों और अंतःविषय की आवश्यकता वाली स्थितियों जैसी सह-रुग्णताओं के लिए उपचार एवं देखभाल की आवश्यकता होती है।

इसे ध्यान में रखते हुए हमने व्यापक कैंसर देखभाल प्रदान करने के लिए विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी के लिए पांच मंजिलों को समर्पित किया है।उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी और चिकित्सा विज्ञान के युग में, विकास के साथ बने रहना आवश्यक है। हम भारत

के पहले अल पावर्ड रेडिएशन इथोस क्रांतिकारी नई थेरेपी से लैस हैं। हम दुनिया में पहले हैं जिन्होंने कृत्रिम बुद्धि द्वारा संचालित ईटीएचओएस का उपयोग करके पीईटी/ एमआर- निर्देशित अनुकूली रेडियोथेरेपी लॉन्च की है, जिसमें कैंसर विकिरण उपचार में एक क्रांति देखती है और यह कुछ ही मिनटों में उपचार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हम भारत के पहले अस्पताल हैं, जिसने एक ही छत के नीचे डिजिटल पीईटी एमआर और डिजिटल पीईटी सीटी दोनों विधियों के साथ श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ परमाणु चिकित्सा विभाग शुरू किया है। ओमेगा अस्पताल मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, हाई एंड कैथ लैब के साथ पूरी तरह कार्यात्मक है और हमारी अनुभवी क्रिटिकल केयर टीम चौबीसों घंटे आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

आसाराम की अकूत संपत्ति की वारिस कौन

2013 में जेल जाने के बाद सुर्खियों में आई ; कैसे मैनेज करती है 10 हजार करोड़ का साम्राज्य

अहमदाबाद, 5 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। सूरत की एक महिला से रेप के मामले में 81 साल के आसाराम को गुजरात के गांधीनगर सेशन कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई। इससे पहले जोधपुर कोर्ट ने 25 अप्रैल 2018 को एक नाबालिग से रेप के मामले में आसाराम को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। तभी से वह जोधपुर जेल में बंद है। उसका बेटा नारायण साईं भी रेप केस में आजीवन सजा काट रहा है। एक समय था, जब आसाराम के आश्रम में चौबीसों घंटे भीड़ लगी रहती थी।

लोग दूर-दूर से लोग आश्रम पहुंचते थे। उसके दर्शन के लिए लोग घंटों खड़े रहते थे। नेता से अभिनेता तक उसके दरबार में माथा टेकते थे। चार दशक के भीतर ही उसने 10 हजार करोड़ रुपए का साम्राज्य बना लिया।

आसाराम और उसके बेटे नारायण साईं के जेल में जाने के बाद सवाल उठा कि इस सम्राज्य का वारिस कौन होगा? आसाराम के 400 से ज्यादा आश्रमों का प्रबंधन कौन करेगा? क्या अभी भी आसाराम से भक्त जुड़े रहेंगे? इन सब सवालों का जवाब बनकर उभरी है आसाराम की बेटी भारती देवी। जिसे 'भारतीश्री' और 'श्रीजी' के नाम से पहचाना जाता है।

कई साल पहले 'संत श्री आसाराम ट्रस्ट' बना था। इसका मुख्यालय अहमदाबाद में है, लेकिन आसाराम ने देश-विदेश में जितने भी आश्रम, स्कूल या बाकी संस्थान बनाए हैं, उनकी देखरेख इसी ट्रस्ट के जरिए भारती देवी कर रही हैं। भारती पिछले 19 सालों से आश्रमों और ट्रस्ट को मैनेज कर रही हैं, लेकिन हमेशा लाइम लाइट से दूर रही हैं। आसाराम के फॉलोअर्स के बीच उनकी अच्छी इमेज भी है।

पर्दे के पीछे भारती देवी की भूमिका

साल 2004, ये वो वक्त था जब आध्यात्म की दुनिया में आसाराम का नाम शिखर पर था। उनके बेटे नारायण साईं भी देश भर में होने वाले आध्यात्मिक आंदोलनों के केंद्र में थे। इसी साल आसाराम के आध्यात्मिक मंच पर भारती देवी की एंट्री हुई। धीरे-धीरे वे आसाराम के सत्संग में भी आने लगीं। आसाराम के फॉलोअर्स के बीच उनका प्रभाव बढ़ने लगा। भारती देवी का सबसे बड़ा हुनर है किसी भी बात को आसानी से लोगों के दिमाग में बिठा देना। फिर भी भारती देवी की चर्चा बाहर की दुनिया में कम ही होती थी, क्योंकि लोगों का ध्यान आसाराम और नारायण साईं पर ज्यादा रहता था।

साल 2013 में गिरफ्तारी से चर्चा में आई थीं भारती देवी

2013 में आसाराम और नारायण साईं के मुश्किल भरे दिनों की शुरुआत हुई। यौन शोषण के एक मामले में दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। इसी दौरान पहली बार उनकी बेटी भारती देवी का नाम सुर्खियों में आया। भारती देवी और उनकी मां लक्ष्मी देवी को भी दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार किया गया था।

सूरत की युवती से रेप मामले में आसाराम के बाद भारती देवी दूसरी आरोपी थीं, जबकि आसाराम की पत्नी लक्ष्मीबेन तीसरी आरोपी थीं। हालांकि कोर्ट ने 31 जनवरी 2023 को दिए फैसले में भारती देवी और लक्ष्मीबेन को निर्दोष करार दिया। आसाराम और नारायण साईं को जेल हुई तो 2013 में ही भारती देवी ने आसाराम की गद्दी संभाल ली।

पिता की शैली अपनाई

आसाराम के प्रवचनों के दौरान भारती देवी भजन गाया करती थीं। इसके कई वीडियो भी सामने आ चुके हैं। पिता की तरह ही अपनी स्पीच से लोगों को भाव-विभोर कर देने वाली शैली, भारती देवी की खासियत है। इसी के चलते उनके आसपास भी लोगों की भीड़ रहती है। भारती देवी को महंगी कारों का शौक है, लेकिन आश्रम में संदिग्ध गतिविधियों और आसाराम और नारायण साईं के जेल जाने के बाद उन्होंने अपनी जीवन शैली में भारी बदलाव कर लिया है। अब उन्होंने

लोगों के बीच सीधा संपर्क कम कर दिया है और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। भारती देवी अहमदाबाद के आश्रम में रहती हैं और यहां होने वाली आरती में नियमित रूप से शामिल होती हैं। उनके प्रवचन भी सोशल मीडिया हैंडल के जरिए जनता तक पहुंचाए जाते हैं। ताकि आसाराम के बनाए साम्राज्य की नींव को कमजोर होने से रोका जा सके।

कवि, वैज्ञानिक और संगीतकार

दिसंबर 1975 में जन्मीं भारती ने 12 साल की उम्र में ही दीक्षा ली थी। अनाधिकारिक जानकारी यह भी है कि उन्होंने एमकॉम तक ही पढ़ाई की है। आधिकारिक वेबसाइट पर खुद भारती देवी के कवयित्री, वैज्ञानिक और संगीतकार होने की जानकारी दी गई है। भारती की शादी 1997 में एक डॉक्टर से हुई थी, लेकिन कुछ ही समय बाद तलाक हो गया। इसके बाद से वे आश्रम की जिम्मेदारी संभालने लगीं थीं। भारती आसाराम की तरह सत्संग और प्रवचनों के लिए अलग-अलग शहरों में लगातार नहीं जाती हैं। वे ऑनलाइन ही ट्रस्ट की तमाम गतिविधियों पर नजर रखती हैं।

इस तरह भी होती थी आसाराम की करोड़ों की कमाई

अहमदाबाद में पहला आश्रम बनाने के बाद करीब 20 से 30 सालों में ही आसाराम के अनुयायियों की संख्या इतनी बढ़ गई कि अब देश-विदेश में उनके 400 से अधिक आश्रम हैं। इनमें 40 से 50 गुरुकुल हैं। इसके अलावा 17 हजार से ज्यादा बाल समाधि केंद्र, 1500 से ज्यादा सेवा समितियां भी हैं। आसाराम एक आध्यात्मिक गुरु के साथ

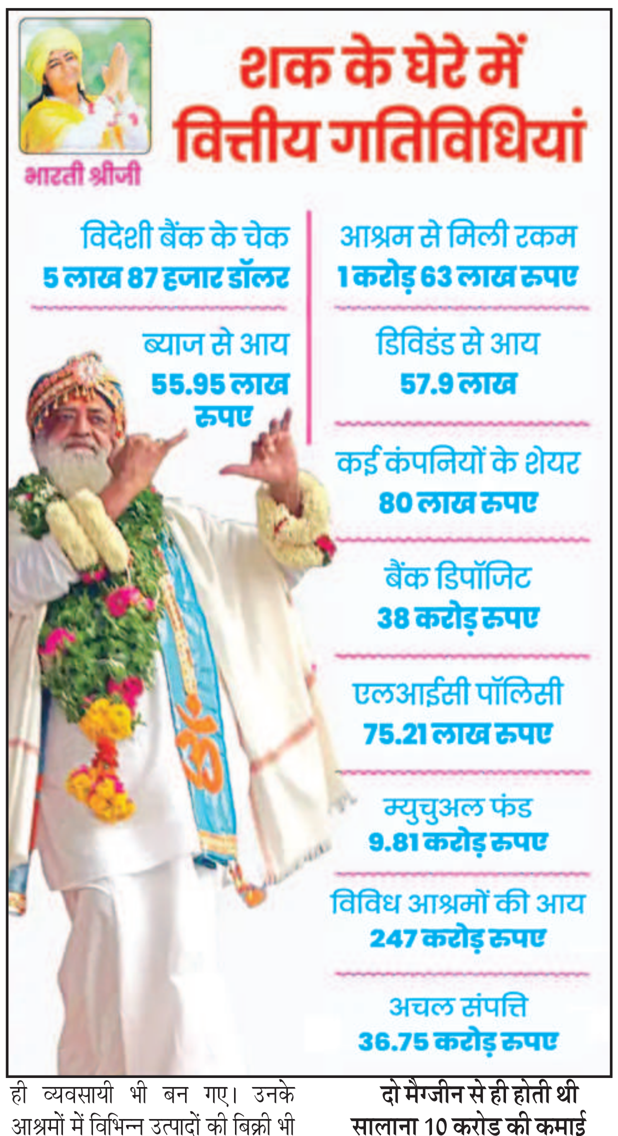

ही व्यवसायी भी बन गए। उनके आश्रमों में विभिन्न उत्पादों की बिक्री भी होने लगी। याददाश्त बढ़ाने के लिए स्मृतिचूर्ण, जोड़ों के दर्द के लिए संधिशुल्हर चूर्ण, कैंसर के लिए गोली, शरबत, च्यवनप्रास और आंखों की दवा। इतना ही नहीं, कई आश्रमों में तो आयुर्वेदिक ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी बिकते थे। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ था कि अहमदाबाद की एक कंपनी को आश्रम के उत्पादों की पैकेजिंग के लिए सालाना 350 करोड़ रुपए का ठेका दिया गया था।

दो मैग्जीन से ही होती थी सालाना 10 करोड़ की कमाई

आसाराम के नाम से ऋषिप्रसाद और लोककल्याण सेतु नाम की दो पत्रिकाएं भी प्रकाशित हुआ करती थीं। इन दोनों पत्रिकाओं की सालाना ढाई लाख प्रतियां बिकती थीं। जिससे करीब 10 करोड़ रुपए की आमदनी होती थी। आसाराम के दो-तीन दिनों तक चलने वाले सत्संगों में अनुयायी दान करते थे। विशेष रूप से गुरुपूर्णिमा पर विशेष कार्यक्रम होते थे और इस तरह आसाराम के आश्रम में करोड़ों रुपए का दान पहुंचता था।

एक रेड और 42 बक्सों में मिली आसाराम की कर्मकुंडली

26 अक्टूबर 2013, पुलिस ने रेप के मामले में फरार आसाराम के बेटे नारायण साईं की तलाशी के लिए अहमदाबाद के सीजी रोड स्थित एक अपार्टमेंट में छापा मारा। रेड से पहले ही नारायण साईं यहां से भाग निकला, लेकिन अपार्टमेंट में दस्तावेजों से भरे 42 बक्से पुलिस के हाथ लग गए। इन दस्तावेजों की जांच से खुलासा हुआ कि आसाराम ने 500 से ज्यादा लोगों को 1635 करोड़ रुपए ऊंचे ब्याज पर दिए थे।

अपार्टमेंट से मिले थे 8 करोड़ रुपए कैश

इतना ही नहीं, दो अमेरिकी कंपनियों सोहम इंक और कोस्टास इंक में 156 करोड़ रुपए का भी निवेश किया था। अपार्टमेंट से कैश 8 करोड़ रुपए भी जब्त किए गए थे। बाद में नारायण साईं के साथियों की गिरफ्तारी के बाद खुलासा हुआ था कि उसे गिरफ्तारी से बचाने के लिए ये रुपए पुलिस को रिश्वत देने के लिए जमा किए गए थे।

आसाराम का साम्राज्य 10 हजार करोड़ रुपए के ऊपर

सूरत के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना और उनकी टीम ने जब आसाराम के अलग-अलग दस्तावेजों की जांच की, तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। राकेश अस्थाना ने ईडी और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को चिट्ठी लिखकर बताया था कि आसाराम और नारायण साईं ने कई कंपनियों में भारी निवेश कर करोड़ों की टैक्स चोरी की थी। साथ ही, बड़ी संख्या में देश भर के कई व्यापारियों, उद्योगपतियों और रियल एस्टेट डीलरों के नाम भी सामने आए थे, जिनसे ब्लैक मनी को व्हाइट में बदलने के लिए आसाराम के साथ लेनदेन हुआ करता था। जांच में आसाराम का साम्राज्य का आंकड़ा 10 हजार करोड़ रुपए के पार पहुंचा था।

एक साधारण शख्स से आसाराम बनने की कहानी...

इसकी शुरुआत होती है 7 अक्टूबर 1964 से। आसाराम की आधिकारिक वेबसाइट पर वर्षों पहले एक डॉक्युमेंट्री अपलोड की गई थी। इसमें दी गई जानकारी के मुताबिक आशुमल के रूप में पहचाने जाने वाले आसाराम के परिवार ने गुजरात के भरूच में एक धार्मिक अनुष्ठान किया था।

इस अनुष्ठान के दौरान मां और पत्नी ने उनसे आध्यात्म का मार्ग छोड़कर गृहस्थ जीवन शुरू करने की बात कही। आशुमल अपनी मां और पत्नी की बात मान जाते हैं और गृहस्थ जीवन शुरू करने परिवार के साथ अहमदाबाद जाने वाली ट्रेन में सवार हो जाते हैं, लेकिन कुछ देर बाद ही वे चलती ट्रेन से कूद जाते हैं। यहां से वे मुंबई जाने वाली ट्रेन में सवार हो जाते हैं। ट्रेन से आशुमल मुंबई के पास वाजेश्वरी पहुंचते हैं। यहां उनकी मुलाकात लीलाशाहजी से होती है। लीलाशाहजी उन्हें अपने शिष्य के रूप में स्वीकार कर लेते हैं और उनका नाम आशुमल की जगह 'आसाराम' रख देते हैं। वाजेश्वरी में कुछ साल गुजारने के बाद आसाराम वापस अहमदाबाद पहुंचते हैं।

वे साबरमती के तट पर बहुत ही कम आबादी वाले क्षेत्र में 'मोक्ष कुटीर' की स्थापना करते हैं। यहां वे पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन के साथ लोगों की समस्याएं सुनने और उनके समाधान का रास्ता दिखाते हैं। जैसे-जैसे समय बीतता जाता है, आसाराम की कीर्ति फैलती जाती है। वे लोगों के पूजनीय हो जाते हैं। इस तरह 'मोक्ष कुटीर' जो कभी एक झोपड़ी हुआ करती थी, वह अब भव्य आश्रम का रूप ले लेती है। त्योहार हो या छुट्टी, आश्रम में भक्तों की भीड़ दिन-ब-दिन बढ़ती जाती है। आसाराम भी धीरे-धीरे देश सहित विदेशों तक में धर्म के नाम पर अपना अभियान शुरू कर देते हैं। इससे करोड़ों रुपए की आमदनी होने लगती है। इस तरह करीब चार दशक में आसाराम की संपत्ति 10 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच जाती है।

मुशर्रफ के दादा दिल्ली में टैक्स कलेक्टर थे

4 साल की उम्र में कराची गए ; पाकिस्तानी सेना प्रमुख से राष्ट्रपति बनने की कहानी

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। साल 2001 की बात है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति और पूर्व सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ भारत दौर पर आए थे। इस दौरान वह दिल्ली के दरियागंज स्थित नहरवाली हवेली में जा पहुंचे। यहां पर 20 मिनट रुके और कई बार भावुक हुए। दरअसल, यह हवेली मुशर्रफ का पुश्तैनी घर था। आजादी के बाद मुशर्रफ का परिवार पाकिस्तान चला गया था।

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का रविवार को दुबई में निधन हो गया। वे 79 साल के थे। वह पिछले तीन हफ्तों से एमाइलॉयडोसिस बीमारी की वजह से दुबई के अस्पताल में भर्ती थे। दिल्ली के दरियागंज में बचपन गुजारने वाले मुशर्रफ का पाकिस्तान जाकर ताकतवर तानाशाह बनना और फिर अपने ही देश से भागकर दुबई में शरण लेना किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। परवेज मुशर्रफ कैसे दिल्ली में बचपन गुजारने वाला एक लड़का पाकिस्तान के सबसे बड़े पद पर पहुंचा?

दिल्ली में जन्म हुआ, दादा टैक्स कलेक्टर थे

परवेज मुशर्रफ का जन्म 11 अगस्त, 1943 दिल्ली के दरियागंज इलाके में काफी संपन्न परिवार में हुआ था। इसे दिल्ली का पुराना हिस्सा कहा जाता है। दादा टैक्स कलेक्टर थे। पिता भी ब्रिटिश हुकूमत में बड़े अफसर थे। मां अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में पढ़ाती थीं। मुशर्रफ परिवार के पास पुरानी दिल्ली में एक बड़ी कोठी थी। अपने जन्म के चार साल बाद तक मुशर्रफ ज्यादातर यहीं रहे। 2005 में अपनी भारत यात्रा के दौरान परवेज मुशर्रफ की मां बेगम जरीन मुशर्रफ लखनऊ, दिल्ली और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी गई थीं। जरीन 1940 में यहां पढ़ा करती थीं।

बंटवारे के बाद पाकिस्तान के कराची में बस गया परिवार

1947 में बंटवारे के बाद मुशर्रफ का परिवार कराची चला गया। उस समय मुशर्रफ सिर्फ 4 साल के थे। अंग्रेजों के लिए काम करने वाले मुशर्रफ के पिता पाकिस्तान की नई सरकार के विदेश मंत्रालय में अफसर बन गए। उनका तबादला कुछ समय के लिए तुर्की में भी हुआ। 1957 में पूरा परिवार फिर से पाकिस्तान लौट आया। इस तरह उनका परिवार नए मुल्क पाकिस्तान में भी अपना रसूख बनाने में सफल रहा।

मुशर्रफ की कॉलेज की पढ़ाई लाहौर के फॉरमैन क्रिश्चियन कॉलेज में हुई। वो कॉलेज में शानदार खिलाड़ी थे। उन्होंने ब्रिटेन में रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज से भी पढ़ाई की। साल 1961 में 18 साल की उम्र में पाकिस्तान की मिलिट्री अकादमी जॉइन की। 3 साल बाद 21 साल की उम्र में परवेज मुशर्रफ ने बतौर जूनियर अफसर पाकिस्तानी आर्मी जॉइन कर ली। वह साल 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान सेकेंड लेफ्टिनेंट थे। ये युद्ध पाकिस्तान हार गया था। बावजूद इसके बहादुरी से लड़ने के लिए पाक सरकार की ओर से मुशर्रफ को मेडल दिया गया था।

1997 में पाकिस्तान में हुए आम चुनावों में जीत के बाद नवाज शरीफ प्रधानमंत्री बने। नवाज ने सत्ता हाथ में आते ही प्रशासन से लेकर सेना तक में अपने पसंद के अधिकारियों को जगह दी। साल 1998 में जनरल परवेश मुशर्रफ को पाकिस्तान का चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बनाया गया। सेना की कमान हाथ में आते ही मुशर्रफ ने नवाज को बताए बिना करगिल युद्ध की प्लानिंग बनाई। इससे नाराज होकर नवाज ने पाकिस्तान को करगिल में मिली हार का जिम्मेदार मुशर्रफ को ठहराया। उन्होंने कहा कि मुशर्रफ के हाथ में आर्मी की कमान को सौंपना उनकी सबसे बड़ी गलती थी। मुशर्रफ और शरीफ के बीच तनातनी कम होने की बजाय बढ़ती रही। 11 अक्टूबर को मुशर्रफ को इस बात की जानकारी मिली की जल्द ही उन्हें पद से हटाया जा सकता है। इसके बाद 12 अक्टूबर, 1999 को मुशर्रफ श्रीलंका दौरे के लिए रवाना हुए। दूसरी ओर, नवाज ने इंटेलिजेंस चीफ जनरल जियाउद्दीन के साथ मिलकर

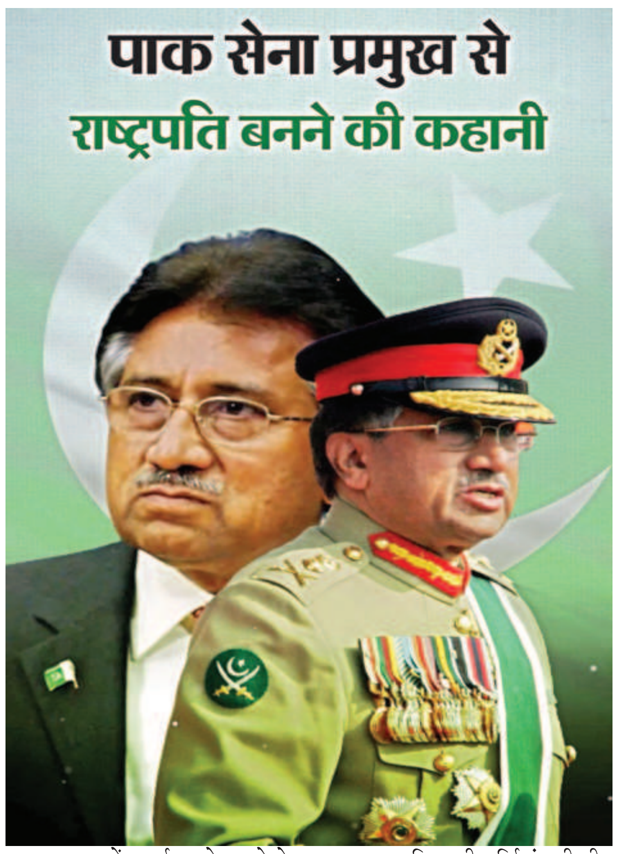

इस्लामाबाद में मुशर्रफ को हटाने के लिए गोपनीय बैठक की। मुशर्रफ को जैसे ही इसकी भनक लगी तो उन्होंने अपने भरोसेमंद अधिकारियों जनरल अजीज खान, जनरल एहसान उल हक और जनरल महमूद को तख्तापलट करने का आदेश दिया। इसके बाद नवाज शरीफ को मुशर्रफ के विमान का अपहरण करने और आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाने के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में उन्हें परिवार के 40 सदस्यों के साथ सऊदी अरब भेज दिया गया। अपनी जीवनी 'इन द लाइन ऑफ फायर - अ मेमॉयर' में जनरल मुशर्रफ ने लिखा कि उन्होंने करगिल पर कब्जा करने की कसम खाई थी, लेकिन नवाज शरीफ की वजह से वो ऐसा नहीं कर पाए। फरवरी 1999 में भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बस से लाहौर की ऐतिहासिक यात्रा की थी। लाहौर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और वाजपेयी की मुलाकात दुनिया की सुर्खियां बनी थी। वाजपेयी की लाहौर बस यात्रा को भारत-पाकिस्तान रिश्ते में एक अहम मोड़ माना जाता है। लेकिन इस बस यात्रा के महज तीन महीने बाद ही आतंकियों की आड़ में पाकिस्तानी सेना ने करगिल पर कब्जा करने की कोशिश की, जिसे भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए नाकाम कर दिया। भारत-पाकिस्तान के बीच 3 मई से 26 जुलाई 1999 तक चली करगिल लड़ाई का असली मास्टरमाइंड परवेज मुशर्रफ को ही माना जाता है। करगिल युद्ध को भारत की शांति की कोशिशों में खलल डालने के सबसे बड़े प्रयासों में से एक के तौर पर देखा जाता है। परवेज मुशर्रफ ने करगिल की साजिश की भनक किसी को नहीं लगने दी थी। यहां तक कि इसे लेकर उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ तक को अंधेरे में रखा था। करगिल लड़ाई का पूरा खाका मुशर्रफ ने खींचा था। उनकी इस योजना की भनक पाकिस्तान की नेवी और एयरफोर्स के सीनियर अफसरों तक को नहीं थी। मुशर्रफ को इस बात का अहसास था कि भारतीय खुफिया एजेंसी रा की पहुंच पाकिस्तानी सेना में बहुत गहरे तक है। इसीलिए उन्होंने करगिल योजना की जानकारी अंतिम समय तक अपनी ही आर्मी के बड़े अफसरों तक को नहीं होने दी थी। मुशर्रफ को पता था कि करगिल से जुड़ी जानकारी जितने ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी उसके लीक होने का खतरा उतना ही रहेगा, इसलिए उन्होंने इसे सबसे छिपाकर रखा।

पाक सेना के बड़े अफसरों तक को ये नहीं पता था कि पाकिस्तानी सेना के साथ आतंकियों के दस्ते भी एलओसी पार गए हैं। भारतीय सेना को गुमराह करने के लिए मुशर्रफ ने आतंकियों से स्थानीय भाषाओं-बाल्टी और पश्तों में झूठे संदेश प्रसारित करवाए। ताकि भारतीय खुफिया एजेंसियां ये समझें कि करगिल में पाक सेना नहीं, बल्कि केवल आतंकी आए हैं। पाकिस्तान हमेशा से करगिल युद्ध में अपनी भूमिका से इनकार करता रहा है। लेकिन परवेज मुशर्रफ ने अपनी आत्मकथा 'इन द लाइन ऑफ फायर' में माना था कि करगिल युद्ध में पाकिस्तानी सेना भी शामिल थी।

माना जाता है कि मुशर्रफ ने कागरिल युद्ध की योजना अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बनाई थी। इतना ही नहीं अपनी आत्मकथा में भी मुशर्रफ ने करगिल में हार की शर्मिंदगी से बचने के लिए हार का पूरा ठीकरा नवाज शरीफ पर फोड़ते हुए कहा कि शरीफ ने करगिल युद्ध से पीछे हटने को कहा था। मुशर्रफ के दिमाग की उपज रहे करगिल युद्ध ने भारत-पाकिस्तान के बीच शांति प्रयासों को पटरी से उतारते हुए रिश्तों में कड़वाहट घोल दी थी।

अड़ियल रवैये से आगरा सम्मेलन को किया फेल

14 जुलाई, 2001 को आगरा शहर में कई जगहों पर भारत और पाकिस्तान का झंडा एक साथ लगाया गया था। 1999 जंग के ठीक दो साल बाद दोनों देशों के झंडे को एक साथ देखना दुनिया को हैरान कर रहा था। दरअसल, दोनों देशों के झंडों को एक साथ लगाकर भारत और पाकिस्तान की दूरी को कम करने की कोशिश की गई थी।

14 से 16 जुलाई तक आगरा में चलने वाले इस सम्मेलन में भारत की ओर से उस वक्त के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पाकिस्तान की ओर से राष्ट्रपति रहे जनरल परवेज मुशर्रफ शामिल हुए थे। इस बैठक की जमीन उस वक्त के गृह मंत्री लाल कृष्ण आडवाणी ने तैयार की थी। इस बैठक के दौरान दोनों देश दोस्त बनते-बनते रह गए थे। ऐसा इसलिए क्योंकि ये सम्मेलन एक तरह से बेनतीजा खत्म हो गया था। आगरा सम्मेलन में फर्स्ट राउंड की बातचीत मुशर्रफ और आडवाणी के बीच होनी थी। इस बातचीत के दौरान आडवाणी और परवेज मुशर्रफ दोनों इस बात पर सहमत हो गए थे कि दोनों देशों में छिपे अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद आडवाणी ने कहा कि औपचारिक तौर पर यह संधि लागू हो इससे पहले अगर आप 1993 के मुंबई बम धमाकों के जिम्मेदार दाऊद इब्राहिम को भारत सौंप दें तो शांति प्रक्रिया आगे बढ़ाने में बड़ी मदद मिलेगी। लेकिन इतना सुनते ही मुशर्रफ के चेहरे का भाव बदल गया और उन्होंने समझौते को मानने से इनकार कर दिया। इस तरह भारत से दोस्ती नहीं होने के पीछे मुशर्रफ के अड़ियल रवैये को जिम्मेदार माना जाता है।

परवेज मुशर्रफ को इस्लामाद की विशेष कोर्ट ने 2019 में संविधान बदलने के लिए देशद्रोह के मामले में मौत की सजा सुनाई थी। वह पहले ऐसे सैन्य शासक थे, जिन्हें देश के अब तक के इतिहास में मौत की सजा सुनाई गई थी। कोर्ट ने करीब 167 पन्नों में विस्तार से अपना फैसला लिखा था। इस फैसले में कहा गया था कि अगर परवेज मुशर्रफ की मौत उनकी सजा से पहले हो जाती है तो घसीटते हुए उनकी लाश को इस्लामाबाद के डी चौक पर तीन दिन के लिए लटकाया जाएगा। हालांकि बाद में लाहौर हाईकोर्ट ने मौत की सजा रद्द कर दी थी।

बीच सड़क पर युवक-युवतियों को मस्ती करना पड़ा महंगा

राहगीरों ने रफ ड्राइविंग का वीडियो बनाकर एसपी को भेजा, दोनों वाहन चालकों पर हुई कार्रवाई

भिलाई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। दुर्ग के वाय-शेप ब्रिज में कुछ लड़के लड़कियों का रफ ड्राइविंग का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक लड़का और एक लड़की दो अलग-अलग स्कूटर में उल्टा होकर बैठे हैं। वो लोग मस्ती में बिना हेलमेट बातें करते हुए जा रहे हैं। इस दौरान भिलाई के लोगों ने इनका वीडियो बनाया और दुर्ग एसपी को भेजने के साथ सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। इसके फौरन बाद दुर्ग पुलिस तुरंत हरकत में आई और दोनों गाड़ियों का 3-3 हजार रुपए का चालान काटा।

दुर्ग भिलाई की सड़कों पर रफ ड्राइविंग करने वालों को पकड़ने में दुर्ग भिलाई की जनता काफी अहम रोल अदा कर रही है। जहां भी लोग रफ ड्राइविंग करते हुए मनचलों को देखते हैं उनका वीडियो बनाकर दुर्ग एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव को सीधे वाट्सअप कर रहे हैं। एसपी के मोबाइल से मैसेज ट्रैफिक पुलिस को भेजते ही ऐसे मनचलों का लंबा चौड़ा चालान काटा जा रहा है।

दो दिन पहले भी इस तरह का एक वीडियो दुर्ग भिलाई को जोड़ने वाले वाय-शेप ब्रिज का वायरल हुआ था। इस ब्रिज में चार लड़के लड़की दो अलग-अलग स्कूटर में रफ ड्राइविंग कर रहे थे। एक लड़का और लड़की स्कूटर की पिछली सीट में उल्टा होकर बैठकर पूरे शहर में घूम रहे थे।

कार चालक ने बनाई रील किया वायरल

इन मनचलों को स्कूटर में इस तरह घूमते हुए देखकर एक कार चालक ने इनकी पूरी रील ही तैयार कर डाली। वह वीडियो में वाइस ओवर भी दे रहा है कि किस तरह ये युवा न सिर्फ अपनी बल्कि दूसरे लोगों की जान जोखिम में डाल रहे हैं।

पुलिस ने काटा 3 हजार रुपए का चालान

ट्रैफिक पुलिस ने दोनों गाड़ी चालकों के खिलाफ 3-3 हजार रुपए का चालान काटा है। इसमें से एक गाड़ी हुडको निवासी अरिहंत जैन पिता कमलेश जैन (20 साल) और दूसरी उसके दोस्त की है।

दुर्ग एसपी ने जनता को सराहा

दुर्ग एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने दुर्ग और भिलाई की जनता को काफी सराहा है। उन्होंने कहा कि उनके इस अवेयरनेस की बदौलत पुलिस बेहतर तरीके से कार्रवाई कर पा रही है। एसपी ने यह भी बताया कि लोग हर दिन 30 से अधिक शिकायतें उनके वाट्सअप पर भेज रहे हैं। उन सभी पर कार्रवाई भी की जा रही है।

पहले भी देखने को मिले ऐसे वीडियो

दुर्ग जिले में चलती बाइक पर कपल के रोमांस का वीडियो पिछले महीने जनवरी में सामने आया था। जिसमें एक युवती बाइक की टंकी पर बैठी हुई नजर आ रही है। वो लड़के को गले लगाए हुए है। दोनों पूरे शहर में ऐसे ही घूमते नजर आए। इस दौरान उनके दोस्त दूसरी गाड़ियों में पीछे चल रहे थे। यह पूरी घटना कैमरे में कैद हुई थी। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई भी थी।

4 साल की मासूम से रेप और हत्या के दोषी को फांसी 56 दिन में कोर्ट ने सुनाई सजा

कोर्ट ने यह फैसला 16 गवाहों को सुनने के बाद सुनाया.

गाजियाबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद के साहिबाबाद क्षेत्र से साढ़े चार साल की बच्ची का अपहरण कर सिटी फोरेस्ट में ले जाकर दुष्कर्म के बाद हत्या करने के दोषी सोनू गुप्ता (20) को पॉक्सो कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई। उसे 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। सोनू बच्ची को एक दिसंबर 2022 को उसके घर के बाहर से तब उठा ले गया था, जब वह पूजा के लिए फूल तोड़कर लाई थी और जय मां, जय मां गाते हुए खेल रही थी। विशेष न्यायाधीश अमित प्रजापति ने इस दरिंदगी को विरल से विरलतम श्रेणी का अपराध मानते हुए दोषी सोनू को मृत्यु होने तक फांसी पर लटकाए जाने का आदेश दिया। 33 पेज के आदेश में अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय इलाहाबाद में मृत्युदंड की पुष्टि होने के बाद फांसी दी जाए। इस मामले में 66 दिन में इंसाफ हो गया। दरिंदे के खिलाफ पुलिस ने 28 गवाहों के बयान रिकॉर्ड किए। 32 दिन में आरोपी का डीएनए परीक्षण कराया और सीसीटीवी फुटेज व 68 पेज की केस डायरी को सबूत के आधार पर कोर्ट में जमा कराया था। इस दरिंदगी को विरल से विरलतम श्रेणी का अपराध मानते हुए विशेष न्यायधीश अमित प्रजापति ने टिप्पणी की, कहा कि भारत जैसे देश में हिंदू धर्म में बालिका को देवी के रूप में माना जाता है और उसकी पूजा की जाती है। अभियुक्त सोनू गुप्ता हिंदू धर्म से ही संबंध रखता है। उसने अबोध बालिका के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी। यह अपराध निर्मम तरीके से किया गया। उसके मुंह में डायपर ठूंसकर गला घोंटकर जान ली गई। इस दौरान बालिका ने जो महसूस किया होगा, उसकी कल्पना मात्र से रूह कांप उठती है... उन्होंने कहा, अभियुक्त के मन में बालिका के प्रति दयाभाव उत्पन्न न होना उसकी घोर अपराधिक मनोवृत्ति को दर्शाता है। उसने लगभग साढ़े चार साल की कोमल बालिका के साथ दुष्कर्म और हत्या जैसा घृणित अपराध किया है। इसके बाद बड़ी ही चतुराई से अपराध के साक्ष्यों को मिटाने का प्रयास किया। अगर पुलिस तत्परता, सजगता और सावधानी नहीं बरतती तो उसका पकड़ा जाना मुश्किल था।

दया के काबिल नहीं यह गुनाह

1. अभियुक्त ने बालिका के साथ क्रूरता और बर्बता की और क्रूरतम तरीका अपनाकर हत्या की। यह विरल से विरलतम श्रेणी का अपराध है।

2. अभियुक्त के अपराध के तरीके और प्रकृति को देखकर उसके प्रति किसी प्रकार की दया उत्पन्न होना स्वभाविक नहीं लगता है।

3. इस मामले में अभियुक्त को अधिकतम दंड से दंडित किए जाने पर ही पीड़िता, उसके परिवार एवं समाज के प्रति न्याय संभव होगा।

4. अभियुक्त को अधिकतम दंड से दंडित किए जाने जाने से ही समाज में न्याय प्रणाली के प्रति सद्भाव व विश्वास उत्पन्न हो सकेगा।

समाज की जागरूकता पर आघात न हो

अभियोजन की ओर से कोर्ट में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को नजीर के रूप में रखा गया। यह मामला मध्य प्रदेश राज्य बनाम बाबूलाल का था।
इसमें 12 अगस्त 2013 को फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, सजा दिए जाने की विधि के प्रमुख लक्ष्यों में से एक यह है कि अभियुक्त को उपयुक्त, उचित एवं समानुपाती दंड से दंडित किया जाए।
प्रदत्त दंड इतना उदार भी नहीं होना चाहिए कि समाज की जागरूकता को आघात प्रदान करे और दंड प्रणाली के प्रति घृणा उत्पन्न करे।

तारीख दर तारीख

एक दिसंबर 2022	साहिबाबाद क्षेत्र से अपहरण कर बच्ची की हत्या।
सात दिसंबर 2022	वारदात का खुलासा, आरोपी सोनू गुप्ता गिरफ्तार।
16 दिसंबर 2022	पुलिस ने 15 दिन में कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया।
21 दिसंबर 2022	सोनू गुप्ता के खिलाफ अदालत में आरोप तय हो गए।
पांच जनवरी 2023	अदालत में गवाहों के बयान दर्ज होना शुरू हो गया।
तीन फरवरी 2023	अदालत ने सोनू गुप्ता को दोषी करार दिया

यादव सिंह की पत्नी कुसुम लता पर 20 फरवरी को तय होगा आरोप

लखनऊ, 5 फरवरी (एजेंसियां)। जिला जज व ईडी के विशेष जज संजय शंकर पांडेय ने मनी लांड्रिंग के दो मामलों में निरुद्ध यादव सिंह की पत्नी कुसुम लता पर आरोप तय करने के लिए 20 फरवरी की तारीख नियत की है. यादव सिंह नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना एक्सप्रेस-वे का चीफ इंजीनियर हुआ करता था. शनिवार को विशेष अदालत के समक्ष अभियुक्ता कुसुम लता को जेल से पेश किया गया था, जबकि अभियुक्त यादव सिंह की ओर से हाजिरी माफी की अर्जी दी गई थी. विशेष अदालत में कुसुम लता को मनी लांड्रिंग के दोनों मामलो में अभियोजन प्रपत्रों की नकलें मुहैया कराई गई.

आजम खान ने अखिलेश यादव की बोलती बंद की

मुरादाबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की प्रेस वार्ता के दौरान सपा के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व मंत्री आजम खां ने बीच में बोलकर अखिलेश की बोलती बंद कर दी। समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक हाजी यूसुफ अंसारी के बेटे के विवाह समारोह में सम्मिलित होने आए अखिलेश यादव पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में मैनपुरी के लोगों ने तय कर लिया था कि चाहे गोली चल जाए, जान चली जाए लेकिन वो वोट डालने जरूर जाएंगे। यदि इसी तरह रामपुर के लोग भी तय कर लें कि चाहे जान चली जाएगी तो भी हमें वोट डालने जरूर जाएंगे, लोकतंत्र को बचाने जाएंगे तो यहां का परिणाम भी कुछ और होगा। इसी दौरान अखिलेश के बराबर में बैठे मोहम्मद आजम खान तुरंत बीच बोले कि मैनपुरी में गोली नहीं चलती। लेकिन रामपुर में गोली चलती और लोग मारे जाते, हमने लोगों को मरने से बचाया है। अखिलेश यादव कुछ पल के लिए असहज हुए और पत्रकार वार्ता समाप्त कर दी।

सड़क हादसे में लड़की की दर्दनाक मौत

सिवान, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के सिवान में सड़क हादसे में एक लड़की की मौत हो गई. महादेवा ओपी थाना क्षेत्र के ओरमा हाईवे पर रविवार सुबह ट्रक ने एक लड़की को कुचल दिया. जिससे मौके पर ही मौत हो गई. बताया जाता है कि बच्ची अपनी साईकिल से शहर के महादेवा इलाके स्थित कोचिंग जा रही थी, तभी यह दर्दनाक हादसा हो गया. घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को भी आक्रोशित लोगों ने भगा दिया. लोगों ने हाइवे पर जमकर बवाल काटा. साथ ही ट्रक को आग के हवाले कर दिया.

'मोदी की हवा है, थोड़े दिन और भाजपा में रुक जाते हैं'

नीतीश कुमार को लेकर पीके का बड़ा दावा

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर की सक्रियता बढ़ती जा रही है. वे लगातार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जेडीयू पर हमलावर हैं. अब उसी कड़ी में गोपालगंज में जन सुराज पदयात्रा के दौरान प्रशांत किशोर ने एक बड़ा खुलासा किया है. नीतीश कुमार पर हमला करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार ने तीन-तीन बार लोगों को ठगा है. सबसे पहले 2015 में छोड़कर भागे. फिर उसके बाद हमने 2019 में दो एमपी वाली जदयू को 17 सीटें दिलवाईं, भाजपा को बिना लड़े ही 30 से घटाकर 17 कर दिया. प्रशांत किशोर ने कहा उस समय पार्टी में हम दूसरे स्थान पर थे, पार्टी में ये तय हुआ था कि लोकसभा के बाद हम भाजपा का साथ छोड़ देंगे, लेकिन जब मोदी जी जीत कर आ गए तो नीतीश कुमार हमको ही समझाने लगे कि अभी लग रहा है मोदी जी का हवा है, अभी रुकिए थोड़े दिन और रुका जाए भाजपा में, ये दूसरा धोखा था. तीसरा धोखा सीएए-एनआरसी को लेकर किया. पार्टी में तय हुआ था कि हम लोग इसके विरोध में हैं, और पार्लियामेंट में जाकर मोदी जी के पक्ष में यानी सीएए-एनआरसी के पक्ष में जाकर वोट कर दिए. जनता से पूछते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि अब आप ही लोग बताएं अब नीतीश कुमार पर कितना भरोसा करें? इससे पहले भी प्रशांत किशोर इसी तरह से नीतीश कुमार को लेकर बड़े दावे कर चुके हैं. कुछ दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार ने उन्हें पार्टी में वापस आने का न्योता दिया था. उन्होंने कहा था कि मार्च 2022 में ही दिल्ली में नीतीश कुमार मुझे बताया था कि महागठबंधन बनाने जा रहे है और इसमें शामिल हो जाओ.

बिहार में बढ़ी सियासी हलचल

नीतीश सरकार में कांग्रेस ने रखा चार मंत्री पदों का दावा, तेजस्वी यादव को दी नसीहत

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने शिवहर में बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार करना मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार से मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर उनकी बात भी हुई थी. मधुबनी की सभा के दौरान उन्होंने कहा भी था कि कांग्रेस कोटे से और मंत्री बनाये जाएंगे. अब जिसको जो लगे वह बोल सकता है. इससे उनका कोई लेना-देना नहीं है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को नसीहत देते हुए कहा कि डिप्टी सीएम का मंत्रिमंडल नहीं होता है. मंत्रिमंडल पर मुख्यमंत्री का अधिकार होता है. मुख्यमंत्री जिसे चाहेंगे अपने मंत्रिमंडल में रख सकते हैं और जिसे नहीं चाहेंगे नहीं रखेंगे. सभी को पता है कि कांग्रेस के 19 विधायक और चार एमएलसी हैं. दूसरी पार्टियों से जो मंत्रिमंडल में हैं उनकी विधायकों की संख्या तीन से चार है. इसके अनुसार कांग्रेस के चार मंत्री पद बनते हैं. उन्होंने कहा कि मैं इस बात को मुख्यमंत्री से बोल चुका हूं. उन्होंने इस पर सहमति भी जताई थी. जानकारी हो कि बिहार में मकर संक्रांति के बाद से ही मंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चा हो रही है. इसको लेकर सीएम नीतीश कुमार भी बयान दे चुके हैं.

पटना हाईकोर्ट के दो जस्टिस बनाए गए सुप्रीम कोर्ट में जज

चक्रधारी शरण सिंह बने एक्टिंग चीफ न्यायधीश

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। जस्टिस चक्रधारी शरण सिंह को पटना हाई कोर्ट का नया एक्टिंग चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया है. हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय करोल और न्यायाधीश अहसानुद्दीन अमानुल्लाह सुप्रीम कोर्ट के जज नियुक्त किए गए हैं. अमानुल्लाह बिहार का गौरव सुप्रीम कोर्ट में बढाएंगे जबकि संजय करोल हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे. संभावना जताई जा रही है कि छह फरवरी को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी वाई चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट के नवनियुक्त जजों को शपथ दिलाएंगे.

दिसंबर में की गई थी जस्टिस के नामों की अनुशंसा

वहीं 13 दिसंबर 2022 को हुई कॉलेजियम की बैठक में पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय करोल एवं न्यायाधीश ए अमानुल्लाह की अनुशंसा की गई थी, जिस पर केंद्र सरकार ने चार फरवरी को मुहर लगा दी. अमानुल्लाह ने 1991 में पटना हाई कोर्ट में वकालत शुरू की थी. साल 2011 में पटना हाईकोर्ट के जज नियुक्त किए गए थे. वहीं 10 अक्टूबर 2021 को उन्हें आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के जज के रूप में स्थानांतरित किया गया था. उन्हें दोबारा 20 जून 2022 को पटना हाईकोर्ट स्थानांतरित किया गया था.

न्यायाधीश अहसानुद्दीन अमानुल्लाह सुप्रीम कोर्ट के जज

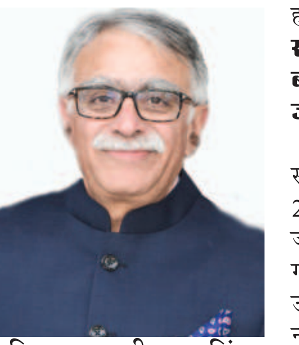

जस्टिस चक्रधारी शरण सिंह

साल 2019 में संजय करोल बने थे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस

संजय करोल को 11 नवंबर 2019 में पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में नियुक्त किया गया था. वह 2018 को त्रिपुरा के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुए थे. 25 अप्रैल 2017 को उन्हें हिमाचल प्रदेश के उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था. संजय करोल ने 1986 में वकालत शुरू की थी और कॉरपोरेट, आपराधिक और नागरिक मामलों में भारत के सर्वोच्च न्यायालय सहित विभिन्न न्यायालयों में प्रैक्टिस की.

सुप्रीम कोर्ट में इनकी हुई है नियुक्ती

सुप्रीम कोर्ट के लिए प्रमोट होने वाले जजों में जस्टिस पंकज मित्तल (राजस्थान हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश), जस्टिस संजय करोल (पटना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश), जस्टिस पीवी संजय कुमार (मणिपुर हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश), जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह (पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश) और जस्टिस मनोज मिश्रा (इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश) शामिल हैं.

तिलक चढ़ाकर लौट रही बोलेरो डंपर से टकराई, तीन की मौत दो की हालत गंभीर

रायबरेली/सीतापुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बछरांवा थाना क्षेत्र के बांदा-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर नंदाखेड़ा गांव के पास शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया. तिलक चढ़ाकर लौट रहे बोलेरो सवार लोगों की गाड़ी तेज रफ्तार डंपर से टकरा गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही बोलेरो सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. आसपास के लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सीएचसी ऊंचाहार पहुंचाया, जहां मौजूद चिकित्सक ने उनका प्राथमिक उपचार कर उनकी गंभीर हालत को देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया.

बांका में बुजुर्ग की हत्या, जमीन विवाद में धारदार हथियार से वार कर उतारा मौत के घाट

बांका, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के बांका में धारदार हथियार से बुजुर्ग की हत्या का मामला सामने आया है. जिले के खेसर थानाक्षेत्र के विश्वकर्मा टोला निवासी 58 वर्षीय लक्ष्मण शर्मा की शनिवार की रात मारपीट कर हत्या कर दी गई है. बुजुर्ग का शव विश्वकर्मा टोला भूतनाथ एवं लोहागढ़ नदी के किनारे मिला है. परिजनों ने बताया कि जमीन विवाद में इस वारदात को अंजाम दिया गया है. हालांकि सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस उसे आनन-फानन में पीएचसी लेकर गई लेकिन डॉक्टरों ने उसे वहां मृत घोषित कर दिया.

चिराग ने पूछा सीएम नीतीश से ऐसा सवाल

क्या दे पाएंगे मुख्यमंत्री जवाब? बिहार की जनता से भी की बड़ी अपील

रोहतास, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के सासाराम में जमुई सांसद चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कई सारे सवाल दागते हुए सीएम से बातें पूछी. चिराग ने शराबबंदी को लेकर उनका घेराव किया. उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार सदन में कहते हैं कि जो शराब पिएगा, वह मरेगा, लेकिन जो शराब पिलाएगा, वह क्या मौज करेगा? कहा कि शराब से लोग मर रहे हैं. उधर, शराब पिलाने वाले लोग मौज कर रहे हैं.

समाधान यात्रा पर भी हमला

चिराग ने शराबबंदी नीति पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में आज जहरीली शराब से लोग मर रहे हैं. किसी को कोई फर्क नहीं पड़ रहा. उन्होंने समाधान यात्रा पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि सीएम नीतीश कुमार खुद एक समस्या हैं और उनके पास लाठी के अलावा कोई 'समाधान' नहीं है. आज समस्या का समाधान के लिए जब भी कोई सड़क पर उतरता है, तो सीएम उसका समाधान लाठी से खोजते हैं. शिक्षक से लेकर छात्रों तक की सड़क पर पिटाई होती है.

चिराग की लोगों से अपील

आगे कहा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार क्या समाधान करने निकले हैं. वो तो सड़कों पर अभ्यर्थियों और छात्रों पर लाठी बरसा रहे. सांसद ने साथ ही लोगों से अपील की है कि उनके दुख-सुख में साथ रहें. उनके साथ जनता को रहना चाहिए. सरकार के लाठी का जवाब वोट की चोट से देने की जरूरत है. बता दें कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) पार्टी के नेता और जमुई के सांसद चिराग पासवान शनिवार को जिले के शिवसागर पहुंचे थे. वहां उन्होंने शहीद दारोगा बिजेंदर पासवान की मूर्ति का अनावरण किया. इस दौरान उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के शराबबंदी नीति पर हमला किया. इसके अलावा भी कई बातें कहीं. बिहार में जहरीली शराब से हुई मौतों को लेकर पहले भी चिराग गृह मंत्री से मुलाकात कर चुके हैं. नीतीश कुमार की शराबबंदी नीति पर अक्सर हमलावर रहते हैं.

खुद को सीआईए एजेंट बताकर अवैध वसूली करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी पटना के विक्रम में आबकारी एवं उत्पाद विभाग ने फर्जी सीआईए एजेंट के गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सात शातिरों को गिरफ्तार किया है. एएसपी अवधेश सरोज दीक्षित ने इस बारे में मीडिया को विस्तार से जानकारी दी. दरअसल, शुक्रवार की शाम विक्रम थाना क्षेत्र के परियावा गांव निवासी जामवंत यादव को दुकान बंद करते समय स्कॉर्पियो सवार युवकों ने उठाकर स्कॉर्पियों में डाल दिया. उसके बाद असपुरा लख की ओर लेकर तेजी से निकल पड़े. कुछ देर बाद मोबाइल पर कॉल करने के बाद बताया कि आबकारी विभाग ने जामबंत यादव को पकड़ा है, इसे छुड़वाना है तो 80 हजार रुपये तैयार रखो.

बाबा रामदेव के 'इस्लाम' वाले बयान पर भड़के सपा सांसद एसटी हसन

कहा- 'वो गाय, गोबर और मूत्र बेचें'

लखनऊ, 5 फरवरी (एजेंसियां)। योग गुरु बाबा रामदेव के बीते दिनों दिए गए एक बयान ने फिर से राजनीतिक पारा हाई कर दिया है. योगीगुरु ने अपने बयान में कहा है कि मुस्लिम पूरी दुनिया को इस्लाम में तब्दील करना चाहते हैं. ईसाई कहते हैं वे पूरी दुनिया को ईसायत में तब्दील करना चाहते हैं. नमाज पढ़ो और जो भी मन में आए पाप करो लेकिन ऐसा हिंदू धर्म नहीं है. जिसके बाद अब समाजवादी पार्टी सासंद एसटी हसन ने प्रतिक्रिया दी है. बाबा रामदेव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा सांसद भड़क गए. उन्होंने कहा, बाबा रामदेव को न तो इस्लाम का पता है और उन्होंने जिस तरह से बयान दिया है ये मुसलमानों और इस्लाम की तौहीन है. नमाज में इबादत की जाती है. इस्लाम के फंडामेंट में नमाज भी है, उसमें हज भी है और उसमें जकात भी है. लेकिन इस्लाम में तर्ज-ए-अमल है. इस्लाम इंसान को इंसानियत सिखाता है जो तमाम चीजें बुराईयों से दूर रहें

बाबा रामदेव को सांसद की सलाह

सपा सांसद ने कहा, बाबा रामदेव को पता नहीं है. बाबा रामदेव तो दवाइयां बनाते हैं. बेहतर है कि वो गाय, गोबर और पेशाब ही बेचते रहें तो ज्यादा अच्छा रहेगा. इससे पहले बाबा रामदेव ने कहा, मुस्लिमों से उनके धर्म के बारे में पूछो तो वह कहते हैं कि दिन में पांच समय नमाज पढ़ो. फिर जो चाहे करो, हिंदुओं की छोरियों को उठाओ, जो भी पाप करना है वो करो, इस्लाम का मतलब नमाज मानते हैं. एसटी हसन ने कहा, नमाज पढ़कर बहुत पाप करते हैं. आतंकवादी बनो या फिर बड़े अपराधी बनो लेकिन मुस्लिम भाई नमाज जरूर पढ़ते हैं क्योंकि उनको यही सिखाया जाता है. आतंकवादी हों या जो भी बड़े अपराधी बन गए हैं, नमाज जरूर पढ़ते हैं. इतना ही बताया गया है- नमाज पढ़ो और जो मन में आए वह करो. अब बाबा रामदेव के इस बयान का विरोध हो रहा है. विभिन्न राजनीतिक दल के नेता इस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं.

झोलाछाप ने गर्भाशय के नाम पर निकाली दोनों किडनी

डॉक्टरों से उठा सुनीता का विश्वास, झाड़-फूंक कराने गई घर

मुजफ्फरपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सिस्टम की अनदेखी से झोलाछाप के चंगुल में फंसकर दोनों किडनी गंवाने वाली सुनीता और उसके परिवार का सरकारी इलाज से भरोसा उठ गया है। श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हास्पिटल (एसकेएमसीएच) में भर्ती सुनीता के चेचक निकलने पर पति अकलूराम ने इलाज न किए जाने का आरोप लगाते हुए पहले अस्पताल में ही झाड़-फूंक का सहारा लिया फिर शनिवार को उन्हें लेकर गांव चले गए।हालांकि, अस्पताल प्रबंधक ने पीड़िता को ले जाने के लिए मना कर दिया। इसके बाद भी पति उसे लेकर वहां से चला गया। वहीं, पति अकूल राम ने कहा कि चिकन पॉक्स यहां के इलाज से ठीक नहीं होगा। सोमवार को दोबारा आकर इलाज कराएंगे। पति ने बताया कि घरवाले किडनी देने के लिए तैयार हैं, लेकिन नहीं ली जा रही है। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर लचर स्वास्थ्य सुविधा की पोल खोल दी है। एसकेएमसीएच में भर्ती सुनीता के स्वजन अस्पताल से छुट्टी लेने के लिए अस्पताल अधीक्षक के पास गए। छुट्टी देने से इन्कार करने के बाद भी वह स्वजन के साथ घर चली गई। पिछले तीन दिनों से सुनीता की हालत में उतार-चढ़ाव जारी रहा। सांस लेने में दिक्कत होने पर उसे ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा जाता था। घर जाने से पहले उसकी डायलिसिस कराया गया। अकलू राम ने बताया कि चिकनपॉक्स के पूजन के कारण उसे घर ले जा रहे हैं। सोमवार को फिर अस्पताल ले आएंगे।

2 एकड़ जमीन पर अफीम का पौधा, पुलिस ने किया नष्ट

नवादा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के नवादा में अफीम की खेती को पुलिस के द्वारा नष्ट किया गया. रजौली थाना क्षेत्र अंतर्गत परतौनिया गांव के घने जंगल में अफीम की बड़े पैमाने पर खेती किए जाने की सूचना पर थानाध्यक्ष दरबारी चौधरी और मजिस्ट्रेट संजय कुमार वहां पहुंचे. वहां पहुंची पुलिस बल और स्वाट जवानों की टीम ने सुबह 10 बजे से ही घने जंगलों की घेराबंदी करने के बाद अफीम की खेती को नष्ट करना शुरू कर दिया.

हफ्तेभर बाद गहलोत-पायलट पर फैसला लेगी कांग्रेस !

चुनाव से पहले बढ़ सकती है खींचतान ; बीजेपी भी पूनिया को लेकर करेगी स्थिति साफ

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में अगले आने वाले दिनों में एक बार फिर बड़ी उठा-पटक देखने को मिल सकती है। राजस्थान का बजट 10 फरवरी को आने वाला है।

ऐसे में कांग्रेस के जानकारों का कहना है कि बजट के बाद राजस्थान कांग्रेस में एक बार फिर उठा-पटक देखने को मिलेगी। इसी तरह बीजेपी में भी अब हलचल होगी। दोनों ही पार्टियों में गुटबाजी और खींचतान है। साथ ही नेतृत्व को लेकर भी दोनों पार्टियों में अब तक हाईकमान की ओर से स्पष्टता नहीं मिल सकी है।

खींचतान का अंतिम पड़ाव हो सकता है बजट

राजस्थान में यूं तो खेमेबाजी जुलाई 2020 के बाद से ही है। मगर 25 सितम्बर में हुए विधायकों के इस्तीफे के बाद सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच तनातनी और बढ़ गई।

माना जा रहा था कि दोनों नेताओं की लड़ाई आखिरकार निर्णायक मोड़ पर आ गई है। मगर ऐसा हुआ नहीं। इस्तीफों के बाद भी इस मसले पर हाईकमान ने कोई निर्णय नहीं लिया।

बताया गया कि 19 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष के लिए चुनाव है। ऐसे में उसके बाद ही कोई निर्णय होगा। 19 अक्टूबर को मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष बन गए। मगर इस मसले पर अध्यक्ष बनने के बाद भी कोई निर्णय नहीं हुआ। जब खड़गे के अध्यक्ष बनने के बाद भी कोई निर्णय नहीं हुआ तो यह कहा गया कि नवम्बर में होने वाले हिमाचल चुनाव और दिसम्बर में होने वाले गुजरात चुनाव के बाद इस मसले पर कोई निर्णय होगा। तब तक कांग्रेस पार्टी कोई कंट्रोवर्सी नहीं खड़ी करना चाहती। मगर चुनाव के बाद भी इसे लेकर हाईकमान की ओर से कोई क्लियरिटी नहीं हुई।

भारत जोड़ो यात्रा भी गुजर गई

हिमाचल-गुजरात चुनाव खत्म होने को आए तो लगा कि अब कोई निर्णय हो सकता है। मगर उसके बाद राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा आ गई। नेताओं की ओर से कहा गया कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद अंततः राजस्थान में खींचतान को खत्म कर हाईकमान इस मसले पर कोई निर्णय कर सकता है। मगर यात्रा के गुजरने के बाद भी इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ। इस बीज राजस्थान कांग्रेस के पूर्व प्रभारी अजय माकन ने इस्तीफा दिया और नए प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने जॉइन कर लिया।

अब बजट के बाद हो सकता है निर्णय

राजनीतिक जानकारों और कांग्रेसी नेताओं का मानना है कि इस पूरे सियासी घटनाक्रम का अंतिम पड़ाव राजस्थान का बजट है। बजट को लेकर काफी चर्चा थी मगर आखिरकार तय समय पर सीएम अशोक गहलोत ही यह बजट पेश कर रहे हैं।

इस बजट को पेश करने के बाद ऐसा कोई महत्वपूर्ण इवेंट या

राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है। ऐसे में बजट के बाद अब हाईकमान राजस्थान कांग्रेस में चल रही इस खींचतान का अंत कर सकता है।

पायलट खेमा इस्तीफा प्रकरण, गहलोत खेमा बजट को भुनाएगा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि बजट के बाद पायलट खेमा इस्तीफा प्रकरण को हाईकमान के पास रखेगा।

हाल ही में विधानसभा की ओर से विधायकों के इस्तीफे स्वैच्छिक नहीं होने की बात रखी जाएगी। साथ ही यह भी दलील दी जा सकती है कि बजट पेश करने के बाद अब तो बदलाव किया जाए। पायलट खेमा इस प्रकरण को हाईकमान के विपरीत जाने के कदम के रूप में रख सकता है।

वहीं, दूसरी ओर यह तय है कि गहलोत इस बार का बजट बेहद लुभावना लाएंगे। ऐसे में गहलोत खेमा बजट को भुनाने का प्रयास करेगा। पहले भी गहलोत खेमे की ओर से सरकार की योजनाओं का हवाला दिया जाता रहा है। ऐसे में बजट के बाद वापस गहलोत खेमा यह दावा कर सकता है कि योजनाओं और अच्छे बजट के बूते गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस ज्यादा मजबूत है।

रायपुर अधिवेशन पर नजर, 9 महीने बाद चुनाव

जानकारों का कहना है कि 24 से 26 फरवरी तक छत्तीसगढ़ के रायपुर में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन है। इसमें 2022 में हुए चिंतन शिविर के संकल्प सहित संगठनात्मक और वैचारिक मसलों पर चर्चा होगी। यह वह मौका होगा जब तमाम कांग्रेसी एकसाथ होकर जुटेंगे। ऐसे में इस अधिवेशन के बाद कांग्रेस राजस्थान पर निर्णय कर सकती है। बता दें कि 9 महीने बाद ही राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बीजेपी की तस्वीर भी इसी महीने साफ होगी

बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि प्रदेशाध्यक्ष को लेकर अब तक जो स्पष्टता बीजेपी में नहीं है। वह स्पष्टता फरवरी में आ सकती है। बीजेपी का एक खेमा राजस्थान में सतीश पूनिया को एक्सटेंशन मिलने की बात कर रहा है।

वहीं दूसरा खेमा अब भी वसुंधरा राजे के पावर में आने को लेकर आश्वस्त है। ऐसे में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष बदलेगा या नहीं और अगर बदलेगा तो कौन होगा यह भी साफ हो जाएगा।

कांग्रेस के लिए पायलट, बीजेपी के लिए वसुंधरा चुनौती

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि दोनों पार्टियों के लिए अपने-अपने नेताओं के साथ एडजस्टमेंट करना चुनौती बना हुआ है। जानकारों का कहना है कि पायलट अगर सीएम नहीं बनते हैं तो पीसीसी चीफ या कोई और सम्मानजनक पोस्ट उन्हें दी जाएगी। ठीक इसी तरह चुनाव से पहले बीजेपी में भी वसुंधरा राजे को प्रदेशाध्यक्ष या इलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। इन निर्णयों से पार्टी हाईकमान का भी नेताओं के प्रति अप्रोच तय होगा।

इस बार भी रिमोट वोटिंग नहीं कर पाएंगे मतदाता

एक करोड़ मतदाता नहीं रहते मतदान क्षेत्र में; रिमोट वोटिंग अभी नहीं

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। जो मतदाता अपने गांव-शहर से बाहर रह रहे हैं या मतदान के दिन अपने क्षेत्र में मौजूद नहीं रहते हैं वे रिमोट वोटिंग सिस्टम के जरिए वोट नहीं कर पाएंगे। भारत सरकार और केन्द्रीय चुनाव आयोग इस पर पिछले कई महीनों से कवायद कर रहा था, लेकिन फिलहाल यह सिस्टम लागू नहीं होने वाला है।

ऐसे मतदाताओं को इस वर्ष होने वाले चुनावों में मतदान का मौका नहीं मिल सकेगा। सूत्रों का कहना है कि अगले वर्ष अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनावों में जरूर संभावना है कि वे अपने संबंधित मतदान क्षेत्र से बाहर भी होंगे तो रिमोट वोटिंग सिस्टम से वोट डाल सकेंगे। निर्वाचन आयोग ने रिमोट वोटिंग सिस्टम (आरवीएस) को फिलहाल मंजूरी नहीं दी है। इसके लिए आयोग ने दिल्ली में 16 जनवरी को विभिन्न प्रशासनिक, राजनीतिक, विधिक और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ एक मीटिंग की थी, लेकिन उस में आरवीएस पर फैसला फिलहाल टाल दिया गया है। मीटिंग में भारतीय प्रौद्योगिकी

राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता

संस्थान (भिलाई) द्वारा बनाए गए एक सॉफ्टवेयर का डेमोंस्ट्रेशन (प्रदर्शन) भी आयोग व विभिन्न राज्यों के अधिकारियों ने देखा है। लेकिन अब भी कुछ प्रशासनिक और लीगल बाधाएं हैं, जिन्हें दूर करने के लिए फिलहाल इस सिस्टम को लागू करने में और समय लगेगा। राजस्थान सहित मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तेलंगाना में इसी वर्ष (2023) में चुनाव होने हैं। राजस्थान में भी इस मीटिंग को लेकर इंतजार किया जा रहा था, लेकिन फिलहाल प्रदेश के निर्वाचन विभाग को कोई निर्देश नहीं मिले हैं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी व निर्वाचन विभाग के प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता ने बताया कि यह सिस्टम इस वर्ष तो लागू नहीं हो सकेगा। निर्वाचन आयोग इस पर निरंतर काम कर रहा है। हाल ही राजनीतिक दलों के साथ आयोग ने मीटिंग भी की थी। हमने राजस्थान के राजनीतिक दलों को भी वहां जाने का आग्रह कर दिया था। देश भर के राजनीतिक दलों के साथ मीटिंग आयोग ने की है, लेकिन फिलहाल इस सिस्टम पर कोई सहमति नहीं बनी है।

निर्वाचन विभाग को पिछले विधानसभा-लोकसभा के विभिन्न चुनावों में जो अनुभव मिला है, उसके अनुसार हर चुनाव में 15 से 20 प्रतिशत मतदाता ऐसे होते ही हैं, जो उन पतों पर रहते ही नहीं हैं जहां का उनका मतदाता पहचान पत्र होता है। ऐसे में वे मतदान के लिए मतदान के दिन बूथ पर पहुंच ही नहीं पाते हैं। उनका मतदान नहीं होने से मतदान प्रतिशत कुल मतदाताओं की तुलना में कम ही दिखाई देता है। युवा मतदाता पढ़ाई, नौकरी, रोजगार, धंधा-व्यवसाय आदि के चलते उन जगहों पर रहते नहीं हैं जहां उनका मतदाता पहचान पत्र बना हुआ है।

गैंगिस्टर को फॉलो, लाइक करने वाले हो रहे गिरफ्तार

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बदमाशों को सोशल मीडिया पर फोलो, लाइक और शेयर कर हीरो बनाने वाले युवकों के खिलाफ पुलिस एक्शन होना शुरू हो चुका हैं। राजस्थान पुलिस ने पिछले 10 दिन में प्रदेश में 500 से अधिक युवकों को इस संबंध में गिरफ्तार किया हैं। वहीं, इन युवकों के सोशल अकाउंट को बंद कराया जा रहा हैं। एडीजी क्राइम रवि प्रकाश ने बताया- पिछले कई समय से इन विषय पर काम चल रहा था। ये युवा इन बदमाशों की पोस्ट,महंगी गाड़ी,पहनावा,भाईगिरी देख कर इन के फैन हो जाते हैं।

ये लोग धीरे-धीरे समय बीतने के बाद इन जैसा बनने के लिए अपराध का रास्ता चुन लेते हैं। इससे की अपराध बढ़ता है। साथ ही जिस युवा को अपने भविष्य पर काम करना चाहिए था वह अपराधी बन जाता हैं। जिला पुलिस की साइबर सेल को निर्देश दिए गए हैं कि वह ऐसे युवकों पर ध्यान रखे पहले फेज में इन युवकों को सामान्य धाराओं में गिरफ्तार किया जाएगा।

आरयू अध्यक्ष बोले- महासचिव ने माफी मांगी, बात खत्म

थप्पड़कांड के 13 दिन बाद नेताओं में सुलह; मुस्कुराए, कहा- मिलकर काम करेंगे

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। थप्पड़कांड के बाद राजस्थान यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी और महासचिव अरविंद जाजड़ा में सुलह हो गई। दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया और गले लगे। शनिवार को जाट समाज के लोगों ने दोनों के बीच विवाद को खत्म कराया।

दरअसल, विजय पूनिया ने RU के छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी और महासचिव अरविंद जाजड़ा को दोपहर 12 बजे मालवीय नगर स्थित जवाहर जाट छात्रावास में बुलाया। जहां दोनों छात्र नेताओं को साथ बैठाकर पूनिया ने समझाया।

पूनिया ने दोनों छात्र नेताओं को कहा- अभी आपका राजनीतिक जीवन शुरू होने जा रहा है। ऐसे में आपस में लड़कर समय न गंवाए। दोनों को मिलकर छात्र हितों के लिए संघर्ष करना है। काफी देर तक समझाने के बाद निर्मल और अरविंद ने हाथ मिलाया और मुस्कुराते हुए गले मिले।

दौरान मंच पर आए अध्यक्ष निर्मल चौधरी को महासचिव

अरविंद जाजड़ा ने थप्पड़ मार दिया था।

23 जनवरी को महारानी कॉलेज में छात्रसंघ कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मंच पर आए अध्यक्ष निर्मल चौधरी को महासचिव अरविंद जाजड़ा ने थप्पड़ मार दिया था।

सुलह के बाद निर्मल ने कहा- अरविंद ने माफी मांग ली है। ऐसे में मैंने सभी बातों को भूलकर उसे माफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब उनके बीच कोई गिले-शिकवे नहीं है। पिछले दिनों उनके बीच जो भी हुआ, उसे वे भूल गए हैं। किसकी गलती थी और किसकी नहीं, हमें इस पर बात नहीं करनी। रात गई, बात गई। मुझे अरविंद जाजड़ा से कोई शिकायत नहीं है। वहीं अरविंद का कहना है कि निर्मल उनका भाई है। दोनों मिलकर छात्र हितों के लिए संघर्ष करेंगे। इस दौरान जाट हॉस्टल अध्यक्ष भगत सिंह लोहागढ़, पूर्व विधायक रणवीर पहलवान के साथ समाज के कई लोग मौजूद थे।

क्या था मामला

बता दें कि 23 जनवरी को महारानी कॉलेज छात्रसंघ कार्यालय के उद्घाटन के दौरान निर्मल और अरविंद के बीच झगड़ा हुआ था। मंच पर केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और विधायक रामलाल शर्मा के सामने अरविंद जाजड़ा ने निर्मल चौधरी के थप्पड़ मारकर मंच से नीचे गिरा दिया था। इसके बाद दोनों छात्र गुटों के बीच काफी मारपीट हुई। दोनों छात्रनेताओं का झगड़ा होने के बाद जाट समाज के लोग एक करने में जुट गए थे।

इस बवाल को लेकर महारानी कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर डॉक्टर पूराराम ने अशोक नगर थाने में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। महारानी कॉलेज की प्रिंसिपल मुक्ता अग्रवाल की अनुमति से दर्ज कराई गई FIR में उन्होंने बताया कि कॉलेज के छात्रसंघ कार्यालय के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत व अन्य विशिष्ट अतिथि मंचासीन थे और कार्यक्रम चल रहा था। सभी भाषण पूरे हो गए थे और केंद्रीय मंत्री शेखावत वहां से जाने वाले ही थे कि निर्मल चौधरी मंच पर पहुंचे।

'जिला नहीं बना तो चुनाव लड़ने का मतलब नहीं'

बालोतरा विधायक बोले-जिले के 7 विधायक समर्थन में, 40 साल से कर रहे मांग

बालोतरा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बालोतरा को जिला बनाने की मांग पिछले लंबे समय से लगातार जारी है। उसी को लेकर विधानसभा में मदन प्रजापत ने प्रण लिया था कि बजट मे बालोतरा जिला नहीं बनेगा तो मैं जूते चप्पल नहीं पहनूंगा। लगभग 10 महीनों से अधिक हो गए हैं, पचपदरा विधायक मदन प्रजापत बिना जूते चल रहे हैं। वहीं 10 फरवरी को राजस्थान विधानसभा का अन्तिम बजट घोषणा होने वाली है। उससे पहले पचपदरा विधायक मदन प्रजापत ने बालोतरा निजी आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि मैं मुख्यमंत्री जी का लाडला विधायकों और मुझे पूर्ण विश्वास है कि आने वाले बजट में बालोतरा को जिला बनाएंगे'।

40 साल से चली आ रही मांग-मदन प्रजापत

विधायक ने कहा कि 'पिछले 40 सालों से जिला बनाने की मांग चल रही है और पहले वाले विधायकों में और मेरे विधायकों में क्या फर्क रहेगा। मुझे मदन प्रजापत ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सब कुछ दिया है। पिछले बजट सत्र में मैने प्रण लिया था कि जब तक बालोतरा जिला नहीं बनेगा, तब तक जूते नहीं पहनूंगा। मुख्यमंत्री के समक्ष मांग रखी कि पचपदरा और सिवाना विधानसभा क्षेत्र की दूरी के लिहाज, रिफाइनरी जैसे अहम प्रोजेक्ट मे मॉनिटरिंग के लिए बालोतरा को जिला बनाना बहुत जरूरी है। 10-20 नहीं 40 साल से बालोतरा को जिला बनाने की मांग की जा रही है ना का तो सवाल ही नहीं है मैं मुख्यमंत्री का लाडला विधायक हूं आज तक जो भी मांगा है वह सौगात हमें मिली है। ऐसे में पूरी उम्मीद है कि बालोतरा जिला बनाने की घोषणा होगी।

जयपुर मैराथन : राज्यपाल कलराज मिश्र ने दिखाई हरी झंडी, सोनू सूद बोले जयपुर वाले करते है फिटनेस से प्यार

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। संस्कृति युवा संस्था और वर्ल्ड ट्रेड पार्क की ओर से आयोजित जयपुर मैराथन की रौनक ने हर किसी का दिल जीत लिया। राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार को रामनिवास बाग से जयपुर मैराथन के 14वें संस्करण का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया। उन्होंने इस अवसर पर 'स्वच्छ जयपुर, स्वस्थ जयपुर' का नारा देते हुए कहा कि 'फिट इंडिया' अभियान को ऐसे मैराथन आयोजन ही आगे बढ़ाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ही स्वस्थ तन और स्वस्थ मन के लिए हम अग्रसर हो सकते हैं। मिश्र ने मैराथन में भाग लेने वाले देश विदेश के धावकों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं भी दी। मैराथन में राज्यपाल मिश्र के अलावा सांसद रामचरण बोहरा, बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद और रणविजय, मैराथन के आयोजक संस्कृति युवा संस्थान के पंडित सुरेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सोनू सूद ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर वाले फिटनेस को लेकर अवेयर है। यहां हर बार मुझे इतना प्यार मिलता है कि मैं उसे कभी भूला नहीं पाता।

महिला टीचर का शिक्षा अधिकारी पर फिजिकल-मेंटल टॉर्चर का आरोप

कहा- ऐसे ही टॉर्चर करते रहे तो मौत के अलावा कोई ऑप्शन नहीं बचेगा

अजमेर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अजमेर के मसूदा में महिला टीचर को फिजिकली व मेंटली टॉर्चर करने का मामला सामने आया है। आरोप मसूदा के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पर है। पीड़िता ने कहा- प्रताड़ित किए जाने से मौत के अलावा कोई ऑप्शन नहीं रहेगा। महिला टीचर की शिकायत पर शनिवार रात पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। सीओ मसूदा ईश्वर मामले की जांच कर रहे हैं।

मसूदा के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित स्कूल की टीचर ने आरोप लगाया- कुछ माह पहले मसूदा ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शिव कुमार दुबे उसके

स्कूल में निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान दुबे ने दबाव बनाते हुए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय मसूदा में आने के लिए कहा। साथ ही कहा- हर दिन 2 घंटे ऑफिस में उनके साथ रहना पड़ेगा। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने धमकी देते हुए कहा- अगर उसका कहना नहीं माना तो वह विभाग का बड़ा अधिकारी है। कार्रवाई करके मजबूर कर देगा। महिला टीचर ने बताया- इसके बाद 26 अगस्त 22 को आदेश जारी करते हुए टीचर को ब्लॉक कार्यालय में उपस्थित होने के आदेश जारी किए। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने अपने कमरे में बुलाकर उसके फिट शरीर पर कमेंट किया। उसने कहा- वह उनके रिलेशन में रहे। फिर जबरदस्ती कुर्सी पर बिठा दिया।

राजस्थान में 33 डिग्री पहुंचा तापमान

सर्दी से मिली राहत, वायरल और अस्थमा के केस बढ़ने लगे

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में जनवरी में सर्दी, गर्मी, बारिश के साथ मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिले थे। लेकिन फरवरी का आगाज होते ही सर्दी का असर खत्म कम होने लगा है। इससे सर्दी से राहत मिलने लगी है। वहीं, बीते 24 घंटों में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। वहीं, न्यूनतम तापमान में भी 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले 1 सप्ताह तक प्रदेश के तापमान में बदलाव नहीं होगा। ऐसे में दिन और रात दोनों के तापमान में दो से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी की संभावना है। दरअसल, फरवरी के शुरुआती दो हफ्ते दिन-रात का पारा सामान्य से नीचे रहने से सर्दी का असर रहता है। 20 फरवरी बाद अधिकतम तापमान 25 डिग्री के ऊपर जाता है। इस बार फरवरी के पहले हफ्ते में ही पारा सामान्य से ज्यादा हो गया है। इसकी वजह से अधिकतम तापमान 33 डिग्री को पार कर गया है। वहीं, अचानक हुए मौसम परिवर्तन से वायरल और अस्थमा के केस बढ़े हैं। अस्पतालों में आ रही ओपीडी में 34 प्रतिशत तक केस वायरल और अस्थमा के आ रहे हैं। जयपुर SMS हॉस्पिटल के मेडिसिन विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. रमन शर्मा ने बताया कि अचानक हुए बदलाव की वजह से सर्दी-जुकाम-खांसी के मरीजों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में बदलते मौसम में ऐतियात काफी जरुरी है।

हिस्ट्रीशीटर बेटे को अस्पताल में देख मां ने किया सुसाइड

बेटे के एनकाउंटर का डर था, प्रॉपर्टी डीलर को किडनैप कर मांगी थी फिरौती

उदयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। उदयपुर के सुखेर थाने के हिस्ट्रीशीटर दीपक मेनारिया की मां ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। हिस्ट्रीशीटर की मां बेटे से मिलने के लिए राजसमन्द के अस्पताल गई थी। दीपक से मिलने के बाद गीता मेनारिया ने जहर खा लिया। इसके बाद गंभीर अवस्था में उसे उदयपुर के गीतांजलि अस्पताल के लिए रेफर किया गया। शनिवार देर रात इलाज के दौरान दीपक की मां गीता मेनारिया ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने बताया कि महिला को बेटे के एनकाउंटर का डर था। बता दे कि शुक्रवार शाम को राजसमंद जिले के केलवा में दीपक और किशन प्रॉपर्टी डीलर को किडनैप करके ले जा रहे थे।

इसी दौरान पुलिस से उसकी मुठभेड़ हुई थी। फायरिंग के बाद पुलिस ने दीपक और उसके साथी किशन को गिरफ्तार किया था। इस दौरान हुए हादसे में घायल दीपक का राजसमंद में राजकीय आरके अस्पताल में इलाज चल रहा था। बेटे से मिलने के लिए दीपक की मां गीता कल शाम को अस्पताल पहुंची थी। उदयपुर के सुखेर से दो हिस्ट्रीशीटर दीपक और किशन ने 1 फरवरी को प्रॉपर्टी कारोबारी का अपहरण कर 3 तीन दिन तक उसे लेकर घूमते रहे। बदमाशों ने कारोबारी के पिता से 35 लाख रुपए की फिरोती मांगी। रुपए नहीं देने पर एक बीघा जमीन बदमाशों के बताए व्यक्ति के नाम रजिस्ट्री करवाने को कहा। ऐसा नहीं करने पर कारोबारी बेटे को जान से मारने की धमकी दी। मामला दर्ज होने पर बदमाशों के मोबाइल की लोकेशन के आधार पर राजसमंद व प्रॉपर्टी कारोबारी उदयपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर किशन रेबारी शुक्रवार रात दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर 3 विदेशी पिस्टल व एक जिंदा कारतूस बरामद किया और अपहृत कारोबारी को छुड़ाया।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

मंत्री सूर्यप्रताप शाही और मुनिंद्रजी ने सामाजिक-आर्थिक विकास में ब्रह्मर्षियों की सहभागिता पर दिया जोर

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद का 23वां वार्षिकोत्सव यूसुफगुड़ा में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मुनिंद्रजी की गरिमामय उपस्थिति रही। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद की अध्यक्षा इंदिरा रॉय ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। इस दौरान रुक्मिणी प्रसन्ना के श्लोक ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। मुख्य अतिथि सूर्य प्रताप शाही ने ब्रह्मर्षि महिलाओं को आगे आकर समाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की प्रेरणा दी। मंत्री ने हैदराबाद में ब्रह्मर्षियों की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि वे इस महानगर में अपने परिवार से मिलने जैसा अनुभव कर रहे हैं। साथ ही ब्रह्मर्षियों के उत्थान में हर संभव मदद का कैबिनेट मंत्री ने भरोसा दिलाया। वहीं विशिष्ट अतिथि मुनिंद्र जी कार्यक्रम को सफल बनाने और पारिवारिक मेल जोल का माहौल देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने ब्रह्मर्षि समाज के लोगों से मिल जुलकर आगे बढ़ने और देश हित में योगदान की प्रेरणा दी। ब्रह्मर्षि समाज की अध्यक्षा इंदिरा रॉय ने वादा किया कि आने वाले समय में महिलाओं के उत्थान के साथ हैदराबाद के सामाजिक और आर्थिक विकास में ब्रह्मर्षि वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करेंगी। हैदराबाद में रह रहे गणमान्य ब्रह्मर्षियों ने कार्यक्रम में उत्साह के साथ शिरकत की। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने ब्रह्मर्षि हस्तियों में शामिल आईटीसी के सीईओरजनीकांत राय, वरिष्ठ अधिवक्ता निर्मल पांडेय, उद्योगपति संजीव मिश्रा, उस्मानिया विश्वविद्यालय की प्रो. संगीता सिन्हा, एसबीआई की मुख्य प्रबंधक आकांक्षा कुमारी, मृणालिनी शर्मा, सीए कीर्ति सिन्हा, अरविंद कुमार, सुषमा शर्मा यूपी के कृषि निदेशक एसबी सिंह आदि की शाल और माला पहना कर सम्मानित किया। समाज के महासचिव निशिकांत पांडेय ने बीते वर्षों में समाज द्वारा किये गये प्रयासों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि सूर्य प्रताप शाही और विशिष्ट अतिथि मुनिंद्र ने समाज के मेधावी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया। ब्रह्मर्षि सेवा समाज के पूर्व अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह ने मुख्य अतिथि सूर्य प्रताप शाही जी को और उपाध्यक्ष अजय कुमार ने विशिष्ट अतिथि मुनिंद्र जी को स्मृति चिह्न भेंट किया। देवकुमार पुखराज ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

बजरंग सेना कोर कमेटी की बैठक में बजरंग सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रसाद और बजरंग सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण राव, बजरंग सेना के राज्य महासचिव रजनी, बजरंग सेना मंदिर मैट विंग के राज्य महामंत्री रामपाका महेश की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।

यादगिरीगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में धार्मिक पूर्णिमा पर चिंतल महिला मंडल ग्रूप द्वारा आयोजित पूजा-अर्चना कार्यक्रम में उपस्थित जीडिमेटला सीरवी समाज अध्यक्ष मांगीलाल काग, सोहनलाल परिहार, कालुराम काग चिंतल, हुक्माराम परिहार, मंगलाराम काग, दीपाराम सानपुरा, प्रकाश, खेताराम सोलंकी, भीकाराम लचेटा व ग्रूप की महिलाएं।

डबल बेडरूम मांगने पर सोसायटी अध्यक्ष का तमाचा मारना गलत : अरुणा तारा

पूर्व भाजपा विधायक ने पुलिस स्टेशन के सामने किया आंदोलन

मदनूर, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जुक्कल विस क्षेत्र के पूर्व भाजपा विधायक अरुणा तारा ने पुलिस स्टेशन के सामने आपने कार्यकर्ता के साथ आंदोलन किया तथा उन्होंने मदनूर सोसायटी अध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए बताया कि मदनूर मंडल बड़ा एकलार गांव का निवासी के. बालाजी द्वारा सोसायटी अध्यक्ष को डबल बेडरूम की मांग करने पर सोसायटी अध्यक्ष बिना विचार किए शुक्रवार के दिन पुलिस के सामने उसे मारना शर्म की बात है। उन्होंने बताया कि एक गरीब व्यक्ति को पुलिस के सामने मारना उचित नहीं है। इस विषय के बारे में स्थानीय एसआई शिवकुमार को सोसायटी अध्यक्ष के खिलाफ शिकायत लेने के लिये हिचक रहा है। तारा ने एसआई शिवकुमार से सीसीटीवी फुटेज मांगे, पर एसआई फुटेज देने से इंकार किया। एसआई के बारे में कामारेड्डी एसपी से एसआई शिवकुमार के खिलाफ शिकायत की। जाएगी। इस समय भाजपा कार्य कर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एनबी साइंस कॉलेज में पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल शिक्षा समिति के तत्वावधान में संचालित एनबी साइंस कॉलेज के द्वारा तीन दिवसीय 'आरंभ 2023' कार्यक्रम के अंतर्गत उच्चतर माध्यमिक प्रतियोगिता पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। उक्त प्रतियोगिता के अंतर्गत बेस्ट ऑफ वेस्ट, न्यूट्रिशन व्यंजन, क्रिकेट, वॉलीबॉल, टग ऑफ वार, चेस, कैरम, गायन तथा नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें 20 से अधिक कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। समिति के सेडमल हॉल में कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम गीत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. जी. बाबू राव ने स्वागत भाषण दिया। अन्य कॉलेज से आए प्रधानाचार्य को शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विजयी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र तथा पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के अकादमिक निर्देशिका जी. कविता ने किया। कुमारी अशिता ने धन्यवाद भाषण दिया।

नारायणगुड़ा मेलकोटे पार्क वाकर एसोसिएशन के तत्वावधान में बीजेपी नेता रमन गौड का सम्मान करते हुए भूषण, भरद्वाज, निशिकांत एवं अन्य।

जन सेवा संघ मलकपेट क्षेत्रीय समिति ने की बैठक

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जनसेवा संघ मलकपेट क्षेत्र में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक जन सेवा संघ के उत्सव समिति एवं छठ पूजा समिति के संयोजक आरपी सिंह के मार्गदर्शन में और क्षेत्रीय अध्यक्ष बिपीन कुमार पासवान की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान क्षेत्र में किये गए कार्यों की समीक्षा की गई और क्षेत्र में हो रही समस्याओं की जानकारी ली गई। इस बैठक में सभी सदस्यों से आग्रह किया गया कि सदस्ता अभियान का आयोजन कर नए सदस्यों को जोड़े साथ ही पुराने सदस्यों का सदस्यता नवीनीकरण करें। जन सेवा संघ के उत्सव समिति एवं छठ पूजा समिति के संयोजक आरपी सिंह ने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि क्षेत्र में बस्ती प्रेसिडेंट यथाशीघ्र बनाएं। संघ चिकित्सा समिति के संयोजक राजीव रंजन चौबे ने सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि वह अपने क्षेत्र में संस्था के उद्देश्यों को प्रचार प्रसार करें और स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करें। इस अवसर पर संघ के वरिष्ठ सदस्य एवं संचालन समिति के संयोजक श्रीकांत पांडेय, आरपी सिंह, राजीव रंजन चौबे, बिपीन कुमार पासवान, क्षेत्रीय सचिव श्रीकांत सिंह, रूपक कुमार, मनोज पासवान, राहूल कुमार, प्रेम पासवान, सुदामा पासवान, दिपक सिंह, लालू यादव, सुनील शर्मा, मुन्ना कुमार, संतोष कुमार, सरिस्ट कुमार, विकास कुमार, टिंकू कुमार, बिलास शर्मा, विनोद कुमार, अशोक शर्मा, मंटू शर्मा, जसवीर कुमार, सजन कुमार, लालटून शर्मा, हरी राम, जितेंद्र पासवान आदि उपस्थित हुए।

स्वामीनारायण गुरुकुल, मोईनाबाद के सुखवल्लभदासजी स्वामी को 10 से 12 फ़रवरी तक एचएमटी मैदान जीड़ीमेटला में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आयोजित होने वाले विक्रम महोत्सव में पधारने हेतु आमंत्रित करते हुए प्रदेश महामंत्री भाजपा मध्यप्रदेश राहुल कोठारी, गुरुकुल के ट्रस्टी हरजी भाई पटेल, जसमतभाई पटेल, किशोर पटेल, जैन समाज के मुकेश जैन चौहान, गौरव कुमावत एवं अन्य।

माघी पूर्णिमा के उपलक्ष्य में हिन्दू सेवा संघ के कार्यालय में भगवान जग्गनाथ, भाई बलराम, बहन शुभद्रा की पूजा करते हुए हिंदू सेवा संघ के अध्यक्ष प्रमोद कुमार मोदी, प्रशोत्तम, पवन जांगिड़, सुशीला, यादमा, सुमन, अजय, उत्तम व अन्य।

तेलंगाना सरकार ने 313 सहायक प्रोफेसरों की भर्ती के लिए दी अनुमति

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने और सुधारने के अपने प्रयासों को गति देते हुए,तेलंगाना सरकारने 313 सहायक प्रोफेसरों की भर्ती के लिए अनुमति दे दी है। शासन द्वारा जारी आदेश में चिकित्सा शिक्षा निदेशक के नियंत्रणाधीन नैदानिक एवं गैर नैदानिक विभागों के नौ नवीन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों के 313 रिक्त पदों को भरने की अनुमति प्रदान की गयी है. इन पदों को चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड, तेलंगाना के माध्यम से सीधी भर्ती के माध्यम से भरा जाएगा।

आदेश में कहा गया है कि स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों की जांच के बाद, विभाग की गतिविधियों और जरूरतों के संदर्भ में कर्मियों की वास्तविक आवश्यकता और समग्र वित्तीय निहितार्थ, सरकार ने इन पदों को भरने की अनुमति दी। चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड, स्थानीय संवर्ग-वार रिक्ति स्थिति, रोस्टर अंक, योग्यता, आदि जैसे अपेक्षित विवरण प्राप्त करके भरे जाने के लिए अनुमत रिक्त पदों पर सीधी भर्ती के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। सचिव एवं संबंधित विभागों के प्रमुख। बोर्ड को जल्द से जल्द भर्ती के लिए नोटिफिकेशन और शेड्यूल जारी करने को कहा गया है।

जाति भगवान ने नहीं पंडितों ने बनाई : मोहन भागवत

ईश्वर के लिए हम सब एक हैं, समाज को बांटकर दूसरों ने फायदा उठाया

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जाति भगवान ने नहीं बनाई है, जाति पंडितों ने बनाई जो गलत है। भगवान के लिए हम सभी एक हैं। हमारे समाज को बांटकर पहले देश में आक्रमण हुए, फिर बाहर से आए लोगों ने फायदा उठाया। आएसएस प्रमुख मुंबई में संत रोहिदास जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

भागवत ने कहा कि हमारे समाज को बांटकर लोगों ने हमेशा से फायदा उठाया है। सालों पहले देश में आक्रमण हुए, फिर बाहर से आए लोगों ने हमें बांटकर फायदा उठाया। नहीं तो हमारी ओर नजर उठाकर देखने की भी किसी में हिम्मत नहीं थी। इसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं। जब समाज में अपनापन खत्म होता है तो स्वार्थ अपने आप बड़ा हो जाता है।

हर काम समाज के लिए तो कोई अलग कैसे?

आरएसएस चीफ ने कहा कि हिन्दू समाज देश में नष्ट होने का भय दिख रहा है क्या? यह बात आपको कोई ब्राह्मण नहीं बता सकता, आपको समझना होगा। हमारे आजीविका का मतलब समाज के प्रति भी जिम्मेदारी होती है। हर काम समाज के लिए है तो कोई ऊंचा, नीचा, या कोई अलग कैसे हो गया?

देश में विवेक, चेतना सभी एक है, उसमें कोई अंतर नहीं है। सिर्फ लोगों के मत अलग है। धर्म को हमने बदलने की कोशिश नहीं की। बदलता तो धर्म छोड़ दो, ऐसा बाबासाहेब अम्बेडकर ने कहा। परिस्थिति को कैसे बदलो यह बताया है।

संत रविदास ने समाज को विकास की राह दिखाई

मोहन भागवत ने कहा, मेरी खुशनसीबी है कि आज मुझे संत रोहिदास पर बोलने का सौभाग्य मिला। संत रोहिदास और बाबासाहेब ने समाज में सामंजस्य स्थापित करने के लिए काम किया है। संत रोहिदास ने देश और समाज के विकास के लिए राह दिखाई। समाज को मजबूत करने और आगे बढ़ाने के लिए जिस परंपरा की जरूरत थी वो इन्होंने ही दी है।

धम्माईगुडा स्थित श्री श्रीयादेमाता मंदिर ट्रस्ट प्रजापति समाज बन्धुओं द्वारा 12 फरवरी को आयोजित होने वाले लागरण एवं बारहवे वार्षिकोत्सव को धूम-धाम से मनाने के लिए विचार-विमर्श करते हुए अध्यक्ष मिठालाल ब्रांदणा, उपाध्यक्ष राजुराम प्रजापत, कोषाध्यक्ष मांगीलाल रेडवाल, सचिव मदनलाल ब्रांदणा, सलाहकार लालचन्द कवाडिया, मदनलाल भाणा, पूर्व अध्यक्ष बंसीलाल ब्रांदणा, गोविन्दलाल प्रजापत, भूंडाराम व समाज बन्धु।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता मंदिर में माघ शुक्ल चतुर्थी के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरुजी के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए चेतननाथ। अवसर पर दर्शन, भजनों व प्रसाद का लाभ लेते हुए अध्यक्ष जे.सी. चोलाराम हाम्बड, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

सेना ने अग्निवीर...

केवल वही लोग रैलियों में भाग लेंगे, जिन्होंने सीईई क्लियर कर लिया है। सूत्र ने बताया कि पहले लाखों कैंडिडेट्स देश के 200 स्क्रीनिंग सेंटर्स पर भर्ती में हिस्सा लेते थे और इसमें काफी खर्च आ रहा था।

नई प्रक्रिया लगभग 40,000 उम्मीदवारों पर लागू होगी, जो 2023-24 में होने वाली भर्ती में शामिल होने के इच्छुक हैं। पहला ऑनलाइन सीईई टेस्ट अप्रैल में देशभर के करीब 200 सेंटर्स पर आयोजित किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब तक 19,000 अग्निवीरों की नियुक्ति हो चुकी है। 21,000 मार्च के पहले सप्ताह से सेना में शामिल हो जाएंगे। अग्निवीर का पहले बैच जम्मू-कश्मीर से चुना गया था। पीएम मोदी ने 16 जनवरी, 2023 को अग्निपथ योजना के पहले बैच के करीब 40 हजार जवानों को संबोधित किया था।

बैंक लूटने फिल्मी...

थोड़ी देर बाद उसने टेबल पर रखी बंदूक उठाई और बैंक कर्मचारी को धमकाने लगा। फिर वह बैंक में बैठे एक बुजुर्ग व्यक्ति के पास जाकर उसे भी धमकाने लगा। अचानक से लुटेरे की बंदूक गिर गई और बुजुर्ग ने उसे अपने तोलिए से दबोच लिया।

मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि बुजुर्ग के दबोचने से आरोपी घायल हो गया, इसलिए उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कहा जैसे ही आरोपी ठीक होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान सुरेश नाम के व्यक्ति के रूप में हुई है। वह एक स्टूडेंट है। बताया जा रहा है कि उसने अजीत कुमार की तमिल फिल्म थुनिवु से प्रेरित होकर डकैती का आइडिया लिया था। सुरेश ने धमकाने के लिए टॉय गन का इस्तेमाल किया था। उसने ये गन ऑनलाइन खरीदी थी। एक डमी बम बनाने के लिए लाल टेप में लिपटे एक स्विच बॉक्स का इस्तेमाल किया और किचन टाइमर चिपका दिया।

निमी ने कहा, रात 2...

वह अपने पति के साथ गांव के चौराहे पर पकौड़े बेचकर गुजर बसर करती थी।

गोपाल का बड़ा भाई युधिष्ठिर माता-पिता के साथ पास में ही रहता है। उसने बताया, मैं मुश्किल से इतना कमाता हूं कि अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकूं। निमी और उसके बेटे की देखभाल कौन करेगा? वह बमुश्किल कुछ खा रही है। बच्चा भी अब बीमार हो रहा है। युधिष्ठिर ने कहा, सरकार को हमें पहले चेतावनी देनी चाहिए थी, तो हम सावधान हो जाते।

रेजिना के बेटे रजीबुल हुसैन को गुरुवार शाम करीब 6 बजे घर से उठाया गया था। वह कुछ ही मिनट पहले केरल से अपने पिता के साथ घर लौटा था। रेजिना से जो भी बात करता है वह उसे बताती हैं, मेरी बहू कम उम्र की नहीं है, लेकिन उसके आधार कार्ड में कुछ गड़बड़ी थी, जिसके कारण मेरा बेटा आज जेल में है। अब बहू अपने जन्म रिकॉर्ड प्राप्त करने के लिए मूल स्थान के चक्कर लगा रही है।

परिवार के एक पड़ोसी ने दावा किया कि राजीबुल की पत्नी जैसे कई लोग शादी के समय नाबालिग नहीं थे, लेकिन आधार कार्ड के लिए नामांकन करते समय उनकी जन्मतिथि गलत दर्ज की गई थी। उनका दावा है कि पुलिस ने स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से डेटा लिया गया था, जिनके पास आधार पर आधारित जानकारी है। अब, हम इन महिलाओं को उनके मूल जन्म रिकॉर्ड प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं, ताकि उनके पतियों को जमानत मिल सके।

इस मामले में जहां कुछ को अपने परिवारों से मदद और समर्थन मिल रहा है, वहीं रिया देवी जैसी कई अपने पतियों की गिरफ्तारी के बाद अधिकारियों की दया पर निर्भर हैं। सरकार की ओर से संचालित शेल्टर होम में रह रही 16 साल की रिया ने बताया, पति ही मेरे सबकुछ हैं, क्योंकि हमने भागकर शादी की थी। अब मैं यहां से अपनी एक साल की बेटी को लेकर कहां जाऊं?

शेल्टर होम में रहने वाली 9 महीने की गर्भवती रूपा (16) ने कहा, मेरे पति को आजाद करो। हमने सहमति से शादी की थी। अब मैं उनके बिना क्या करूंगी।

बाल विवाह के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने शनिवार तक 2,258 लोगों को गिरफ्तार किया है।

टीम इंडिया को भारत में हराना नामुमकिन जैसा

पिछले 10 साल में लगातार 15 टेस्ट सीरीज जीती; 42 में से सिर्फ 2 मैच हारी

खेल डेस्क, 4 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की टीम चार टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने भारत आ चुकी है। 9 फरवरी से नागपुर में पहला टेस्ट शुरू होगा। ऑस्ट्रेलिया इस समय दुनिया की नंबर-1 टेस्ट टीम है और उम्मीद की जा रही है कि वह भारतीय टीम को कड़ी चुनौती देगी। हालांकि, भारत का अपने घर में पिछले 10 साल का रिकॉर्ड देखें तो कंगारुओं का यहां सीरीज जीत पाना लगभग नामुमकिन लगता है।

स्टोरी में आगे हम उन 5 रिकॉर्ड्स को जानेंगे जिससे साबित होता है कि टीम इंडिया ने अपने घर में जैसा दबदबा बनाया है वैसा इससे पहले किसी और टीम ने अपनी होम कंडीशन में नहीं बनाया था।

1. घर में लगातार 15 सीरीज जीते

भारत ने 2013 से अब तक घर में लगातार 15 टेस्ट सीरीज जीत ली हैं। दुनिया की कोई भी टीम अपने घर में लगातार से 10 से ज्यादा टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी। भारत ने इन 15 में से 9 सीरीज में तो विपक्षी टीम को क्लीन स्वीप किया।

15 में से भी 8 सीरीज सेना देशों यानी साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया को हराई। इस दौरान हमने श्रीलंका और वेस्टइंडीज को भी हराया। भारत को आखिरी बार 2012 में इंग्लैंड ने टेस्ट सीरीज हराई थी। तब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत 2-1 से हारा था।

2. 10 साल के टाइम पीरियड में घर में सबसे ज्यादा जीत 80.95%

भारत ने 2013 से अब तक घर में 42 टेस्ट खेले हैं। इनमें उसे 34 में जीत और सिर्फ 2 में हार मिली। यानी इन 10 सालों में भारत का जीत प्रतिशत 80.95% रहा। दुनिया की कोई भी टीम किसी भी 10 साल के पीरियड में अपने घर में इससे अच्छा जीत प्रतिशत हासिल नहीं कर पाई है। भारत के बाद दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है। ऑस्ट्रेलिया ने 1998 से 2007 तक 10 साल के पीरियड में अपने घर में 79.66% टेस्ट मैचों में जीत हासिल की थी। उन्होंने इस दौरान 59 टेस्ट खेले और 47 में जीत दर्ज की।

3. 15 में से 9 सीरीज में क्लीन स्वीप

पिछले 10 सालों में भारत ने जो 15 सीरीज जीतीं। इनमें भी दबदबा दिखाते हुए 9 सीरीज पर क्लीन स्वीप किया। एक टेस्ट मैच वाली सीरीज हटा दें तो 13 में से 7 में क्लीन स्वीप किया। एक-एक टेस्ट में भारत ने बांग्लादेश और अफगानिस्तान को हराया। भारत ने जिन देशों पर क्लीन स्वीप किया उनमें ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और श्रीलंका जैसे देश शामिल हैं। SENA देशों यानी साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया को इस दौरान भारत ने भारत में 8 बार सीरीज में हराया।

4. एकतरफा जीत

भारत ने इन 10 सालों में 34 टेस्ट जीते। 34 में से 31 मुकाबले भारत ने एकतरफा अंदाज में जीते। जिन 3 मैचों को हम एकतरफा जीत में काउंट नहीं कर रहे हैं। वहां भी भारत ने एक मैच 75 रन के अंतर से जीता और 2 मैच 6 विकेट के अंतर से जीते।

इनके अलावा भारत ने 14 टेस्ट पारी के अंतर से जीते। 10 टेस्ट 200 से ज्यादा रन के अंतर से और 2 टेस्ट 100 से ज्यादा रन के अंतर से जीते। विकेट के अंतर की बात करें तो भारत ने 2 टेस्ट 10 विकेट से और 3 टेस्ट 8 विकेट के अंतर से जीते।

5. भारत में दबदबे की वजह हमारे स्पिनर्स और यहां की पिच। भारत आने वाली विदेशी टीमों को स्पिनर्स खेलने में परेशानी होती है। भारत में पिछले 10 सालों से रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा ने दबदबा बनाए रखा है। पिछले 10 सालों में भारत की पिचों पर स्पिनर्स द्वारा सबसे ज्यादा विकेट की बात करें तो अश्विन का नाम ही टॉप पर है। उन्होंने 42 टेस्ट में 258 विकेट झटके हैं। इनमें भी 19 बार पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट लिए।

अश्विन ने तो अकेले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर के 8 टेस्ट में 50 विकेट लिए हैं। इस दौरान जडेजा ने भी 49 विकेट झटके। इस बार भी कंगारुओं को इन दोनों से चुनौती मिलेगी। इनके अलावा अक्षर पटेल और कुलदीप यादव भी हैं। जो किसी भी वर्ल्ड क्लास टीम को स्पिन ट्रैक पर धराशाई करने की काबिलियत रखते हैं।

जम्मू-कश्मीर में 1500 खिलाड़ी खेलो इंडिया विंटर गेम्स में खेलेंगे - अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अनुराग ने कहा कि खेलो इंडिया विंटर गेम्स जम्मू-कश्मीर के युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करेगा और साथ ही राज्य के पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। खिलाड़ी और अधिकारी कश्मीर की सुंदरता और पिछले कई वर्षों से जम्मू-कश्मीर में आए बदलावों से मंत्रमुग्ध हैं।

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में होने वाले खेलो इंडिया यूथ विंटर गेम्स में देश के 1500 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इन खेलों की शुरुआत 10 फरवरी से गुलमर्ग में होगी। अनुराग ने राजभवन में उपराज्यपाल मनोज सिंहा के साथ मिलकर इस यूथ गेम्स का शुभंकर, गान और जर्सी का अनावरण किया।

अनुराग ने कहा कि खेलो इंडिया विंटर गेम्स जम्मू-कश्मीर के युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करेगा और साथ ही राज्य के पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। खिलाड़ी और अधिकारी कश्मीर की सुंदरता और पिछले कई वर्षों से जम्मू-कश्मीर में आए बदलावों से मंत्रमुग्ध हैं। खेलो इंडिया विंटर गेम्स की शुरुआत से देश में यह संदेश जाएगा कि जम्मू-कश्मीर इस प्रतियोगिता को देखने के लिए लोगों का इंतजार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि कोविड के कारण पिछले वर्ष खेलो इंडिया विंटर गेम्स का आयोजन नहीं हो पाया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच थी कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं की खेलों में भागीदारी होनी चाहिए। खेलो इंडिया विंटर गेम्स के पहले संस्करण का आयोजन 2022 में हुआ था। 2020 और 2021 के संस्करणों में जम्मू-कश्मीर ही पदक तालिका में शीर्ष पर रहा था।

पहले टेस्ट से बाहर हो सकते हैं जोस हेजलवुड

एड़ी की हड्डी पर आई चोट, दूसरा टेस्ट खेलने पर भी संशय

अलुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। उन्हें एकिल्स इंजरी यानी उनकी एड़ी की हड्डी पर चोट लगी थी, जो फिर उभर आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 32 साल के गेंदबाज दिल्ली टेस्ट में भी शायद ही खेल पाएंगे। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जोश हेजलवुड अकिलिस की चोट से पूरी तरह रिकवर नहीं हुए हैं। उन्हें पिछले महीने गेंदबाजी करने के बाद बाएं पैर पर ये चोट लगी थी। मिशेल स्टार्क के बाद अगर जोस हेजलवुड भी शुरुआती मैचों से बाहर होते हैं तो ये ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए मुश्किल हो सकती है।

पहले टेस्ट में खेलने को लेकर मैं निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकता - हेजलवुड

वहीं हेजलवुड ने रविवार को बेंगलुरु में केएससीए स्टेडियम में प्रैक्टिस सेशन से पहले कहा, पहले टेस्ट में खेलने को लेकर मैं निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकता। वहीं दूसरे टेस्ट में अभी समय है, इसलिए हम इसे अगले हफ्ते और अगले कुछ दिनों में देखेंगे और उम्मीद है कि मैं जल्द ही वापसी करूंगा। हेजलवुड ने पिछले 2 सालों में चार टेस्ट ही खेले हैं। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता टेस्ट खेलना है। वह भारतीय दौरे के साथ ही एशेज के लिए तैयार हैं। उन्हें उम्मीद है कि

वह भारत में वापसी कर सकेंगे।

स्टार्क साउथ अफ्रीका के साथ सीरीज में चोटिल हो गए थे

मिशेल स्टार्क को साउथ अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन चोटिल हो गए थे। कैच लपकने की वजह से उनके बाएं हाथ की अंगुली में चोट लग गई थी। वह इस चोट से अभी तक उभर नहीं पाए हैं। वहीं, कैमरून ग्रीन की भी अभी तक वापसी नहीं हुई है। उन्हें भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान हाथ की उंगली पर चोट लगी थी।

स्कॉट बोलैंड को मिल सकता है मौका

हेजलवुड के नहीं खेलने पर स्कॉट बोलैंड को मौका मिल सकता है। हेजवुड ने बोलैंड की तारीफ की और कहा कि अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह भारत के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

बोलैंड ने मेलबर्न में शानदार गेंदबाजी की है। जबकि सह सपाट विकेट था। यहां पर स्विंग कराना आसान नहीं था। उन्होंने पिछले महीने स्विंग पर काफी मेहनत की है।

ऑस्ट्रेलिया को 19 साल से सीरीज जीत का इंतजार

भारत 2004 से घर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक भी टेस्ट सीरीज नहीं हारा है। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2004 में 4 मैचों की सीरीज में भारत को 2-1 से हराया था। एक मैच ड्रॉ रहा था। इसके बाद से ऑस्ट्रेलियन टीम भारत में लगातार क्लीन स्वीप होने लगी। यहां तक कि 2004 के बाद उन्हें भारत में एकमात्र जीत भी 2017 में मिली, लेकिन तब भी उन्हें 2-1 से सीरीज हार झेलनी पड़ी थी।

अमेरिका की मेजर लीग में उन्मुक्त होंगे मार्की खिलाड़ी

पहला प्लेयर ड्राफ्ट 9 मार्च को नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में

खेल डेस्क, 4 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की बहुप्रतीक्षित लीग मेजर लीग क्रिकेट का पहला प्लेयर ड्राफ्ट 9 मार्च को नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में होगा। आधिकारिक रूप से इस बात की पुष्टि की गई है। जुलाई में इस लीग का पहला आयोजन होगा। इस लीग के लिए अमेरिका पिछले कई सालों से तैयारी कर रहा है।

इस लीग के आयोजन के लिए अमेरिका में कई देशों के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आ कर बस गए। इसमें भारत के अंडर-19 वर्ल्ड कप चैम्पियन उन्मुक्त चंद का नाम भी शामिल है। मेजर लीग क्रिकेट के प्लेयर ड्राफ्ट से

पहले 1 से 8 मार्च तक प्लेयर स्काउटिंग ह्यूस्टन में होगी। इसमें वे ट्रायल मैच का आयोजन करेंगे, जिसके जरिए अच्छे खिलाड़ियों पर नजर रखी जाएगी।

इन 8 दिन के दौरान मैच में वे खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जो माइनर लीग क्रिकेट में अच्छा खेल चुके हैं। माइनर लीग क्रिकेट का आयोजन पिछले 1 साल में प्लेयर स्काउटिंग के लिए किया गया था। मार्च के पहले ड्राफ्ट में मार्की खिलाड़ी के रूप में उन्मुक्त चंद, न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी कोरी एंडरसन और अन्य खिलाड़ी होंगे।

ये खिलाड़ी अपने देश से रिटायर हो कर अमेरिका में बस गए हैं ताकि वे अमेरिका के लिए आईसीसी नियम के अनुसार 3 साल बाद खेल सके। लीग की मिली जानकारी के अनुसार इसमें 6 टीमें भाग लेंगी। साथ ही इसमें कई भारतीय निवेश कर चुके हैं।

पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली पर केस

पत्नी एंड्रिया का आरोप- नशे में गालियां दीं, मारपीट की; कांबली का फोन बंद

खेल डेस्क, 4 फरवरी (एजेंसियां)। विनोद कांबली की पत्नी एंड्रिया ने बांद्रा पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज करवाया है।

पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली फिर से एक बार मुसिबत में फंस गए हैं। उनकी पत्नी एंड्रिया ने मारपीट का आरोप लगाया है और मुंबई के बांद्रा पुलिस्ट स्टेशन में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। एंड्रिया ने अपनी शिकायत में कहा कि उनके पति विनोद कांबली ने शराब के नशे में उनके साथ दुर्व्यवहार किया और मारपीट की है। हालांकि मुंबई पुलिस ने अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है।

उधर बांद्रा पुलिस ने कहा कि कांबली के खिलाफ मारपीट और

दुर्व्यवहार का मामला दर्ज कर लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। उनका फोन बंद जा रहा है। उनकी पत्नी एंड्रिया ने अपनी शिकायत में खाना बनाने वाली बर्तन से हमला करने का आरोप लगाया है। इससे उनके सिर में चोट आई है।

पुलिस ने कांबली को नोटिस दिया

रविवार को बांद्रा पुलिस कांबली के घर पहुंची। उन्होंने कांबली को सेक्शन 41A अंतर्गत नोटिस दिया है। उन्हें पुलिस स्टेशन जाकर स्टेटमेंट रिकॉर्ड कराना होगा।

शराब पीकर की मारपीट

यह घटना शुक्रवार के दोपहर 1 बजे से 1.30 बजे के बीच बताई जा रही है। कांबली शराब पीकर घर में आए और उनकी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। उनके 12 साल के बेटे ने बीच-बचाव की कोशिश की। उन्होंने बेटे और पत्नी दोनों के साथ गाली-गलौच भी करने लगे। इस बीच कांबली किचन से बर्तन लेकर आए और एंड्रिया के ऊपर फेंक दिया। बर्तन उनके सिर पर लगी। उसके बाद बल्ले से भी बेटे और पत्नी पर हमला किया। हालांकि उनकी पत्नी ने इसे रोक लिया। बाद में उनकी पत्नी ने भाभा अस्पताल में इलाज कराया।

पहला सेट गंवाने के बाद जीते सुमित नागल

भारत को दिलाई बराबरी, बेहतर रैंकिंग के होल्मग्रेन को हराया

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पहले मैच में शुक्रवार को युकी भांबरी को दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी होल्गर रुने ने 6-2, 6-2 से हराया। कठिन प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ युकी 58 मिनट में ही हार गए। युकी की हार के बाद डेनमार्क 1-0 से आगे हो गया था लेकिन सुमित ने 1-1 की बराबरी दिला दी है।

सुमित नागल ने डेनमार्क के खिलाफ डेविस कप विश्व ग्रुप प्लेऑफ मुकाबले में दूसरे एकल मैच में पिछड़ने के बाद जीत दर्ज करते हुए भारत की वापसी कराई। पहले मैच में शुक्रवार को युकी भांबरी को दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी होल्गर रुने ने 6-2, 6-2 से हराया। कठिन प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ युकी 58 मिनट में ही हार गए। युकी की हार के बाद

डेनमार्क 1-0 से आगे हो गया था लेकिन सुमित ने 1-1 की बराबरी दिला दी है।

एकल में भारत के नंबर एक खिलाड़ी सुमित नागल ने दो घंटे 27 मिनट तक चले मैच में आगस्ट होल्मग्रेन को 4-6, 6-3, 6-4 से मात दी। विश्व रैंकिंग में 506वें स्थान पर काबिज नागल ने 484वीं रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ पहला सेट गंवा दिया। पहले सेट में वह अपनी लय में नजर नहीं आए और विरोधी खिलाड़ी के खिलाफ संघर्ष करते दिखे. पहला सेट उन्होंने 4-6 से गंवाया।

पहला सेट गंवाने के बाद की वापसी

पच्चीस साल के सुमित नागल ने पहला सेट हारने के बाद मैच में शानदार वापसी की। इसके बाद उन्होंने होल्मग्रेन को संभलने का कोई मौका नहीं दिया। दूसरे सेट में वापसी करते हुए उन्होंने 5-2 की बढ़त बनाई और फिर नौवें गेम में सेट अपने नाम करके मुकाबला निर्णायक सेट तक खींचा। सुमित ने दूसरा सेट 6-3 से और आखिरी सेट 6-4 से जीता। आखिरी दोनों सेटों में उन्होंने अपना पूरा अनुभव लगा दिया और मैच में जीत हासिल की।

भारत को हर हाल में चाहिए जीत

निर्णायक सेट में नागल ने अपनी लय कायम रखते हुए जीत दर्ज की और सेट जीतने के साथ ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब युगल और उलट एकल मुकाबले खेले जाएंगे। भारत हार जाता है तो विश्व ग्रुप दो में खिसक जाएगा।

अकादमी पर अवैध कब्जे से परेशान भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष, बोलीं- सांसद बनने के बाद ऐसा हो रहा

नई दिल्ली, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पीटी ऊषा केरल के कोझिकोड जिले में अपने अकादमी परिसर में अवैध निर्माण से परेशान हैं। मीडिया के सामने रोते हुए उन्होंने बताया कि यह बच्चियों की सुरक्षा का मामला है।

दिग्गज एथलीट और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा शनिवार (चार फरवरी) को मीडिया के सामने अचानक रो पड़ीं। वह केरल के कोझिकोड जिले में अपने अकादमी परिसर में अवैध निर्माण से परेशान हैं। मीडिया के सामने रोते हुए उन्होंने बताया कि यह बच्चियों की सुरक्षा का मामला है। कोई बिना इजाजत के कैसे छात्राओं के कैंपस में घुस सकता है?

पीटी ऊषा ने कहा कि उनके सांसद बनने के बाद से यह मामला तेजी से बढ़ा है। उन्होंने मीडिया के सामने कहा, "अवैध निर्माण के बारे में पानागढ़ पंचायत को जानकारी दी गई है। अकादमी में ट्रेनिंग लेने वाली लड़कियों की सुरक्षा की जानी चाहिए। मुझ पर निजी हमले बढ़ते जा रहे हैं। इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

पीटी ऊषा ने मुख्यमंत्री से मांगी मदद

पीटी ऊषा को जुलाई 2022 में भाजपा द्वारा राज्य सभा के लिए

नामित किया गया था। उन्होंने केरल की सरकार और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से इस मुद्दे में हस्तक्षेप करने और परिसर में कथित अतिक्रमण को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की है। उन्होंने यह भी कहा कि महिला एथलीटों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

'कैंपस में बड़े स्तर पर कूड़ा डाला जा रहा'

उन्होंने कहा, ऊषा स्कूल की 25 महिला एथलीटों में से 11 उत्तर भारत से थीं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। मैंने इस संबंध में मुख्यमंत्री को एक लिखित शिकायत दी है। कैंपस में बड़े स्तर पर कूड़ा डाला जा रहा है, जिसे ड्रग माफिया का भी खतरा है, लेकिन स्थानीय पंचायत अकादमी प्रबंधन को चारदीवारी बनाने नहीं दे रही है।"

ओमान चांडी सरकार ने लीज पर दी थी जमीन

पीटी ऊषा ने कहा, कैंपस के ठीक बीच में किसी ने अवैध निर्माण किया था और जब हमने पूछा तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसके लिए पंचायत अधिकारियों की मंजूरी है। इस अतिक्रमण पर सवाल उठाने पर स्कूल प्रबंधन को भी अभद्र व्यवहार का शिकार होना पड़ा। 30 एकड़ की जमीन पर ऊषा स्कूल ऑफ एथलेटिक्स स्थित है। राज्य की पिछली ओमान चांडी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 30 साल के लिए उन्हें यह लीज पर मिली थी।"

भारत मुक्केबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचा

अमेरिका और क्यूबा को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाजी ने हाल के वर्षों में अभूतपूर्व बढ़ोतरी की है जिसमें टीमें लगातार वैश्विक टूर्नामेंट जैसे विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों में शीर्ष पांच देशों में शामिल रही। पिछले दो राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुक्केबाजों ने 16 पदक जीते। भारत अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) की ताजा विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारतीय मुक्केबाजों ने 36,300 रैंकिंग अंक जुटाए जिससे देश ने अमेरिका और क्यूबा जैसे शीर्ष मुक्केबाजी 'पावरहाउस' को पीछे छोड़ दिया जो मौजूदा रैंकिंग में क्रमशः चौथे और नौवें स्थान पर हैं। कजाखस्तान (48,100) शीर्ष रैंकिंग पर काबिज देश है जिसके बाद उज्बेकिस्तान (37,600) दूसरे स्थान पर है।

भारतीय मुक्केबाजी ने हाल के वर्षों में अभूतपूर्व बढ़ोतरी की है जिसमें टीमें लगातार वैश्विक टूर्नामेंट जैसे विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों में शीर्ष पांच देशों में शामिल रही। पिछले दो राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुक्केबाजों ने 16 पदक जीते। 2008 से शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में उन्होंने 140 पदक हासिल किए। वहीं 2016 से भारतीय मुक्केबाजों ने पुरुष और महिला वर्गों में 16 एलीट विश्व चैंपियनशिप पदक जीते।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने भी देश में कई बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी की और अब 15 से 26 मार्च तक देश में तीसरी बार प्रतिष्ठित महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। देश में इस खेल का भविष्य उज्ज्वल है जिसका अंदाजा पिछले दो युवा विश्व चैंपियनशिप में जूनियर और युवा स्तर पर कुल 22 पदकों से लगाया जा सकता है।

सस्नेह निमंत्रण

|| श्री गणेशाय नमः || || श्री आईमाताय नमः ||

श्री आईमाताजी मंदिर [बडेर] संगारेड्डी प्राण-प्रतिष्ठा
प्रथम वर्षगांठ महोत्सव

छत की पाषाण शिला से केशर ज्योति चमत्कार

परम पूज्य दीवान श्री माधवसिंहजी

सोमवार 6 फरवरी से — **बुधवार 8 फरवरी तक**

: मांगलिक कार्यक्रम :

आज सोमवार 6 फरवरी से

प्रतिदिन प्रातः 7.15 बजे से (दो पारियों मे) हवन-यज्ञ

विधिवत रुप से श्री युधिष्ठिरजी शास्त्री और इनके कृपापात्र व्यास श्री हेमंतजी, पंडित तिवारीजी, पंडित प्रतिकजी, पंडित बंटीजी, पंडित हिमांशुजी और इनके साथ 15 पंडितों के स्वर लहरियों से पूजा-अर्चना करायी जायेगी

मध्यान् 1.15 बजे भोजन-प्रसादी | **सायं 7.15 बजे महाआरती** | **रात्रि 8.15 बजे भोजन-प्रसादी**

(नौ कुण्डीय यज्ञ हवन कार्यक्रम मे मुख्य यजमान
* चन्दाराम परिहारियां (संगारेड्डी) *
* घीसाराम काग (सदाशिवापेट) *
* प्रभुराम काग (शंकरपल्ली) *
* कालुराम भायल (जहीराबाद) *
के अतिरिक्त कुल 108 जोड़े यज्ञ का लाभ लेंगे)

फाल्गुण बदी 3 बुधवार 8 फरवरी प्रातः 9.15 बजे पुजा-अर्चनाकर
अध्यक्ष रुगारामजी परिहारियां संगारेड्डी के निवास स्थान से गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते हुए **ध्वजा व ज्योत** श्री आईमाताजी मंदिर लाई जाएगी
श्री सोनाणा खेतलाजी मंदिर, श्री राधाकृष्णा मंदिर, श्री शीतलामाताजी मंदिर पर **पितारामजी चोयल-सदाशिवपेट, सुरेशजी परिहारिया एवं प्रकाशजी राठौड़ संगारेड्डी लाभार्थी परिवार द्वारा ध्वजा रोहण** किया जाएगा

कल मंगलवार 7 फरवरी 2023 रात्रि 9.15 बजे से

एक शाम श्री आईमाताजी के नाम
विशाल जागरण

मरुधरा की सुप्रसिद्ध भजन गायिका **नीता नायक**
जुगलकिशोर परिहार एंड पार्टी एवं रविन्द्रसिंह राजपुरोहित
की मधुर आवाज में

: महाप्रसादी :
मंगलवार 7 फरवरी 2023 सायं 6.15 बजे से आपके आगमन तक (मंदिर प्रांगण में)
: भोजन प्रसादी : बुधवार 8 फरवरी 2023 प्रातः 11.15 बजे

सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालु भक्तों एवं स्वजातिय सीरवी बन्धुओं से निवेदन है इस शुभ अवसर पर आप सभी श्रद्धालु भक्तजन, इष्टमित्रों सहित सपरिवार पधारकर हमारा उत्साहवर्धन कर कार्यक्रम की शोभा बढावें एवं माताजी के दर्शन, भजनों, भोजन-प्रसादी का लाभ लेकर पुण्य के भागीदार बने।
|| जय श्री आईमाताजी की ||

: निवेदक :
मय कार्यकारिणी एवं समस्त सीरवी समाज संगारेड्डी, हैदराबाद
एन.एच.65, मल्कापुर, मंडल: कोन्डापुर, जिला: संगारेड्डी-502295 (तेलंगाना)

: अध्यक्ष :

रुगाराम परिहारियां
(मरुधर मे करमावास मालियान)
मो. 9440080275

: महिला अध्यक्षा :
हंजादेवी परिहारियां
मो. 8500304350

: महिला सचिव :
पोकरीदेवी सोलंकी
मो. 8977108082

: उपाध्यक्ष :		: सहसचिव :	: कोषाध्यक्ष :		: संचारमंत्री :
प्रकाश राठौड़	पिताराम चोयल	केसाराम परिहार	मोहनलाल चोयल	लिकमाराम सानपुरा	मल्लाराम बर्फा
संगारेड्डी (डायलाणा)	सदाशिवपेट (संवराड़)	संगारेड्डी (मुकुनपुरा)	संगारेड्डी (कुशालपुरा)	संगारेड्डी (गुड़िया)	इस्नापुर (खेड़ा देवगढ)
मो. 9441559756	मो. 9440736041	मो.9440254618	मो. 9490507870	मो.9440451703	मो.9908184280

: सचिव :

घीसाराम काग
(मरुधर मे चण्डावल)
मो. 9440082853

: सलाहकार :
* जयमल परिहारियां (करमावास मालियान) * मोहनलाल सैंणचा (पिपलिया कलां) * हंसाराम काग (सांसरी) * अमरराम राठौड़ (डायलाणा) * कुन्नाराम परिहार (कालपीपल की ढाणी) * भुराराम हाम्बड़ (शेखावास) * चेनाराम काग (आकेली) *

: कार्यकारिणी समिति : संगारेड्डी : ओमप्रकाश हाम्बड़ (झूंठा) * मोतीलाल सोलंकी (जोजावर) * चंदाराम परिहारियां (करमावास मालियान) * ढगलाराम गेहलोत (ईसाली) * मल्लाराम सैंणचा (पिपलीया कलां) * रतनलाल लेरचा (कुशालपुरा) * सुरेश परिहारियां (करमावास मालियान) * हीरालाल भायल (रडावास) * जस्साराम मुलैवा (देवली पाबुजी) * सदाशिवपेट : पूनाराम सानपुरा (गुड़िया) * रमेश परिहार (खिंबाड़ा) * सोहनलाल चोयल (संवराड) * रमेश लेरचा (कुशालपुरा) * मल्कापुर: कानाराम लेरचा (कुशालपुरा) * विकाराबाद: राजेन्द्रप्रसाद परिहारियां (सांडिया) * पुखाराम परिहारियां (चंडावल) * इस्नापुर: रामलाल सैंणचा (पिपलीया कलां) * पठानचेरु: प्रभुराम हाम्बड़ (लिलाम्बा) * जीवाराम चोयल (कुशालपुरा) * जोगीपेट: भीकाराम परिहारियां (करमावास मालियान) * इस्मालकमपेट: सुखलाल परिहारियां (कुशालपुरा) * जहीराबाद: धुन्नीलाल चोयल (धनला) * शंकरपल्ली: मांगीलाल परिहारियां (रामपुरा कलां) * प्रभुराम काग (लिलाम्बा) * कालुराम काग (करमावास मालियान) * रामचन्द्रपुरम्: पन्नालाल चोयल *

: मुख्यपुजारी :
श्री गोपाल रामजी काग (लिलाम्बा)

पधारजो सा भूल अगर हो जाए हमसे, तो उसे भूल समझ भूल जाना। अपना अनुज समझ कर हमको, भाइयों आप क्षमा कर देना।। **स्वागत है**

Prem Prajapathy

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.